जन-जन की वाणी...

हिन्दी दैनिक

सोन वर्षा वाणी

आरा, औरंगाबाद एवं दुमका से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

• रजि नं. - BIHHIN/2017/72765 • आरा • शुक्रवार • 21 नवंबर 2025 • वर्ष 10 • अंक 197 • पृष्ठ 12

मूल्य ₹ 2.00

आदिवासी संस्कृति बेहद समृद्ध और सुंदर, इसे और अधिक प्रोत्साहन देने की आवश्यकता : राष्ट्रपति

एजेंसी, अंबिकापुर । छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिला मुख्यालय अंबिकापुर में गुरुवार को जनजातीय गौरव दिवस समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि आदिवासी संस्कृति बेहद समृद्ध और सुंदर है, इसे और अधिक प्रोत्साहन देने की आवश्यकता है। राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि छत्तीसगढ़ अपनी स्थापना के 25 वर्ष पूरे कर चुका है और राज्य के विकास में जनजाति समाज की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। उन्होंने भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और कहा कि इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में शामिल होना उनके लिए सम्मान की बात है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़, उड़ीसा और झारखंड के बीच सांस्कृतिक और पारिवारिक रिश्ते सदियों से जुड़े रहे हैं। रोटी और बेटी के इस संबंध ने इन राज्यों की जनजातीय परंपराओं को और मजबूत किया है। उन्होंने बताया कि इन क्षेत्रों के जनजातीय समाज ने अपनी विरासत को संजोकर रखा है, जिसके लिए वह विशेष रूप से आभार व्यक्त करती हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि वह स्वयं जनजातीय समुदाय से आती हैं और अपनी संस्कृति को पहले भी जीती थीं और आज भी उसी गर्व के साथ जी रही हैं।

सोनपुर मेला में घुड़दौड़ की बदली तिथि

एजेंसी, सारण । एशिया के सबसे बड़े पशु मेले के रूप में विख्यात सोनपुर मेला में अब इस वर्ष 23 नवंबर की जगह 21 नवंबर रोमांचक घुड़दौड़ का आयोजन होगा। जिला सूचना जनसंपर्क पदाधिकारी रवीन्द्र कुमार ने यह जानकारी दी। जिसके लिए सारण जिला प्रशासन ने व्यापक तैयारियां पूरी कर ली हैं। सोनपुर मेला बिहार की समृद्ध सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत का भी प्रतीक है। वर्षों से, घुड़दौड़ इस मेले का एक अभिन्न और लोकप्रिय हिस्सा रहा है, जिला प्रशासन ने इस भव्य आयोजन को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए सुरक्षा, व्यवस्था और प्रतियोगियों की सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया है। घुड़दौड़ स्थल पर किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना से बचने एवं दर्शकों की भीड़ को नियंत्रित करने और घोड़ों व सवारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त संख्या में पुलिस बल तैनात किए जाएंगे। घुड़दौड़ में भाग लेने वाले घोड़ों के मालिक और कुशल घुड़सवार सोनपुर पहुंचने लगे हैं।

अनमोल बिश्नोई की जेल में करवटें बदलते हुए बीती रात, बेचैन दिखा गैंगस्टर

एजेंसी, नई दिल्ली : गैंगस्टर अनमोल बिश्नोई को डिपोर्ट कर भारत लाया गया है। अमेरिका की धरती से भारत के खिलाफ आतंकी साजिश रचने वाले गैंगस्टर को अमेरिका से लाने के बाद सीधे कोर्ट में पेश किया गया और 11 दिन की एनआईए की हिरासत में भेज दिया है। जेल में अनमोल बिश्नोई से एनआईए पूछताछ करेगी। अनमोल की जेल में रातें काफी दर्द भरी रहीं। वह रातभर जेल में करवटें बदलता रहा। बता दें एनआईए ने मंगलवार को गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के छोटे भाई अनमोल बिश्नोई को अमेरिका से प्रत्यर्पण कर भारत पहुंचते ही गिरफ्तार कर लिया था। 2022 से फरार अनमोल को एनआईए के 'मोस्ट वांटेड' लिस्ट पर 10 लाख रुपए का इनाम घोषित किया था। वह लॉरेंस के टेरर सिंडिकेट से जुड़ा 19वां आरोपी है। अमेरिकी होमलैंड सिक्योरिटी डिपार्टमेंट ने मंगलवार को बाबा सिद्दीकी हत्याकांड के शिकायतकर्ता जीशान सिद्दीकी को ईमेल भेजकर डिपोर्टेशन की जानकारी दी। ईमेल में लिखा- अनमोल बिश्नोई को अमेरिकी सरकार द्वारा देश से बाहर किया गया है। यह कार्रवाई 18 नवंबर 2025 को हुई थी।

10 वीं बार

बिहार के मुख्यमंत्री बने नीतीश कुमार

▪ प्रधानमंत्री और गृहमंत्री की मौजूदगी में राज्यपाल ने दिलाई शपथ

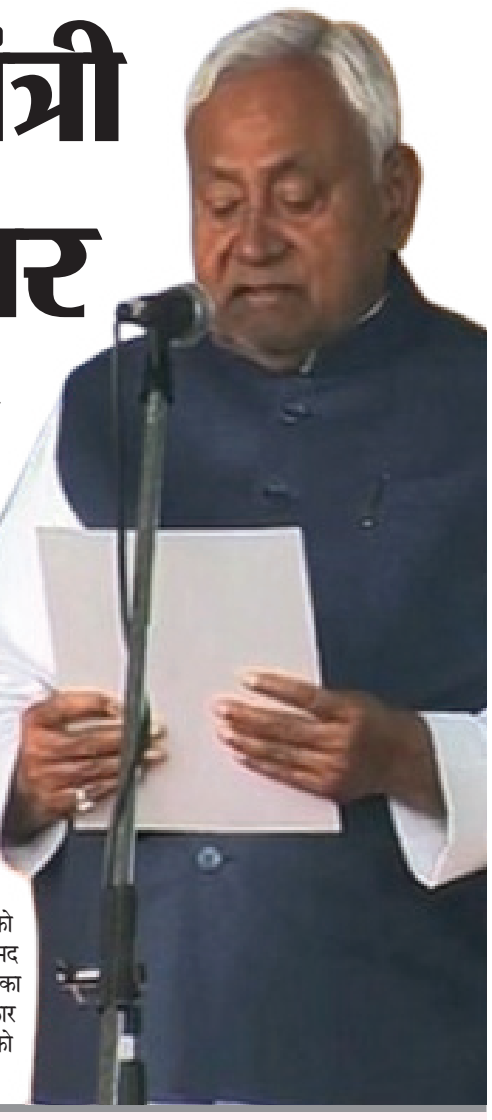

एजेंसी, पटना

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह सहित भाजपा शासित कई प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों की उपस्थिति में नीतीश कुमार ने गुरुवार को पटना के एतिहासिक गांधी मैदान में 10वीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। नीतीश कुमार के साथ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कोटे से सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा ने भी पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। आज नीतीश मंत्रिमंडल में जिन मंत्रियों को शपथ दिलाई गई, उनमें जमुई विधानसभा सीट से जीतीं श्रेयसी सिंह भाजपा की ओर से युवा चेहरों में शामिल हैं। इसके अलावा रमा निषाद को भी मंत्रिमंडल में जगह दी गई है, जो इस बार अराई विधानसभा सीट से चुनाव जीतकर आई है। ये दोनों ने पहली बार मंत्री पद की शपथ ली है।

नीतीश मंत्रिमंडल में शामिल चेहरेः सम्राट चौधरी, विजय कुमार सिन्हा, विजय चौधरी, विजय प्रसाद यादव, श्रवण कुमार, मंगल पांडे, डॉ दिलीप जायसवाल, अशोक चौधरी, लेसी सिंह, मदन साहनी, नितिन नवीन, रामकृपाल यादव, संतोष कुमार सुमन, सुनील कुमार, मोहम्मद जमा खान, संजय सिंह टाइगर, अरुण शंकर प्रसाद, सुरेंद्र मेहता, नारायण प्रसाद, रमा निषाद, लाखेंद्र कुमार रोशन, श्रेयसी सिंह, प्रमोद कुमार, संजय कुमार, संजय कुमार सिंह और दीपक प्रकाश। अनुभवी और युवाओं से सजे नीतीश मंत्रिमंडल में शामिल मंगल पांडे, नितिन नवीन, अशोक चौधरी, श्रवण कुमार जैसे नेता पहले भी अलग-अलग विभागों का जिम्मा संभाल चुके हैं। दूसरी तरफ श्रेयसी सिंह, दीपक प्रकाश, लाखेंद्र कुमार रोशन, रमा निषाद जैसे युवा चेहरे भी शामिल हैं। शपथ ग्रहण समारोह में मैथिली ठाकुर, सांसद व गायक मनोज तिवारी और भोजपुरी स्टार पवन सिंह ने अपनी प्रस्तुति देकर भीड़ को झूमने पर मजबूर कर दिया।

नई सूची में सभी प्रमुख वर्गों और क्षेत्रों को प्रतिनिधित्व देने की कोशिश साफ दिखती है। दलित, अति पिछड़ा, पिछड़ा, महिलाओं और अल्पसंख्यक समाज से आने वाले नेताओं को मंत्रिमंडल में पर्याप्त स्थान दिया गया है। श्रेयसी सिंह, रमा निषाद और लेसी सिंह जैसी महिला नेताओं को शामिल करना राजग की महिला सशक्तिकरण की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है। साथ ही मोहम्मद जमा खान जैसे अल्पसंख्यक चेहरे का शामिल होना भाजपा-जदयू सरकार के सामाजिक संतुलन के प्रयास को रेखांकित करता है।

सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत पहुंचे इम्फाल, गर्मजोशी भरा स्वागत

एजेंसी, इम्फाल

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत गुरुवार को पूर्वोत्तर के अपने तीन दिवसीय दौरे के तीसरे दिन इम्फाल पहुंचे। उनके आगमन पर आरएसएस मणिपुर प्रान्त के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने भास्कर प्रभा, इम्फाल में उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। डॉ. भागवत के इस दौरे में विभिन्न सामाजिक एवं संगठनात्मक बैठकों का आयोजन किया जाएगा। संघ के स्थानीय कार्यकर्ताओं में उनके आगमन को लेकर उत्साह देखा जा रहा है। जानकारी के अनुसार डॉ. भागवत मणिपुर की पहाड़ियों के जनजातीय नेताओं से भी चर्चा करेंगे।

कमरे में कोयला जला कर सो रहे चार श्रमिकों की दम घुटने से मौत

एजेंसी, कानपुर

पनकी थाना क्षेत्र के अंतर्गत गुरुवार सुबह एक कमरे में चार श्रमिक दोस्तों के शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। कमरे में एक तसले में कोयला की राख पड़ी मिली है। अनुमान है कि कोयल के जहरीले धुएं से चार की दम घुटने से मौत हुई है। पुलिस और फोरेंसिक टीम ने जांच पड़ताल के बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। साथी मजदूरों ने बताया कि आज सुबह जब उनके कमरे में से कोई हलचल नहीं हुई तो उन्होंने जाकर दरवाजा खटखटाया लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। अनहोनी की आशंका के चलते उन्होंने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़कर कमरे में देखा तो चारों के शव जमीन पर ही पड़े हुए थे। इसके अलावा कमरे के अंदर एक तसले में कोयले की राख पड़ी हुई थी। प्राथमिक जांच में ऐसा प्रतीत हो रहा है कि सर्दी के चलते उन्होंने तसले में कोयला जलाया और फिर कमरे को अंदर से बंदकर सो गए। अनुमान है कि कमरे में वेंटीलेशन ना होने की वजह से चारों की दम घुटने से चारों की मौत हुई है। पुलिस ने बताया कि पनकी थाना क्षेत्र अंतर्गत इंडस्ट्रियल एरिया स्थित ऑयल सीड्स कंपनी में काम करने वाले चार मजदूर कंपनी परिसर में बने किराए के कमरे में रहते थे।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को अपने प्रकाशित कंटेंट की जिम्मेदारी लेनी चाहिए : अश्विनी वैष्णव

एजेंसी, नई दिल्ली

सिंगापुर में आयोजित ब्लूमबर्ग न्यू इकोनॉमी फोरम में भारत सरकार का प्रतिनिधित्व करते हुए केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एक स्थिर, जिम्मेदार और नवाचार आधारित डिजिटल एवं आर्थिक भविष्य के लिए भारत की दृष्टि स्पष्ट की। उन्होंने भारत की मजबूत आर्थिक बुनियाद का उल्लेख करते हुए कहा कि उच्च विकास दर और मध्यम मुद्रास्फीति के साथ देश आने वाले वर्षों में स्थिर नीतिगत वातावरण, प्रक्रियाओं का सरलीकरण और सतत विकास प्रदान करता रहेगा। उन्होंने वैश्विक निवेशकों को अगले वर्ष नई दिल्ली में होने वाले न्यू इकोनॉमी फोरम में भाग लेने का आमंत्रण भी दिया। डिजिटल दुनिया की चुनौतियों पर चिंता व्यक्त करते हुए मंत्री ने कहा कि डीपफेक, सिंथेटिक सामग्री और तेजी से फैलने वाली अफवाहें नागरिकों और संस्थाओं के बीच भरोसे को प्रभावित कर रही हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को अपने प्रकाशित और प्रसारित कंटेंट की जिम्मेदारी लेनी चाहिए ताकि किसी व्यक्ति, समुदाय या समाज को नुकसान न पहुंचे। वैष्णव ने भारत के "टेक्नो-लीगल" डिजिटल गवर्नेंस मॉडल की व्याख्या करते हुए बताया कि डेटा प्रोटेक्शन एक्ट सिद्धांत-आधारित है, जो तेजी से बदलती तकनीकों के अनुरूप विकसित हो सकता है और नवाचार को प्रोत्साहित करता है।

उन्होंने कहा, "हम नवाचार और नियमन के संतुलित संयोजन में विश्वास करते हैं, जहां नवाचार को बढ़ावा देते हुए संभावित जोखिमों को प्रभावी ढंग से नियंत्रित किया जा सके।" मंत्री ने स्पष्ट किया कि भारत में काम करने वाली कंपनियों को संविधान, कानून व्यवस्था और देश की सामाजिक-सांस्कृतिक विविधता का सम्मान करना अनिवार्य है।

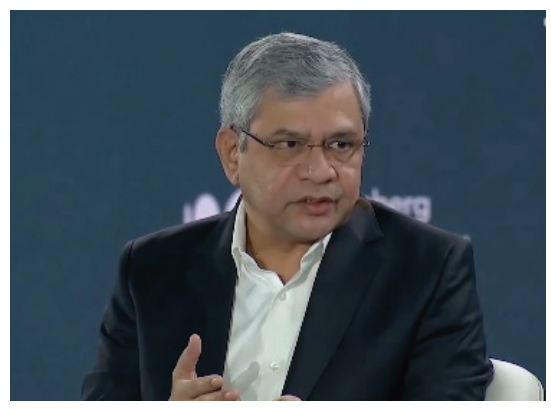

समय सीमा तय नहीं, लेकिन राज्यपाल किसी भी बिल को रोक नहीं सकतेः सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी, नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने प्रेसिडेंशियल रेफरेंस मामले पर गुरुवार को ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए राज्यपालों की विधायी शक्तियों और उनकी सीमाओं को स्पष्ट करते हुए कहा- राज्यपाल के पास यह अधिकार नहीं कि वह किसी विधेयक को रोककर रखें। सीजेआई बीआर गवई की अध्यक्षता वाली संविधान पीठ ने कहा, कि राज्यपाल के पास बिल पर निर्णय लेने के केवल तीन ही संवैधानिक विकल्प हैं, पहला मंजूरी देना, दूसरा राष्ट्रपति के पास भेजना और तीसरा विधानसभा को वापस भेजना। इस प्रकार राज्यपाल किसी बिल को बिना निर्णय के लंबित नहीं रख सकते, ऐसा करने का उनके पास कोई संवैधानिक आधार नहीं है। इसी के साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने राज्यपाल को किसी भी बिल पर निर्णय देने की समय-सीमा तय करने की मांग को खारिज कर दिया। सीजेआई गवई ने कहा, संवैधानिक रूप से अनुच्छेद 200 और 201 में लचीलापन डिज़ाइन किया गया है। इसलिए अदालत या विधानमंडल किसी निश्चित समयसीमा को राज्यपाल या राष्ट्रपति पर थोप नहीं सकते। इसी के साथ सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में स्पष्ट किया, कि राज्यपालों के पास विधानसभा से पारित विधेयकों पर रोक लगाने का अधिकार नहीं है। दरअसल, यह मामला तमिलनाडु राज्यपाल और राज्य सरकार के बीच हुए विवाद का था। राज्यपाल ने यहां राज्य सरकार के बिल रोक रखे थे। इस मामले की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने इसी वर्ष 8 अप्रैल को कहा था, कि राज्यपाल के पास कोई वीटो पावर नहीं है। इसी के साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने कहा था, कि राज्यपाल की ओर से भेजे गए बिल पर राष्ट्रपति को तीन माह के अंदर फैसला लेना होगा। यह आदेश 11 अप्रैल को सामने आया, जिस पर राष्ट्रपति ने चिंता भी जाहिर की थी और सुप्रीम कोर्ट से राय मांगी और 14 सवाल पूछे थे। अब अपने फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा है, कि राज्यपाल किसी भी बिल को मंजूरी देने के लिए उसे अनिश्चितकाल तक के लिए लंबित नहीं रख सकते हैं। वहीं, सुप्रीम कोर्ट ने समय सीमा तय करने से इंकार करते हुए कहा, ऐसा करना शक्तियों के पृथक्करण के सिद्धांत का उल्लंघन होगा। पांच जजों की संविधान पीठ ने सर्वसम्मति से कहा, कि राज्यपाल द्वारा बिलों को एकतरफा तरीके से रोकना संघवाद का उल्लंघन होगा।

संक्षिप्त समाचार

शिक्षकों का एकदिवसीय उन्मुखी प्रशिक्षण सम्पन्न

नारदीगंज(नवादा)। नारदीगंज प्रखंड के सभी मध्य विद्यालय में कार्यरत नामित विज्ञान व नामित गणित शिक्षकों का एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम है। यह कार्यक्रम इंटर विद्यालय नारदीगंज में आगामी 22 नवम्बर 2025 को एक बजे शुरु होगी। आयोजित कार्यक्रम में प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए प्रशिक्षण दी जाएगी। बीईओ दीपक सक्सेना व प्रखंड लेखापाल संजीव रंजन ने संयुक्त रुप से कहा आयोजित प्रशिक्षण जिला शिक्षा पदाधिकारी के आदेशानुसार हो रहा है। इस कार्यक्रम में मध्य विद्यालयों में कार्यरत नामित गणित और नामित विज्ञान के शिक्षकों को ससमय उपस्थित होना अति आवश्यक है।

समारोह पुर्वक दी गयी श्रद्धांजलि

नारदीगंज (नवादा)। पेंशनर भवन नारदीगंज में गुरुवार को श्रद्धांजलि सभा आयोजित हुई। अध्यक्षता पेंशनर समाज के प्रखंड अध्यक्ष रामधनी प्रसाद ने की। इस दौरान पंडपा दरियापुर निवासी बिरला कम्पनी के सेवानिवृत्त कर्मी गोविंद प्रसाद के निधन पर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की। कहा गया मृतक भाजपा मंडल के प्रखंड उपाध्यक्ष रहे। कहा उनके निधन होने से समाज व परिवार में एक अपूर्णीय क्षति पहुंची है। मौके पर पेंशनर समाज सचिव श्रीकांत सिंह,सियाशरण दास,रामशरण सिंह,कामता प्रसाद सिंह, दशरथ प्रसाद,यमुना सिंह,नरेश कुमार, रघुनंदन प्रसाद,सियाशरण दास समेत अन्य लोगों ने अश्रुपूरित नेत्रों से श्रद्धांजलि अर्पित की।

राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारी हेतु नवादा न्याय मंडल में बैठक आयोजित

नवादा। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार, नई दिल्ली एवं बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, पटना के निर्देश पर आज दिनांक 20.11.2025 को नवादा न्याय मंडल में आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता विद्वान प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, नवादा सुश्री शिल्पी सोनी राज द्वारा उनके प्रकोष्ठ में की गई। बैठक में राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल संचालन हेतु विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। आधोहस्ताक्षरी द्वारा उपस्थित सभी न्यायिक अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि विभिन्न प्रकार के सुलहनीय वादों में संबंधित पक्षकारों को नोटिस निर्गत करें तथा तामीला के आधार पर वादों के निष्पादन में सहयोग सुनिश्चित करें, ताकि अधिक से अधिक वादों का आपसी सहमति से निवारण संभव हो सके। इस बैठक में जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश गण, अपर मुख्य दंडाधिकारी गण, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार नवादा श्री धीरेंद्र कुमार पांडे तथा न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणीगण उपस्थित रहे।

अनावश्यक रेलगाड़ियों का अलार्म चेन पुलिंग करेंगे तो होगी बड़ी कार्रवाई

धारा 141 के अंतर्गत ,26 लोगों को गिरफ्तार किया गया

सोनपुर। पूर्व मध्य रेल के सोनपुर मंडल में रेलवे अधिनियम की धारा 141 के अंतर्गत अलार्म चेन पुलिंग (ACP) के मामलों पर निरंतर सख्त कार्रवाई की जा रही है। यात्रियों की सुरक्षा और ट्रेन संचालन की सुचारू व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से मंडल रेल सुरक्षा बल (RPF) एवं रेलवे प्रशासन द्वारा लगातार गश्ती, निगरानी और जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। पिछले 12.11.2025 से 18.11.2025 के बीच सोनपुर मंडल में किए गए विशेष अभियान में कुल 26 लोगों को गिरफ्तार किया गया। इन सभी मामलों में संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध रेलवे अधिनियम 141 के तहत आवश्यक कानूनी कार्रवाई की गई है। सोनपुर मंडल द्वारा ऐसे अनधिकृत और अवैध कृत्यों को रोकने के लिए नियमित रूप से अभियान चलाया जा रहा है, ताकि यात्रियों की यात्रा सुरक्षित, सुगम और समयबद्ध बनी रहे। रेलवे प्रशासन आम जनता एवं यात्रियों से अपील करता है कि किसी भी आपात स्थिति के अलावा अलार्म चेन का प्रयोग न करें। अनावश्यक रूप से चेन खींचना एक दंडनीय अपराध है, जिससे न केवल ट्रेन संचालन प्रभावित होता है, बल्कि हजारों यात्रियों को असुविधा भी होती है।

सोनपुर रेल मंडल में, एक स्टेशन, एक उत्पाद' को में मिल रहा बढ़ावा

सोनपुर। भारतीय रेलवे द्वारा देशभर में स्थानीय एवं स्वदेशी उत्पादों को प्रोत्साहित करने के लिए चलाई जा रही महत्वाकांक्षी योजना 'एक स्टेशन, एक उत्पाद' उत्कृष्ट परिणाम दे रही है। कारीगरों, बुनकरों, ग्रामीण उद्यमियों एवं स्थानीय उद्योगों को सुदृढ़ बाजार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शुरू की गई यह योजना अब भारतीय रेलवे की एक प्रमुख जनोपयोगी नीति बन चुकी है। इस योजना के माध्यम से प्रत्येक रेलवे स्टेशन को एक विशिष्ट स्थानीय उत्पाद की पहचान प्रदान की जाती है। इससे यात्रियों को प्रामाणिक और क्षेत्रीय विशेषताओं वाले उत्पादों की जानकारी व खरीद का अवसर मिलता है, वहीं स्थानीय कारीगरों को अपना उत्पाद सीधे ग्राहकों तक पहुँचाने का एक सशक्त माध्यम प्राप्त होता है। पूर्व मध्य रेल के सोनपुर मंडल में 'एक स्टेशन, एक उत्पाद' योजना का व्यापक और सफल क्रियान्वयन किया जा रहा है। स्टेशनों पर OSOP स्टॉल एवं ट्रॉली के माध्यम से स्थानीय स्तर पर निर्मित उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों की बिक्री की जा रही है। इस में मुख्य रूप से बांस से निर्मित उत्पाद,नर्सरी पौधे,मुरब्बा,बालूशाही,मिलेट्स उत्पाद,विभिन्न प्रकार के अचार,खुरचन मिठाई,लाह से निर्मित उत्पाद,मनसूरचक की मिट्टी से बने उत्पाद,भागलपुरी चादर,मधुबनी पेंटिंग,मखाना,मशरूम आदि है।

सरकारी रेट तय मगर धान खरीद ठप, मिलरों की मनमानी के खिलाफ हड़ताल की राह पर पैक्स अध्यक्ष

किसानों के धान में नमी और कटनी बनी बाधा, धान खरीद में 'ग्रहण',लक्ष्य का फंसा है पेच

निज संवाददाता। रजौली

सरकार द्वारा धान की कीमतें निर्धारित किए जाने के बावजूद रजौली प्रखंड में धान अधिप्राप्ति की प्रक्रिया अब तक शुरू नहीं हो सकी है। एक तरफ जहां अधिकारी जिले से लक्ष्य न मिलने का हवाला दे रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ पैक्स अध्यक्षों ने मिलरों की मनमानी से तंग आकर हड़ताल पर जाने की चेतावनी दे दी है। इस असमंजस के बीच किसान अपनी फसल बेचने के लिए सरकारी आदेश की बाट जोह रहे हैं या फिर बाजारों में औने-पौने धाम बेचने पर मजबूर हो रहे हैं। क्षेत्र में अभी धान की कटनी भी पूरी तरह से संपन्न नहीं हुई है। इसके अलावा, सरकारी मानक के अनुसार धान अधिप्राप्ति के लिए फसल में नमी की मात्रा 17% होनी चाहिए, जो अभी मानकों के अनुरूप नहीं है। नमी ज्यादा होने के कारण अभी खरीद संभव नहीं है।

क्या है सरकारी रेट और अधिकारियों का तर्क:- सरकार ने इस वर्ष साधारण धान के लिए 2369 रुपये प्रति क्विंटल और ग्रेड-ए धान के लिए 2389 रुपये प्रति क्विंटल की दर तय की है। हालांकि, जमीनी स्तर पर खरीदारी शून्य है। इस संबंध में प्रखंड सहकारिता पदाधिकारी (बीसीओ) राकेश कुमार ने स्पष्ट किया कि विभाग को अब तक जिले से धान अधिप्राप्ति का कोई लक्ष्य प्राप्त नहीं हुआ है। लक्ष्य मिलते ही नियमानुसार प्रक्रिया शुरू करने की बात कही गई है।जबकी रजौली पूर्वी पंचायत के पैक्स अध्यक्ष अनिल कुमार ने जब एक किसान से धान खरीद की तो पैक्स संघ में विरोध उत्पन्न हो गया। पैक्स संघ में उस वक्त विरोधाभास उत्पन्न हो गया, जब रजौली पूर्वी पंचायत के पैक्स अध्यक्ष अनिल कुमार ने एक किसान से धान की खरीदारी कर ली। लेकिन, इस पहल का अनुसरण करने के बजाय प्रखंड और नगर पंचायत के अन्य 15 पैक्स अध्यक्षों ने मोर्चा खोल कर इसका कड़ा विरोध करते हुए सामूहिक हड़ताल पर जाने का निर्णय लिया है।

प्रखंड सहकारिता कार्यालय में लटका ताला

क्यों नाराज हैं पैक्स अध्यक्ष :- पैक्स अध्यक्षों की नाराजगी की मुख्य वजह पिछले साल का कड़वा अनुभव है। संघ का कहना है कि पिछली बार धान अधिप्राप्ति के बाद मिलरों (राइस मिल मालिकों) द्वारा उन्हें काफी परेशान किया गया था। समय पर चावल तैयार न करने और अन्य तकनीकी पेच फंसाने के कारण पैक्स अध्यक्षों को आर्थिक और मानसिक दवाब झेलना पड़ा था।इन 15 पैक्स अध्यक्षों ने दो टूक कहा है कि जब तक मिलरों की मनमानी पर लगाम नहीं लगती और उनकी समस्याओं का निराकरण नहीं होता,वे धान खरीदी का बहिष्कार करेंगे और हड़ताल पर रहेंगे।

शादी के सीजन में किसानों पर गहरा संकट :- फिलहाल,अधिकारियों के 'लक्ष्य के इंतजार' और पैक्स अध्यक्षों की 'हड़ताल' के बीच रजौली का आम किसान पिसता नजर आ रहा है, जिसे अपनी उपज का उचित मूल्य मिलने में अभी और वक्त लग सकता है।फिलहाल रजौली में धान खरीद तीन चुनौतियों के बीच फंसी है। इनमें नमी का 17% वाला मानक, जिले से लक्ष्य का न मिलना, और पैक्स-मिलर विवाद है।इन सब के बीच किसान यह समझ नहीं पा रहे हैं कि वे अपनी फसल को खलिहान में रखें या मंडी की राह देखें, जहां पर व्यवसायी उनसे औने-पौने दाम पर धान की खरीद कर अपनी मुनाफा अर्जित कर सकें।

हालांकि शादियों का सीजन भी चालू हो गया है,जिससे किसानों के समक्ष बाजारों में अपने धान बेचने की मजबूरी उत्पन्न है।अगर जल्द ही इसका निराकरण नहीं किया गया तो किसान दलालों के चक्कर में पड़कर अपनी अच्छी खासी मुनाफे को गवा सकते हैं,और कर्ज के बोझ के तले दबकर अपने घरों में शहनाई बजाने पर मजबूर हो सकते हैं।

मारपीट के दो आरोपी एवं तीन वारंटी गिरफ्तार,भेजे गए जेल

थाना परिसर से जेल जाते गिरफ्तार लोग

निज संवाददाता। रजौली

थाना क्षेत्र के गागन खुर्द से मारपीट के दो आरोपियों एवं मंझला सेम से तीन फरार वारंटियों को पुलिस बलों ने गिरफ्तार किया।थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर राजेश कुमार ने बताया कि पीपरपांती गांव में एक महिला के साथ कुछ उपद्रवियों ने बीते 29 अगस्त को मारपीट व छेड़छाड़ किया था।पीड़ित महिला द्वारा लिखित आवेदन के आलोक में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई थी।बीते रात्रि गुप्त सूचना के आलोक में पुलिस बलों ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।गिरफ्तार लोगों एक विधि निरुद्ध बालक है एवं दूसरा आरोपी गागन खुर्द गांव निवासी दिनेश रविदास के पुत्र मनीष कुमार है।वहीं दूसरी ओर न्यायालय से निर्गत वारंट के आलोक में मंझला सेम गांव से तीन फरार वारंटियों को गिरफ्तार किया गया है।गिरफ्तार वारंटियों में मंझला सेम गांव निवासी भतू यादव के पुत्र बालेश्वर यादव व रामा यादव एवं रामा यादव उर्फ रामेश्वर यादव के पुत्र बिंदु यादव शामिल है।थानाध्यक्ष ने बताया कि गिरफ्तार सभी लोगों को गुरुवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

जांच चौकी पर शराब से भरी पार्सल करने वाली एक पिकअप जब्त

- गुप्त तहखाने से शराब परिवहन की कोशिश नाकाम,एक तस्कर गिरफ्तार
- तीन बसों में शराब के साथ सफर करने वाले तीन लोग गिरफ्तार

निज संवाददाता। रजौली

बिहार-झारखंड सीमा क्षेत्र अंतर्गत चितरकोली स्थित समेकित जांच चौकी पर उत्पाद बलों को बड़ी सफलता मिली है।गुरुवार को पार्सल करने वाली पिकअप में बने तहखाने से शराब की बड़ी खेप,जो आसनसोल से फतुहा जा रहा था,जिसे उत्पाद बलों ने जब्त किया है।

उत्पाद अधीक्षक अरुण कुमार मिश्र ने बताया कि जांच चौकी पर उत्पाद बलों के सहयोग से झारखंड की ओर से आनेवाली प्रत्येक वाहनों की सघन जांच की जाती है,जिसका नेतृत्व उत्पाद एसआई प्रवीण कुमार कर रहे हैं।

पिकअप में बने तहखाने से शराब बरामद :- गुरुवार को वाहन जांच के क्रम में झारखंड की ओर से आ रही खाली पार्सल करने वाली बोलोरो पिकअप संख्या बीआर01जीएच में बने गुप्त तहखाना से 371.860 लीटर विदेशी शराब जब्त कर चालक को गिरफ्तार किया गया।इस पिकअप से बरामदशराब में व्हीस्की की मात्रा 13.680 लीटर और बीयर की मात्रा 358 लीटर पाया गया।बरामद शराब में 500 एमएल वाले 716 केन बियर एवं 180 एमएल वाले 76 टेट्रा पैक के ऑफिसर चॉइस नामक शराब बरामद हुआ है।

आसनसोल से फतुहा लेकर जा रहा था शराब:- उत्पाद अधीक्षक ने बताया कि गिरफ्तार पिकअप चालक सन्नी कुमार ने पूछताछ में बतलाया कि वह आसनसोल से शराब लेकर फतुहा जा रहा था,जहां उसे किसी संतोष नामक व्यक्ति को वाहन देना था।सन्नी कुमार पूर्व में भी बीते वर्ष 2024 के रजौली चेक 10 अप्रैल को पोस्ट पर पिकअप से शराब का परिवहन करते हुए पकड़ा जा चुका है,जिसका प्राथमिकी संख्या 274/24 है एवं पिकअप से 1800 लीटर विदेशी शराब की बरामदगी की गई थी।

यात्री बसों से तीन लोग शराब के साथ गिरफ्तार :- जांच चौकी पर विभिन्न यात्री बसों से 13 बोतल शराब के साथ तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है।उत्पाद अधीक्षक ने बताया कि नालंदा जिले के दीपनगर थाना क्षेत्र के गोलापुर गांव निवासी अरुण कुमार के पुत्र पंकज कुमार के पास से 2 बोतल,पटना जिले के अथमलगोला थाना क्षेत्र के बाढ़ निवासी शम्भु सिंह के पुत्र दीपक कुमार के पास से एक बोतल एवं बक्सर जिले के ब्रह्मपुर थाना क्षेत्र निवासी देवराज शर्मा के पुत्र नवीन शर्मा के पास से 10 बोतल शराब बरामद किया गया है।

प्राथमिकी दर्ज,भेजे गए जेल :- उत्पाद अधीक्षक ने बताया कि जब्त पिकअप व शराब के अलावे गिरफ्तार लोगों के विरुद्ध बिहार उत्पाद अधिनियम के सुसंगत धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है।सभी गिरफ्तार लोगों को गुरुवार को स्वास्थ्य जांच के बाद न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

लूट की घटना को अंजाम देने वाले तीन लुटेरे गिरफ्तार

लूटी गई मोबाइल, लैपटॉप एवं अन्य सामान बरामद

निज संवाददाता। पकरीबरावां

लूट की घटना को अंजाम देने वाले तीन लुटेरों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने लूटी गई मोबाइल, लैपटॉप एवं अन्य सामानों को बरामद कर लिया है। पकरीबरावां थाना में गुरुवार को आयोजित पीसी में पकरीबरावां के एसडीपीओ राकेश कुमार भास्कर ने बताया कि बुधवार की शाम को पुलिस को सूचना मिली कि पकरीबरावां थाना क्षेत्र के देवीबीघा गांव निवासी गिरजा प्रसाद यादव के पुत्र मनोज कुमार के साथ दो बाइक पर सवार छह लोगों ने मारपीट कर मोबाइल छीन लिया और वारिसलीगंज की ओर भाग गए। सूचना मिलते ही एसपी के निर्देश पर एसडीपीओ के नेतृत्व में एक छापेमारी दल गठित की गई। पुलिस ने लुटेरों का पीछा किया। वारिसलीगंज के पटेल चौक के पास स्थानीय लोगों के सहयोग से एक लुटेरा काशीचक थाना क्षेत्र के भौआर गांव निवासी रामानंद प्रसाद के पुत्र दीपक कुमार को गिरफ्तार किया। उसके पास से लूटी गई मोबाइल, लैपटॉप, फिंगर प्रिंट डिवाइस, नकद राशि, एटीएम कार्ड, आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, लूट में प्रयुक्त बाइक आदि बरामद किया गया। गिरफ्तार युवक ने बताया कि दो बाइक पर सवार उसके छह साथियों ने कसार थाना के सुमका में भी लूट की घटना को अंजाम दिया है। बताया कि वहां एक युवक से लैपटॉप एवं अन्य सामान जबकि एक इंजन रिक्शा के चालक से नकद राशि की

लूट की है। उसकी निशानदेही पर दो अन्य आरोपितों कसार थाना क्षेत्र के बहादुरपुर निवासी चंद्रिका पासवान के पुत्र संदीप उर्फ गब्बर एवं इसी थाना क्षेत्र के बाय बिगहा के फिरंगी यादव के पुत्र नौलेश कुमार को गिरफ्तार किया गया। एसडीपीओ ने बताया कि तीनों गिरफ्तार लोगों ने लूट में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। इस संबंध में महेश कुमार ने पकरीबरावां थाना में जबकि सुमका के जितेंद्र कुमार एवं एक इंजन रिक्शा के चालक ने कसार थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। छापेमारी दल में पकरीबरावां के एसडीपीओ राकेश कुमार भास्कर, पकरीबरावां के थानाध्यक्ष रंजन चौधरी, वारिसलीगंज थाना के थानाध्यक्ष पंकज कुमार सैनी, कसार थाना के थानाध्यक्ष संतोष कुमार, पकरीबरावां थाना के एसआई सौरभ कुमार, वारिसलीगंज थाना के एएसआई पप्पू कुमार, पीटीसी ओमप्रकाश शामिल थे।

डीएम ने सदर अस्पताल का किया औचक निरीक्षण तो खुली कुव्यवस्था की पोल

स्वच्छता एवं सुविधाओं में तत्काल सुधार का निर्देश

निज संवाददाता। नवादा

जिला पदाधिकारी श्री रवि प्रकाश ने सदर अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में अस्पताल परिसर की स्वच्छता, मरीजों को उपलब्ध सुविधाओं तथा विभिन्न वार्डों की स्थिति का गहन अवलोकन किया ।

निरीक्षण के दौरान पाया कि अस्पताल परिसर में जल जमाव के कारण कचरा इकट्ठा हो गया था। इस पर जिलाधिकारी ने नाले का शीघ्र निर्माण कर जल जमाव की समस्या दूर करने तथा परिसर की नियमित सफाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही परिसर में अतिरिक्त चापाकल स्थापित करने तथा खुले में गिर रहे पानी के लिए सोख्ता निर्माण कर उसे ढकने का निर्देश दिया, ताकि मच्छरों के प्रकोप की संभावना को रोका जा सके। उन्होंने सिविल सर्जन को निर्देश दिया कि अस्पताल के सभी प्रकार के कचरे, विशेष रूप से ह्यूमन टिश्यू सहित बायो-मेडिकल वेस्ट को किसी भी स्थिति में खुले में न रखा जाए तथा निर्धारित मानकों के अनुसार सुरक्षित रूप से एजेंसी के द्वारा उसका निस्तारण किया जाये ।

फैब्रिकेटेड वार्ड के निरीक्षण के दौरान सरिता देवी, निवासी लक्ष्मीपुर (पकरीबरावां) ने शिकायत की कि वार्ड की सफाई अच्छे से नहीं होती है। इस पर जिलाधिकारी ने एक सप्ताह के अंदर जीविका के माध्यम से साफ़ सफाई एवं चादर धुलाई प्रारंभ करने का निदेश डीपीएम जीविका को दिया ।

जिलाधिकारी ने इमरजेंसी वार्ड में पहुँचकर मरीजों से उपचार एवं उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली।शौचालय निरीक्षण के क्रम में जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि शौचालय का शीघ्र मरम्मती कर सुचारू रूप से संचालन सुनिश्चित किया जाए, ताकि विशेषकर महिला मरीजों को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

इसके अतिरिक्त, जिलाधिकारी ने कार्यपालक पदाधिकारी, नगर परिषद को निर्देश दिया कि अस्पताल परिसर में जहाँ-जहाँ प्रकाश व्यवस्था की कमी है, वहाँ नई लाइट लगाने की व्यवस्था तत्काल सुनिश्चित करें।जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि मरीजों की सुविधा सर्वोपरि है तथा स्वच्छता एवं बेहतर स्वास्थ्य सेवाएँ सुनिश्चित करना सभी संबंधित अधिकारियों की प्राथमिक जिम्मेदारी है। मौके पर सिविल सर्जन , कार्यपालक पदाधिकारी नगर परिषद , अस्पताल उपाधीक्षक, डीपीएम, अस्पताल प्रबंधक सहित कई स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित थे।

जनवितरण दुकानदारों ने अंगवस्त्र और फूलमाला देकर दी विदाई, बीडीओ-सीओ ने सराहा एमओ राजेश का कार्यकाल

- सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें प्रखंड के वरीय अधिकारियों और जन वितरण प्रणाली से जुड़े दुकानदारों सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे

निज संवाददाता। रजौली

प्रखंड सभागार में गुरुवार को प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी राजेश कुमार को भावभीनी विदाई दी गई, जबकि उनके स्थान पर आए नए एमओ अजीत कुमार का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इस दौरान एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें प्रखंड के वरीय अधिकारियों और जन वितरण प्रणाली से जुड़े दुकानदारों सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम में बीडीओ संजीव झा, सीओ मो. गुफरान मजहरी, नगर पंचायत स्वच्छता पदाधिकारी राहुल कुमार, सिरदला प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी नीलेश कुमार, नव प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी अजीत कुमार और आपूर्ति ऑपरेटर अमन कुमार विशेष रूप से उपस्थित थे।

इनके अतिरिक्त कोषाध्यक्ष बोलेंद्र प्रसाद सिंह, पैक्स अध्यक्ष अमरेंद्र प्रसाद सिंह, प्रखंड जन वितरण अध्यक्ष नवसिस कुमार, नुसरत फतेह, योगेंद्र पासवान, दरोगी साव, राजू कुमार, संतोष कुमार शशि, समाजसेवी कुंदन कुमार सिंह, संजय सिंह, प्रमोद अग्रवाल, और अनुज सिंह सहित दर्जनों गणमान्य लोग उपस्थित रहे।जन वितरण प्रणाली के दुकानदारों ने निवर्तमान एमओ राजेश कुमार को अंगवस्त्र और ब्रीफकेस, बुके, डायरी, कलम के साथ फूलमाला भेंट कर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।बीडीओ संजीव झा और सीओ मो. गुफरान मजहरी ने अपने संबोधन में एमओ राजेश कुमार के कार्यकाल की जमकर सराहना की और कहा कि उन्होंने अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा और ईमानदारी से किया।निवर्तमान एमओ राजेश कुमार ने उपस्थित सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया और नए एमओ अजीत कुमार को शुभकामनाएं दीं। अंत में नए एमओ अजीत कुमार ने भी सभी का धन्यवाद किया और विश्वास दिलाया कि वह जनहित में अपने कार्य को पूरी लगन से करेंगे।

विदाई समारोह में शामिल पदाधिकारी व अन्य

संक्षिप्त समाचार

केसरिया में बढ़ती चोरी की वारदातें, दो विद्यालयों से गैस सिलेंडर व राशन चोरी

केसरिया। क्षेत्र में लगातार बढ़ रही चोरी की घटनाओं ने स्थानीय लोगों और विद्यालय प्रशासन की चिंता बढ़ा दी है। चोर इन दिनों शैक्षणिक संस्थानों को अपना निशाना बना रहे हैं। इसी क्रम में बीते 17 नवंबर को थाना क्षेत्र के नवसृजित प्राथमिक विद्यालय कुशहर शेखटोली में ताला तोड़कर चोरों ने दो गैस सिलेंडर और करीब दो क्विंटल चावल की चोरी कर ली। वहीं, राजकीय प्राथमिक विद्यालय खापगोपालपुर से भी चोर दो गैस सिलेंडर और कुछ राशन सामग्री उठा ले गए। दोनों ही विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों ने इस संबंध में केसरिया थाना को लिखित आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है। लगातार हो रही ऐसी घटनाओं से क्षेत्र के विद्यालयों की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं और स्थानीय लोगों ने पुलिस से गश्ती बढ़ाने तथा चोरों को जल्द पकड़ने की मांग की है।

पटना एम्स में दो दिवसीय स्त्री-रोग एंडोस्कोपी कार्यशाला का आयोजन

पटना। स्त्री-रोग एंडोस्कोपी के क्षेत्र में देश में लगातार तकनीकी विकास हो रहा है. इसी कड़ी में बिहार के AIIMS पटना में दो दिनों का एक विशेष कार्यक्रम आयोजित होने जा रहा है. ये विशेष कार्यक्रम एम्स पटना के ऑडिटोरियम में 22 से 23 नवम्बर को आयोजित होगा. EVE Endoscopy 2025 नाम से आयोजित होने जा रहे इस कार्यक्रम में देशभर के स्त्री-रोग विशेषज्ञ शामिल होंगे. कार्यक्रम का उद्घाटन 22 नवम्बर को होगा, जिसमें देश के प्रसिद्ध Gynae Key-hole surgeons—डॉ. प्रकाश त्रिवेदी, डॉ. कल्याण बर्माडे, डॉ. रेखा कुरियन इत्यादि—भाग लेकर प्रशिक्षण प्रदान करेंगे। इस आयोजन की अध्यक्षता कार्यक्रम की चेयरपर्सन डॉ. अनीता सिंह करेंगी, जबकि सचिव के रूप में डॉ. मुक्ता अग्रवाल इसकी रूपरेखा का संचालन करेंगी। कार्यक्रम के मुख्य संरक्षक AIIMS पटना के CEO एवं कार्यकारी निदेशक प्रो. (ब्रिग) डॉ. राजू अग्रवाल हैं। अनुमान है कि देश भर से 300 से अधिक चिकित्सक इस दो-दिवसीय सेमिनार में भाग लेंगे, जहाँ वे आधुनिक key-hole surgery एवं स्त्री-रोग एंडोस्कोपी की उन्नत तकनीकों का प्रत्यक्ष प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे।

महावीर मंदिर में फिर शुरू हुआ 'श्रवण कुमार पुरस्कार', बुजुर्ग माता-पिता की सेवा करने वालों को मिलेगा बड़ा सम्मान

पटना, प्रतिष्ठित महावीर मंदिर एक बार फिर समाज में माता-पिता की सेवा और भारतीय पारंपरिक मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए आगे आया है। मंदिर प्रबंधन ने घोषणा की है कि इस वर्ष भी 'श्रवण कुमार पुरस्कार' प्रदान किया जाएगा। यह पुरस्कार उन बेटों और बेटियों को दिया जाता है, जो अपने वृद्ध माता-पिता की सेवा श्रवण कुमार की तरह समर्पण और निस्वार्थ भाव से करते हैं। यह सम्मान 29 दिसंबर को आचार्य किशोर कुणाल की पहली पुण्यतिथि के अवसर पर बापू सभागार में प्रदान किया जाएगा। महावीर मंदिर द्वारा यह पुरस्कार वर्ष 2010 में शुरू किया गया था और तब से कई परिवारों को इससे प्रेरणा मिली है। हालांकि, 2016 के बाद पर्याप्त योग्य अनुशंसाएं नहीं मिलने के कारण इसे अस्थायी रूप से रोक दिया गया था। अब मंदिर प्रबंधन ने समाज में सेवा और संस्कारों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से इसे दोबारा शुरू करने का निर्णय लिया है।

न्यास समिति के सदस्य सायण कुणाल ने बताया कि इस सम्मान के लिए आवेदन प्रक्रिया आधिकारिक रूप से शुरू हो चुकी है। इच्छुक उम्मीदवार अपने आवेदन डाक, ईमेलः mahavirmandir@gmail.com, व्हाट्सएपः 9334468400 के माध्यमों से भेज सकते हैं।

उम्मीदवारों को अपने आवेदन के साथ अनुशंसा पत्र, माता-पिता की सेवा से जुड़े प्रमाण जमा करना अनिवार्य होगा। आवेदन भेजने की अंतिम तिथि 29 नवंबर तय की गई है। इस वर्ष पुरस्कार समारोह को भव्य रूप से आयोजित करने की तैयारी है। श्रवण कुमार पुरस्कार में प्रथम पुरस्कार 1,00,000, द्वितीय पुरस्कार 50,000, तृतीय पुरस्कार 25,000 तथा निर्धारित सांत्वना पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। इसी कार्यक्रम में आचार्य किशोर कुणाल सामाजिक सेवा पुरस्कार भी दिया जाएगा, जिसकी राशि 1,00,000 तय की गई है। उम्मीदवारों के चयन के लिए एक पाँच सदस्यीय समिति का गठन किया गया है, जिसकी अध्यक्षता पूर्व न्यायाधीश एस.एन. झा करेंगे। चयन समिति के सदस्य एस.एन. झा - अध्यक्ष, वी.एस. दुबे - पूर्व मुख्य सचिव (बिहार–झारखंड), ए.के. चौधरी — अवकाशप्राप्त लेफ्टिनेंट जनरल, सायण कुणाल - बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद एवं न्यास समिति सदस्य तथा पंडित भवनाथ झा - महावीर मंदिर होंगे। मंदिर प्रबंधन का मानना है कि यह पहल युवाओं को परिवार, नैतिकता और परंपरागत संस्कारों के प्रति प्रेरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। महावीर मंदिर की पहल न सिर्फ बुजुर्ग माता-पिता की सेवा को सम्मान देती है, बल्कि समाज में सकारात्मक संदेश भी प्रसारित करती है। 'श्रवण कुमार पुरस्कार' की पुनः शुरुआत से यह उम्मीद जताई जा रही है कि अधिक से अधिक युवा अपने परिवार और परंपराओं के प्रति जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रेरित होंगे। यह प्रयास सामाजिक मूल्यों को मजबूत करने की दिशा में एक प्रभावशाली कदम है।

तेजस्वी यादव ने दी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को बधाई, नई सरकार से उम्मीदें जताईं

पटना, बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद नीतीश कुमार को हार्दिक बधाई दी है। मंत्रिपरिषद के सदस्य के रूप में शपथ लेने वाले सभी मंत्रियों को भी उन्होंने शुभकामनाएँ दीं। तेजस्वी यादव ने अपने संदेश में नई सरकार से उम्मीद जताते हुए कहा कि जनता की आकांक्षाओं और अपेक्षाओं पर खरा उतरना ही सरकार की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। तेजस्वी यादव ने लिखा कि आशा है नई सरकार अपने वादों और घोषणाओं को पूरा करेगी तथा बिहारवासियों के जीवन में सकारात्मक और गुणात्मक परिवर्तन लाएगी। उन्होंने कहा कि बिहार के लोग विकास, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और बेहतर कानून व्यवस्था की उम्मीद कर रहे हैं और सरकार को इन सभी मुद्दों पर प्राथमिकता के आधार पर काम करना चाहिए। तेजस्वी के इस संदेश को राजनीतिक हलकों में सद्भाव और सकारात्मकता के संकेत के रूप में देखा जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि बिहार की जनता का हित सर्वोपरि है और किसी भी सरकार का मूल्यांकन उसके कामकाज के आधार पर ही होना चाहिए। नई सरकार के गठन के बाद बिहार में राजनीतिक माहौल एक बार फिर सक्रिय हो गया है और जनता अब नई टीम से बेहतर प्रशासन और सुशासन की उम्मीद कर रही है।

मुखिया पर भ्रष्टाचार के आरोप, निगरानी विभाग और डीएम के आदेश पर जांच शुरू

निज संवाददाता। अरवल

सदर प्रखंड अंतर्गत परासी ग्राम पंचायत की मुखिया मुसर सुल्ताना ताज पर लगे भ्रष्टाचार, अनियमितता और सरकारी राशि गबन के आरोपों की जांच शुरू हो गई है। यह जांच निगरानी विभाग पटना और जिलाधिकारी अरवल के निर्देश पर हो रही है। ग्राम परासी के शशिकांत कुमार सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने 15वें और 6वें वित्त आयोग से संचालित योजनाओं में व्यापक स्तर पर अनियमितता, भुगतान में गड़बड़ी और राशि गबन का आरोप लगाते हुए कई बार निगरानी विभाग और जिलाधिकारी को शिकायतें सौंपी थीं।

लगातार शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी ने जांच के लिए एक टीम गठित की। डीआरडीए, अरवल के कार्यपालक अभियंता संजय गांधी और निदेशक रितेश कुमार ने संयुक्त रूप से परासी पंचायत पहुंचकर योजनाओं की विस्तृत स्थलीय जांच की। टीम ने अधूरे कार्यों, संदिग्ध योजनाओं और भुगतान संबंधित बिंदुओं का भौतिक सत्यापन किया।

जांच के दौरान शिकायतकर्ता और सैकड़ों ग्रामीण मौजूद रहे। ग्रामीणों ने सड़क निर्माण, नाली योजना, मनरेगा मद और अन्य विकास कार्यों में अनियमितता संबंधी साक्ष्य जांच अधिकारियों को उपलब्ध कराए। शिकायतकर्ताओं ने बताया कि आवेदन के सभी बिंदुओं के समर्थन में दस्तावेज उप-विकास आयुक्त को पहले ही जमा किए जा चुके हैं। उन्होंने जांच टीम से निष्पक्ष और तथ्यात्मक रिपोर्ट देने की मांग की। जांच के दौरान समाजसेवी सिद्धेश्वर प्रसाद, नथनी चौधरी, दामोदर पासवान, मो. तेजूदिन सहित कई ग्रामीण उपस्थित रहे। ग्रामीणों का कहना है कि यदि जांच निष्पक्ष हुई तो करोड़ों रुपये की गड़बड़ी सामने आएगी।

जमीन जालसाजी के दो आरोपित गिरफ्तार, गया जेल

निज संवाददाता। मसौढ़ी

लहसुना थाना पुलिस ने जमीन जालसाजी से जुड़े एक मामले में दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। दोनों के खिलाफ लगभग एक वर्ष पूर्व जालसाजी का मुकदमा दर्ज किया गया था। थानाध्यक्ष खुशबू खातून ने बताया कि मामले की गुप्त सूचना मिलने पर पुलिस टीम ने छापेमारी कर सुकठिया गांव में दोनों आरोपितों को उनके घर से पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान श्याम प्रसाद सिंह के पुत्र गणेश कुमार और कुंदन कुमार के रूप में की गई है। आरोप है कि दोनों ने अपने ही पट्टीदार के साथ धोखाधड़ी कर जमीन अपने नाम लिखवा ली थी।

मामले की शिकायत के बाद पुलिस जांच में आरोप सही पाए गए, जिसके बाद गिरफ्तारी की कार्रवाई की गई। गिरफ्तार दोनों आरोपितों को थाना लाकर आवश्यक पूछताछ की गई और बाद में न्यायालय में पेश किया गया। कोर्ट के आदेश के बाद दोनों को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया।

10वीं बार मुख्यमंत्री बने नीतीश कुमार, मंत्रियों ने समूह में ली शपथ ,मसौढ़ी में कार्यकर्ताओं ने खुशी जताई और दी बधाई

निज संवाददाता। मसौढ़ी

बिहार की राजनीति में एक बार फिर इतिहास दोहराया गया जब राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की ओर से नीतीश कुमार ने गुरुवार को 10वीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में आयोजित भव्य शपथ ग्रहण समारोह में हजारों की संख्या में कार्यकर्ता, नेता और आम लोग मौजूद रहे। इस बार के चुनाव में एनडीए को 202 सीटों का बहुमत मिला, जिसके बाद राज्य में स्थायी सरकार को लेकर उम्मीदें और बढ़ गई हैं। समारोह में सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा को पुनः उपमुख्यमंत्री बनाया गया। शपथ ग्रहण में शामिल मंत्रियों में विजय कुमार चौधरी, बिजेंद्र प्रसाद यादव, श्रवण कुमार, मंगल पांडेय, डॉ. दिलीप जायसवाल, अशोक चौधरी, लेशी सिंह, मदन सहनी, नितिन नवीन, राम कृपाल यादव, संतोष कुमार सुमन, सुनील कुमार, जमा खान, संजय सिंह 'टाइगर', अरुण शंकर प्रसाद, सुरेंद्र मेहता, नारायण प्रसाद, सुमित निषाद, लखेंद्र कुमार रोशन, शैलेश कुमार सिंह, डॉ. प्रमोद कुमार चंद्रवंशी, संजय कुमार, आशीष देव, संजय कुमार सिंह और दीपक प्रकाश शामिल रहे। नीतीश कुमार ने शपथ के बाद कहा कि उनकी सरकार विकास की रफ्तार को और तेज करेगी तथा हर वर्ग तक विकास योजनाओं का लाभ पहुंचाने को प्राथमिकता देगी। समारोह में गठबंधन दलों के वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति ने माहौल को और गरिमामय बना दिया। इधर मसौढ़ी में भी कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने मुख्यमंत्री और नए मंत्रिमंडल के सदस्य बने नेताओं को बधाई दी। जिला मंत्री विजय यादव ने कहा कि नए मंत्रियों के शामिल होने से राज्य में विकास की गति और मजबूत होगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि आने वाला समय बिहार के लिए सकारात्मक बदलाव लेकर आएगा। बधाई देने वालों में राजेश कुमार उर्फ पिंटू रजक, संजय केशरी, जिला मंत्री अजय शर्मा, निकित कुमार उर्फ मंतोष पासवान, रंजन चंद्रवंशी, मनीष चंद्रवंशी सहित कई स्थानीय कार्यकर्ता और समर्थक शामिल थे।

पुलिस की बड़ी कार्रवाईः पॉक्सो के वांछित अभियुक्त को हथियार और चोरी की बाइक संग पकड़ा

चकजोहरा गांव में छापेमारी, साथी सुमन कुमार भी गिरफ्तार, आर्म्स एक्ट में नया मामला दर्ज

निज संवाददाता। मसौढ़ी

स्थानीय पुलिस ने गुरुवार को चकजोहरा गांव में छापेमारी कर पॉक्सो एक्ट के पूर्व कांड में वांछित विक्की कुमार को गिरफ्तार कर लिया। विक्की, रंजीत प्रसाद का पुत्र है और लंबे समय से फरार चल रहा था। पुलिस लगातार उसकी गतिविधियों और ठिकानों पर नजर बनाए हुए थी। छापेमारी के दौरान पुलिस ने विक्की को उसके घर से दबोच लिया।

उसकी निशानदेही पर घर की तलाशी ली गई, जिसमें एक देशी कट्टा, दो जिंदा कारतूस और एक अपाची मोटरसाइकिल बरामद हुई। यह मोटरसाइकिल चोरी की बताई जा रही है, जिसे विक्की ने सुमन कुमार को छिपाने के लिए दिया था। पुलिस ने चोरी के इस मामले में सुमन कुमार को भी गिरफ्तार किया। गिरफ्तार विक्की पर पहले से ही कई गंभीर आरोप हैं। वह गौरीचक थाना क्षेत्र के तीन मामलों में वांछित रहा है, जिनमें रंगदारी, फायरिंग कर दहशत फैलाना और अन्य आपराधिक गतिविधियाँ शामिल हैं। इसके अलावा धनरूआ थाना क्षेत्र में भी उसके खिलाफ चार आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। बरामद हथियार और बाइक को जब्त कर पुलिस ने धनरूआ थाना कांड संख्या 662/25 के तहत नया मामला दर्ज किया है। दोनों आरोपितों को पूछताछ के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

थानाध्यक्ष आलोक कुमार ने बताया कि वांछित अपराधी की गिरफ्तारी पुलिस टीम के लिए एक बड़ी सफलता है। कार्रवाई को सफल बनाने में अपर थानाध्यक्ष आलोक कुमार, अंकित कुमार, राहुल कुमार, नवीन कुमार और राजेश सहित पुलिस बल के अन्य सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

एनटीपीसी कांटी ने प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत 200 टीबी मरीजों को पोषण युक्त फ़ूड बास्केट वितरित किए

निज संवाददाता। मुजफ्फरपुर

सामाजिक नैगमिक दायित्व (CSR) के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए एनटीपीसी कांटी ने आज प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत गोद लिए गए 200 टीबी मरीजों को पोषण युक्त फ़ूड बास्केट प्रदान किए। यह वितरण कार्यक्रम मुज़फ्फरपुर जिले में टीबी उन्मूलन के लक्ष्य को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। टीबी उपचार में पोषण का अत्यधिक महत्व होने के कारण निक्षय मित्र पहल के माध्यम से एनटीपीसी कांटी ने 200 मरीजों को छह महीने तक निरंतर पोषण सहायता प्रदान करने का संकल्प लिया है। इस पहल का उद्देश्य टीबी से जूझ रहे मरीजों को अतिरिक्त पोषण उपलब्ध कराना है, जिससे उपचार के दौरान उनकी प्रतिरोधक क्षमता बढ़े और वे तेजी से स्वस्थ हो सकें। एनटीपीसी कांटी द्वारा वितरित किए गए प्रत्येक फ़ूड बास्केट में दाल, चावल, आटा, मिल्क पाउडर, तेल सहित आवश्यक पोषक तत्व शामिल हैं, जो मरीजों की दैनिक पोषण आवश्यकताओं को पूरा करने में सहायक होंगे। यह पहल जिले में टीबी उन्मूलन की दिशा में एक सार्थक योगदान है। कार्यक्रम के अवसर पर श्री देवेश कुमार पाढ़ी, महाप्रबंधक (प्रचालन एवं अनुरक्षण) ने कहा, "एनटीपीसी कांटी समाज के स्वास्थ्य और कल्याण के प्रति सदैव संवेदनशील रहा है। प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान में सहभागी होना हमारे लिए गर्व की बात है। हमारा उद्देश्य है कि पोषण सहायता के माध्यम से टीबी प्रभावित मरीजों को जल्द स्वस्थ होने में मदद मिले।"

इस अवसर पर श्री उमेश कुमार, महाप्रबंधक (अनुरक्षण) तथा श्री महेशकुमार सुथार, अपर महाप्रबंधक (मानव संसाधन) ने भी टीबी उन्मूलन के प्रति एनटीपीसी कांटी की प्रतिबद्धता दोहराई और आशा व्यक्त की कि सामूहिक प्रयासों के माध्यम से मुज़फ्फरपुर जिला शीघ्र ही टीबी मुक्त श्रेणी में शामिल होगा। कार्यक्रम में डॉ. सी.के. दास, मुख्य विकास अधिकारी (मुज़फ्फरपुर) ने भी उपस्थित रहकर इस पहल की सराहना की और कहा कि सरकारी प्रयासों के साथ-साथ उद्योगों और संस्थाओं का सहयोग टीबी उन्मूलन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

इसके अलावा, श्री संजीत कुमार, उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन) सहित NTPC कांटी के अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। एनटीपीसी कांटी द्वारा संचालित यह पहल न केवल स्वास्थ्य संवर्धन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि कॉर्पोरेट–समाज साझेदारी के उत्कृष्ट उदाहरणों में से एक है। आने वाले छह महीनों में नियमित रूप से 200 टीबी मरीजों को पोषण सहायता प्रदान कर एनटीपीसी कांटी प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान को मजबूत समर्थन देगा।

लापता वृद्ध का शव गड्ढे में मिला मतदान के बाद से थे लापता

निज संवाददाता। समस्तीपुर

समस्तीपुर जिले के कल्याणपुर थाना क्षेत्र में कई दिनों से लापता एक वृद्ध का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। तीरा पंचायत के तीरा जटमलपुर गांव निवासी शिवजी महतो का शव पंचायत के कचरा भवन के पास बने बाढ़ग्रस्त गड्ढे में तैरता पाया गया। स्थानीय बच्चों ने गड्ढे में शव को तैरते देखा और तुरंत इसकी सूचना परिजनों को दी। शव बुरी तरह सड़-गल चुका था, जिसके कारण पहचान करना मुश्किल हो गया था। परिजनों ने कपड़ों के आधार पर शव की पहचान की। मृतक की पत्नी जीवझी देवी ने बताया कि शिवजी महतो 5 नवंबर को विधानसभा चुनाव में मतदान करने बंगाल से गांव आए थे। मतदान के दिन ही दोपहर के बाद वे अचानक लापता हो गए। परिजनों ने कई दिनों तक खोजबीन की, लेकिन कोई पता नहीं चल सका। अंततः 13 नवंबर को थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई गई। घटना की सूचना मिलते ही कल्याणपुर थाने के सुमन कुमार पुलिस दल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल समस्तीपुर भेज दिया। थाना प्रभारी राकेश कुमार शर्मा ने बताया कि शव काफी सड़ा-गला अवस्था में मिला है। मौत कैसे हुई, यह पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। उन्होंने कहा कि मामले की पूरी जांच की जा रही है और परिजनों के बयानों के आधार पर सभी बिंदुओं पर पड़ताल जारी है।

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं. डीटीई_जेएमपी_08/25–26, दिनांक 19.11.2025, सहायक नगर अभियंता, पूर्व रेलवे, जमालपुर वर्कशॉप, जिला–मुंगेर, बिहार–811214 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए ई–निविदा आमंत्रित की जाती है: **कार्य का नाम :** "एटीई/जमालपुर के अधीन जमालपुर वर्कशॉप में भवनों एवं कार्यालयों के लिए बुनियादी ढांचे का सुधार कार्य"। **विज्ञापित निविदा मूल्य :** रु.78,27,774/–, **बयाना राशि:** रु. 1,56,600/–, **खुलने की तिथि:** 16.12.2025, **कार्य की समापन अवधि:** 12 (बारह) माह। **विवरण यहाँ उपलब्ध है: www.ireps.gov.in**

MISC-295/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway
@easternrailwayheadquarter

GOVT. OF BIHAR

BIHAR COMBINED ENTRANCE COMPETITIVE EXAMINATION BOARD
I.A.S. Association Building, Near Patna Airport, Patna-14.

Website : bceceboard.bihar.gov.in / Helpdesk : helpdesk.bceceboard@bihar.gov.in

UNDER GRADUATE MEDICAL ADMISSION COUNSELLING (Ayush) [UGMAC(Ayush)]-2025
***for* BAMS / BHMS / BUMS in Govt / Pvt. Ayush Colleges of Bihar**

Adv. No.- BCECEB[UGMAC(Ayush)]-2025/10 Dated : 20.11.2025

Notice for Stray Vacancy Round Online Application & Choice Filling

Online Application with Choice Filling after Round-3 are invited from such qualified, eligible & interested NEET(UG)-2025 candidates for appearing in the Stray Vacancy Round Online Counselling of Under Graduate Medical Admission Counselling UGMAC(Ayush)-2025, who have not done the Registration and submission of Online Application or who has completed their registration process but did not duly submit Online Application with payment of requisite Counselling Fee & Security Deposit against Adv. No. BCECEB[UGMAC(Ayush)]-2025/01 Dated 22.09.2025, 2025/03 dated 03.10.2025, 2025/06 dated 31.10.2025 & 2025/08 dated 05.10.2025, on the vacant seats of Government/ Private Ayush Colleges of Bihar for admission to the first year UG Ayush Courses (BAMS / BHMS / BUMS) in Government / Private Ayush Colleges of Bihar state based on the Rank of UGMAC(Ayush)-2025 prepared on the basis of merit list of NEET(UG)-2025 conducted by the National Testing Agency (NTA) on the basis of vacant seats available after admission on the basis of UGMAC(Ayush)-2025 Online 3rd Round counselling held from 17.11.2025 to 19.11.2025.

Consent / Willingness are also invited from eligible candidates who have already duly submitted the online Application Form earlier but do not fall under the candition mentioned in Point no. 4 of Adv. No. BCECEB[UGMAC(Ayush)]-2025/09 Dated 20.11.2025 uploaded on Board's website.

2. Updated Seat Matrix of vacancies after completion of 3rd round Counselling will be available on Board's website from **20.11.2025**. If any further vacancies arises, the Seat Matrix will be updated further and updated vacancies shall be uploaded on the Board's website before start of Stray Vacancy Round Counselling. **The candidate must see it before filling up of their Choices for Online Counselling.**
3. **Stray Vacancy Round Counselling will be conducted Online.**
4. **The online Consent / Willingness / Registration and submission of Application will start from 21.11.2025 and close on 24.11.2025 (10.00 pm).**
5. Eligibility criteria for counselling, Fee payment procedure, instructions and other details are available in the prospectus of UGMAC(Ayush)-2025 and the related detailed Advertisement No. BCECEB[UGMAC(Ayush)]-2025/09 Dated 20.11.2025 which can be downloaded from the Board's website: bceceboard.bihar.gov.in.

Controller of Examination

संक्षिप्त समाचार

तीन भूमिहीन लोगों को मिला तीन डिसमिल जमीन

राजपुर। अंचल मुख्यालय राजपुर में तीन भूमिहीन लोगों को सरकार द्वारा तीन डिसमिल भूमि बन्दोबस्त किया गया. अंचलाधिकारी पिंटू कुमार ने बताया कि राजपुर निवासी नीतु देवी,पति जितेन्द्र राम,संगीता देवी,पति दीनानाथ राम एवं शारदा देवी पति रामअवतार राम को तीन तीन डिसमिल भूमि बन्दोबस्त किया गया है.मंगलवार को स्थल पर अमीन को भेजकर भूमि का पैमाईस करवा दिया गया.जिसको लाभुको ने दखल कब्जे में ले लिया है.

कन्या विवाह भवन निर्माण के लिए सीओ ने करवाया भूमि पैमाईस

बकस बाबा प्रांगण के समीप बनेगा विवाह मण्डप

राजपुर। राजपुर पंचायत में सरकार द्वारा स्वीकृत कन्या विवाह मण्डप भवन निर्माण के लिए अंचलाधिकारी पिंटू कुमार ने गुरूवार को भूमी पैमाईस करवाया.जानकारी देते हुए बताया कि सरकार द्वारा राजपुर में स्वीकृत कन्या विवाह मंडप भवन निर्माण के लिए एक सौ तीस फीट लंबा और एक सौ दस फीट चौड़ाई वाले भूमि का एनओसी दिया जाना है. जिसके लिए राजपुर बकस बाबा प्रांगण मुख्य गेट के पूर्वी छोर स्थित 66 डिसमिल सरकारी भूमि का पैमाइश किया गया . आवश्यकता अनुरूप भूमि का एनओसी रिपोर्ट जिला कार्यालय को भेज दिया गया. मालूम हो कि बकस बाबा देव स्थली में दर्जनों परिवार अपने बच्चों का विवाह सम्पन्न करने हर साल आते हैं.विवाह मण्डप नहीं रहने से काफी परेशानी हो रही है.सरकार ने पंचायत के मुखिया के आग्रह पर योजना को स्वीकृत कर लिया है.2026 में राजपुर समेत अन्य सभी लोगों को इस सुविधा का लाभ मिलने लगेगा.

सवारी लख के समीप अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक बाइक सवार की मौत घटनास्थल पर ही

काराकाट/ रोहतास । गुरुवार को स्टेट हाईवे 81 मुख्य मार्ग पर कछवां थाना क्षेत्र अंतर्गत सवारी लख के समीप अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक बाइक सवार की मौत घटनास्थल पर ही हो गई । सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार कछवां निवासी 50 वर्षीय श्रीराम ठाकुर अपनी बाइक से कहीं जा रहे थे । उसी क्रम में अज्ञात वाहन ने बाइक सवार में जोरदार टक्कर मार कर फरार हो गया । घटनास्थल के आसपास मौजूद लोग जैसे ही पहुंचे तो श्रीराम ठाकुर की मौत हो चुकी थी । घटना की सूचना आसपास के लोगों ने मृतक के परिजन एवं स्थानीय थाना को दी । घटना की सूचना मिलते ही मृतक के परिजन एवं स्थानीय थाना की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची । घटनास्थल पर पहुंचते ही मृतक के परिजन सड़क पर पड़े शव को देख दहाड़ मार कर रोने लगे । घटनास्थल पर घटना की जानकारी लेते हुए स्थानीय पुलिस शव को कब्जे में लेकर परिजन के समक्ष कानूनी कार्रवाई करते हुए पोस्टमार्टम कराने के लिए सदर अस्पताल सासाराम भेज दिया । इसकी जानकारी कछवां थानाध्यक्ष मनीष कुमार ने दी ।

पुलिस ने शराब माफिया पर कसा शिकंजा

बिक्रमगंज / रोहतास । थाना क्षेत्र अंतर्गत घुसियां कला बाल से पुलिस ने करीब 20 लीटर देशी चुलाई शराब बरामद कर लिया । मौके वारदात पुलिस की भनक मिलते ही कारोबारी भागने में सफल रहा । तो वहीं दूसरी ओर पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र के खैरा-भूधर गांव से अलग-अलग कंपनी के 11.07 लीटर अंग्रेजी शराब के साथ बिनोद साह के पुत्र बब्लू साह को पकड़ लिया । साथ ही मामले में प्रयुक्त होंडा कंपनी के बाईक को भी पुलिस ने बरामद कर लिया है । बिक्रमगंज थानाध्यक्ष ललन कुमार ने बताया कि गिरफ्तार कारोबारी के विरुद्ध संबंधित मामला दर्ज करते हुए जांच के उपरांत न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया । उन्होंने कहा कि फरार कारोबारी के विरुद्ध संबंधित मामला दर्ज कर लिया गया है । उसे भी बहुत जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा ।

विद्युत ऊर्जा चोरी को लेकर तीन पर एफआईआर

बिक्रमगंज / रोहतास। थाना क्षेत्र में बिलिंग गुणवत्ता व बकायेदार उपभोक्ताओं के परिसर की जांच कनीय विद्युत अभियंता बिक्रमगंज के नेतृत्व में किया गया । जांच दल द्वारा निरीक्षण के क्रम में पाया गया कि मीटर से पहले सर्विस तार में कटिंग,अतिरिक्त तार जोड़कर तथा मीटर बाईपास करते हुए विद्युत ऊर्जा चोरी की जा रही थी । जिसको लेकर तेंदुनी निवासी संतोष कुमार पर 12 हजार 770,संध्या देवी 29 हजार 012 व सिलौटा के सतीश पांडेय 13 हजार 510 रुपये दंडित राशि लगायी गई है । उक्त उपभोक्ताओं द्वारा मीटर बाईपास करने के कारण वास्तविक मान पठन अवरूद्ध हो रहा था तथा विभाग के राजस्व की क्षति हो रही थी । बिक्रमगंज कनीय विद्युत अभियंता नवदीप गोयल द्वारा सभी उपभोक्ताओं से आग्रह किया गया है कि जिनके परिसर में स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगा हुआ है तथा बकाया रहने के कारण विद्युत कनेक्शन डिसकनेक्ट प्रदर्शित हो रहा है । वह रिचार्ज कराने के पश्चात ही विद्युत ऊर्जा का उपभोग करें एवं अनावश्यक होने वाली परेशानियों से बचें । बिक्रमगंज सहायक विद्युत अभियंता राज कुमार ने बताया कि जो उपभोक्ता स्मार्ट प्रीपेड मीटर या नॉर्मल मीटर बाईपास कर विद्युत ऊर्जा की चोरी कर रहे हैं । वह दुरुस्त कर लें एवं जो व्यक्ति घरेलु,व्यवसायिक,ई-रिक्शा चार्ज,कृषि या औद्योगिक कार्य आदि हेतु बिजली का कनेक्शन नहीं लिए हैं । वह कनेक्शन ले लें अन्यथा पकड़े जाने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी ।

हमें बगैर देर किए हुए हर वर्ग का विश्वास हासिल करने के लिए घर घर जाना होगा:- भाई दिनेश

जगदीशपुर। राजद नेता सह पूर्व विधायक जगदीशपुर भाई दिनेश ने गुरूवार को बयान जारी कर कहा कि बगैर देर किए पुनः हमें क्षेत्र मे लगना होगा। तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री बनाने को लेकर राजद के सभी नेता, सम्मानित कार्यकर्ता, समर्थक, शुभचिंतक, सहयोगी को पार्टी को मजबूत करने के लिए लग जाना चाहिए। हमें प्रयास करना चाहिए, रणनीति बनाना होगा कि कैसे हर वर्ग को अपने काम के बदौलत, व्यवहार के बदौलत, अपने आचरण -विचार से जोड़े उनका विश्वास हासिल करे। तेजस्वी यादव का जो सोच संकल्प था हर घर सरकारी नौकरी, प्रत्येक महिला को प्रति माह 2500 रुपए मिले, हर घर को 200 यूनिट बिजली फ्री, किसानों के उत्पादन का उचित मूल्य दिलाने, शिक्षा, स्वास्थ्य, सिंचाई की व्यवस्था बेहतर करने, ब्लॉक, थाना, अनुमंडल, जिला कार्यालय से भ्रष्टाचार को समाप्त करने का संकल्प को लगातार आम जनता तक पहुंचाने का प्रयास जारी रखा जाये। राजद नेता ने कहा कि मै जगदीशपुर विधान सभा क्षेत्र, भोजपुर, शाहाबाद प्रक्षेत्र के साथ बिहार प्रदेश के लिए अपना नंबर 9431480059 और 6299034726 जारी कर रहा हूं। कोई भी गांव, गरीब, किसान, छात्र, युवा, व्यवसाई, पार्टी कार्यकर्ता या किसी धर्म, वर्ग का समस्या हो आप कॉल कर, टेक्स्ट मैसेज कर या वॉट्सप मैसेज कर सूचना दे मै आपके समस्या का समाधान करने का प्रयास करूंगा। उन्होंने कहा कि जगदीशपुर विधान सभा के समस्या को जानने के लिए उनका समाधान करने के लिए सप्ताह के प्रति सोमवार को जगदीशपुर प्रखंड मुख्यालय परिसर में स्थित किसान भवन में बैठेंगे।वहीं रविवार को अपने जगदीशपुर आवास पर उपलब्ध रहेंगे आपके समस्या को जानने के लिए। हर पंचायत, हर वार्ड में पार्टी का कार्यालय हो इसके लिए प्रयास करेंगे। वार्ड, पंचायत से समस्या प्रखंड मुख्यालय तक पहुंचे ऐसा व्यवस्था का निर्माण करने का प्रयास करूंगा। आपसी मतभेद को समाप्त कर ही हम मंजिल पा सकते हैं।

स्कॉटिश पब्लिक स्कूल में ऑनलाइन वेबिनार हुआ आयोजित

अररिया। स्कॉटिश पब्लिक स्कूल,रजोखर (अररिया) में कक्षा 10वीं के छात्रों के लिए सीबीएसई द्वारा आयोजित एक महत्वपूर्ण ऑनलाइन वेबिनार सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस वेबिनार में सीबीएसई के उच्च अधिकारी उपस्थित रहे और उन्होंने नई टू बोर्ड एग्जामिनेशन स्कीम पर विस्तारपूर्वक जानकारी साझा की। अधिकारियों ने छात्रों को बताया कि नई परीक्षा व्यवस्था किस प्रकार संचालित होगी,उसमें कौन-कौन से बदलाव शामिल हैं और छात्रों को किन बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए। वेबिनार का उद्देश्य छात्रों को आगामी नीति के प्रति जागरूक और तैयार करना था,जिसमें सभी आवश्यक बिंदुओं को सरल एवं स्पष्ट तरीके से समझाया गया। कार्यक्रम में स्कूल के प्राचार्य एवं सभी शिक्षक मौजूद थे। छात्रों ने वेबिनार के माध्यम से नई परीक्षा नीति के बारे में व्यापक जानकारी प्राप्त की और आने वाली बोर्ड परीक्षाओं के प्रति अधिक आत्मविश्वास महसूस किया।

नगर पंचायत की लापरवाही से बढ़ा मच्छरों का प्रकोप

निज संवाददाता। काराकाट /रोहतास

- फॉगिंग मशीन सालभर से खराब, वार्डों में फैली गंदगी से मलेरिया-डेंगू का खतरा बढ़ा
- नगर कार्यालय में एक साल से धूल फांक रही फॉगिंग मशीन

काराकाट नगर पंचायत काराकाट क्षेत्र में फॉगिंग और सफाई व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई है। नगर के सभी वार्डों में मच्छरों का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन नगर पंचायत की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा है। दवाओं का छिड़काव और फॉगिंग की जिम्मेदारी नगर पंचायत की है, मगर वर्तमान में एकमात्र फॉगिंग मशीन करीब ढेड़ साल से खराब पड़ी हुई है। नगरवासियों का कहना है कि फॉगिंग मशीन करीब दो वर्ष से बंद है। शुरुआत में कुछ महीनों तक मशीन चलाई गई थी, लेकिन बाद में यह दिखावे का माध्यम बनकर रह गई। अब नालियों की स्थिति बेहद दयनीय है—कहीं कचरे से पानी का बहाव बंद है तो कहीं खुले नालों से मच्छर तेजी से पनप रहे हैं। आधे से ज्यादा वार्डों में गंदगी के अंबार लगे हैं।

फॉगिंग मशीन की खराबी को लेकर नगरवासी पिंकू पांडेय ने बताया कि मशीन करीब एक साल से बंद है और अब तो उसका पता तक नहीं है। उन्होंने कहा कि नगर पंचायत ने लगभग 14 लाख की लागत से फॉगिंग और अन्य उपकरण खरीदे थे, लेकिन मशीन दो महीने में ही खराब हो गई। इससे साफ है कि घटिया गुणवत्ता की मशीन खरीदी गई थी। उपमुख्य पार्षद रविश रंजन ने कार्यपालक पदाधिकारी सीमाब मतीन पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि कार्यपालक पदाधिकारी के कार्यकाल में नगर की व्यवस्था पूरी तरह बिगड़ गई है। फॉगिंग मशीन को जानबूझकर नहीं चलाया जा रहा है और फॉगिंग तेल के नाम पर खर्च दिखाकर पैसे की निकासी की जा रही है। उन्होंने कहा कि नगरवासियों की लगातार शिकायतों के बाद भी अधिकारी कोई कार्रवाई नहीं कर रहे।

जब इस संबंध में कार्यपालक पदाधिकारी सीमाब मतीन से पूछा गया तो उन्होंने बताया कि बड़ा फॉगिंग मशीन बार-बार खराब हो जाता है और उसे बदलने पर विचार चल रहा है। फिलहाल छोटे हैंड फॉगिंग मशीनों को कभी-कभी इस्तेमाल किया जाता है। वहीं, स्वच्छता पदाधिकारी मोइन अवकाश पर होने के कारण कोई प्रतिक्रिया नहीं दे पाए। नगरवासियों का कहना है कि अगर जल्द ही नियमित फॉगिंग और सफाई अभियान नहीं चलाया गया, तो आने वाले समय में डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियां भयावह रूप ले सकती हैं।

जिला सैनिक कार्यालय का निरीक्षण, स्थायी भवन जल्द बनने की उम्मीद

निज संवाददाता। डेहरी/ रोहतास

राज्य सैनिक बोर्ड के निदेशक एवं पूर्व ब्रिगेडियर मृगेन्द्र कुमार तथा सह-निदेशक कर्नल संतोष त्रिपाठी ने गुरुवार को जिला सैनिक कार्यालय, डेहरी का विस्तृत निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में अधिकारियों ने सीएसडी कैंटीन, सैनिक आराम गृह, तथा जिला सैनिक कार्यालय हेतु स्थायी लोकेशन की तलाश में विभिन्न संभावित स्थलों का जायजा लिया।

निरीक्षण के बाद ब्रिगेडियर मृगेन्द्र कुमार ने बताया कि "बहुत जल्द जिला सैनिक कार्यालय को एक स्थायी भवन में स्थानांतरित किया जाएगा, जिससे पूर्व सैनिकों को सभी सुविधाएँ एक ही परिसर में निर्बाध रूप से उपलब्ध होंगी।"

निरीक्षण के दौरान जिला पूर्व सैनिक कल्याण संघ के अध्यक्ष आर. के. सिंह, सचिव, पूर्व पेटी ऑफिसर शैलेन्द्र सिंह, कार्यालय प्रधान क्लर्क के. के. सिंह, तथा जिला सैनिक कल्याण पदाधिकारी कर्नल अजय कुमार सिन्हा उपस्थित रहे। अधिकारियों ने संयुक्त रूप से भरोसा दिलाया कि बहुत कम समय में जिला सैनिक कार्यालय को स्थायी रूप से स्थापित कर दिया जाएगा, जिससे जिले के सभी पूर्व सैनिकों को मिलने वाली सेवाओं में और अधिक मजबूती आएगी।

सोशल मीडिया पर कट्टा लहरानेवाला युवक हुआ गिरफ्तार

निज संवाददाता। रामपुर (कैमूर)

प्रखंड क्षेत्र के बेलाव थाना द्वारा गुरुवार को देसी कट्टा एवं दो जिंदा कारतूस के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया गया। सोशल मीडिया पर कट्टा लहराते हुए धान के खेत में युवक ने वीडियो अपलोड किया था। वीडियो वायरल होने के बाद बेलाव थाने की पुलिस सक्रिय हुई और युवक की पहचान में जुट गई। तकनीकी जांच के बाद पुलिस को पता चला कि आरोपी बेलाव थाना क्षेत्र के कटकरा गांव निवासी कैलाश बिंद के पुत्र रामसूरत बिंद बताया जाता है।बेलाव थानाध्यक्ष चंद्रप्रभा ने बताया कि युवक के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। फिलहाल उससे पूछताछ की जा रही है कि कट्टा कहां से लाया था।

बीजेपी कोटे से मंत्री बनीं रमा निषाद, मुजफ्फरपुर के औराई सीट से 57 हजार वोट से चुनाव जीतीं हैं

निज संवाददाता। मुजफ्फरपुर

मुजफ्फरपुर के औराई सीट से भाजपा विधायक रमा निषाद नीतीश सरकार में मंत्री बनीं है। पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में नवनिर्वाचित सरकार का भव्य शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। इस समारोह में रमा निषाद ने मंत्री पद की शपथ ली। बिहार विधानसभा चुनाव में औराई सीट पर रिकॉर्ड जीत दर्ज की है। उन्होंने 57,206 मतों के बड़े अंतर से यह विजय हासिल की।

अजय निषाद मुजफ्फरपुर से सांसद रह चुके हैं: रमा निषाद मुजफ्फरपुर से सांसद रह चुके अजय निषाद की पत्नी हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने टिकट नहीं दिया था, जिसके बाद उन्होंने नाराज होकर कांग्रेस का दामन थाम लिया था। कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़े, लेकिन करारी हार का सामना करना पड़ा। लोकसभा चुनाव में हार के बाद अजय निषाद ने भाजपा में फिर से वापसी की। पार्टी ने उनकी पत्नी रमा निषाद को औराई से उम्मीदवार बनाकर एक बार फिर उन पर भरोसा जताया है। यह राजनीतिक वापसी विधानसभा चुनाव से ठीक पहले हुई थी। शानदार जीत के बाद नीतीश सरकार में बीजेपी कोटे से मंत्री बनीं।

विरासत में मिली है राजनीतिक: रमा निषाद के ससुर कैप्टन जय नारायण प्रसाद निषाद मुजफ्फरपुर से लंबे समय तक सांसद रहे और केंद्र सरकार में दो बार मंत्री बने। उनके बाद अजय निषाद ने यह विरासत संभाली और दो बार मुजफ्फरपुर से सांसद बने। रामा निषाद हाजीपुर से दो-दो बार नगर परिषद की सभापति रह चुकी हैं। इस बार हाजीपुर में सभापति के चुनाव हार गई थीं।

पति 2 बार सांसद रह चुके हैं

औराई सीट से भाजपा ने वर्तमान विधायक का टिकट काट दिया था: औराई सीट से पार्टी के सीनियर नेता रामसूरत राय का टिकट काटकर बीजेपी ने रमा निषाद को टिकट दे दिया । इसके लिए क्षेत्र में काफी विरोध हुआ, उसके बाद पार्टी के तरफ से काफी कोशिश हुई और सब कुछ ठीक हो गया। रमा निषाद मूल रूप से वैशाली जिले के हाजीपुर की रहने वाली हैं।

लाभ पहुंचाने के लिए गंभीरता, संवेदनशीलता एवं दक्षता से जिम्मेदारी का निर्वहन करें अधिकारी

निज संवाददाता। सुपौल

समाहरणालय स्थित कार्यालय वेश्म में गुरुवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अपर समाहर्ता सह अपर जिला दंडाधिकारी सच्चिदानंद सुमन ने आरटीपीएस एवं राजस्व से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत समीक्षा बैठक की। आहूत बैठक में जिले के सभी बीडीओ एवं सीओ उपस्थित रहे। बैठक के दौरान अपर समाहर्ता ने आरटीपीएस के तहत प्रदान की जाने वाली विभिन्न सेवाओं के प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि ये सेवाएं सीधे नागरिक हित से जुड़ी होती हैं, इसलिए सभी अधिकारी लंबित आवेदनों को समयबद्ध, पारदर्शी एवं प्राथमिकता के आधार पर निपटाएं। उन्होंने विशेष रूप से जाति प्रमाणपत्र, आवासीय प्रमाणपत्र, आय प्रमाणपत्र, पेंशन संबंधी सेवाएं एवं राशन कार्ड निर्माण एवं सुधार संबंधित सेवाओं से जुड़े लंबित आवेदनों के अविलंब निष्पादन पर जोर दिया। साथ ही जिन आवेदकों द्वारा आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध करा दिए गए हैं, उन्हें प्रतीक्षा में न रखने तथा आरटीपीएस की निर्धारित समय सीमा का सख्ती से पालन करने का निदेश दिया। इसके अतिरिक्त अपर समाहर्ता ने जिले में चल रहे राजस्व महाअभियान और अन्य राजस्व कार्यों की स्थिति की भी विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने म्यूटेशन (दाखिल-खारिज) मामलों के निष्पादन, परिमार्जन कार्य व अभिलेखों की अद्यतन स्थिति, भूमि विवादों के निराकरण की स्थिति, लंबित राजस्व मामलों की श्रेणीवार प्रगति, राजस्व अभिलेखों की शुद्धता एवं डिजिटाइजेशन आदि बिंदुओं की विशेष रूप से प्रगति रिपोर्ट मांगी। अपर समाहर्ता ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिया कि राजस्व कार्यों में किसी भी प्रकार की शिथिलता या देरी स्वीकार्य नहीं होगी। कहा कि जनसामान्य की समस्याओं का त्वरित और प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने प्रत्येक प्रखंड एवं अंचल स्तर पर लंबित मामलों की दैनिक समीक्षा, नियमित फॉलोअप एवं साप्ताहिक प्रगति रिपोर्ट जिला कार्यालय को भेजना सुनिश्चित करने को कहा। बैठक के अंत में दोहराया कि आरटीपीएस एवं राजस्व से जुड़े कार्य प्रशासन की छवि तथा जनसंतोष से सीधे जुड़े हैं। इसलिए अधिकारीगण अपनी जिम्मेदारियों का गंभीरता, संवेदनशीलता एवं दक्षता के साथ निर्वहन करें, ताकि सभी सेवाओं का समय पर जनता तक लाभ पहुंच सके।

किसानों से अधिप्राप्त धान का 48 घंटे के भीतर भुगतान सुनिश्चित कराएं सहकारिता प्रसार पदाधिकारी : डीएम

निज संवाददाता। सुपौल

समाहरणालय स्थित कार्यालय वेश्म में गुरुवार को जिलाधिकारी सावन कुमार की अध्यक्षता में धान अधिप्राप्ति 2025-26 की समीक्षा बैठक संपन्न हुई । बैठक में जिला सहकारिता पदाधिकारी, प्रबंध निदेशक, जिला केन्द्रीय सहकारी बैंक लि. एवं सभी प्रखंड के सहकारिता प्रसार पदाधिकारियों ने भाग लिया। आहूत बैठक में जिलाधिकारी ने धान अधिप्राप्ति में पारदर्शिता बरतते हुए पैक्स अध्यक्ष एवं किसानों के बीच समन्वय स्थापित कर माह दिसम्बर 2025 तक लक्ष्य के अनुरूप शत प्रतिशत धान अधिप्राप्ति कार्य पूर्ण कराने का निदेश दिया। कहा कि ध्यान रहे कि किसान किसी भी हाल में बिचैलियों के पास धान बेचने के लिए मजबूर न हों। साथ ही चयन योग्य समितियों के चयन के लिए जिला टास्क फोर्स द्वारा चयन हेतु अविलंब बैठक कराने एवं ससमय सीएमआर की आपूर्ति के लिए मिलों को टैग करने का निदेश दिया गया। बैठक में सभी सहकारिता प्रसार पदाधिकारी को क्षेत्र में भ्रमणशील रहकर पैक्स व व्यापार मंडल का निरीक्षण एवं पर्यवेक्षण में धान अधिप्राप्ति योजना को सूचारू रूप से क्रियान्वित करने का निदेश दिया गया। डीएम ने उपस्थित सभी सहकारिता प्रसार पदाधिकारी को सरकार द्वारा निर्धारित 48 घंटे के भीतर किसानों को अधिप्राप्त धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य भुगतान कराने के विभागीय निदेश को दृढ़ता से अनुश्रवण कराने का निदेश दिया गया।

दुनिया का सबसे बड़ा शिवलिंग 96 चक्कों की गाड़ी से आएगा

तमिलनाडु से कल बिहार के लिए होगा रवाना, 5 किमी प्रतिघंटे की होगी रफ्तार

निज संवाददाता। पटना

पूर्वी चंपारण के चकिया में विराट रामायण मंदिर का निर्माण हो रहा है। इसमें दुनिया का सबसे बड़ा शिवलिंग स्थापित किया जाएगा। यह शिवलिंग 21 नवंबर को तमिलनाडु के महाबलीपुरम से बिहार के लिए रवाना होगा। इसके लिए महावीर मंदिर के सुपरिटेंडेंट के. सुधाकरण और जनसंपर्क पदाधिकारी अजय कुमार सिंह आज महाबलीपुरम जा रहे हैं। वहां पहले शिवलिंग की पूरे विधि-विधान से पूजा होगी। फिर 96 चक्कों की गाड़ी से यह शिवलिंग करीब डेढ़ महीने में कैथवलिया पहुंचेगा। जिस ट्रक से इसे लाया जाएगा, उसकी रफ्तार 5 किलोमीटर प्रति घंटे होगी। अधिक वजन से कहीं सड़क न धंस जाए, इसलिए चकिया से कैथवलिया तक 12 किलोमीटर विशेष तकनीक से सड़क व पुल-पुलिया का निर्माण हुआ है।

विश्व का सबसे बड़ा मोनोलिथ स्ट्रक्चर का शिवलिंग: महावीर मंदिर न्यास के सदस्य सायण कुणाल ने कहा कि यह विश्व का सबसे बड़ा मोनोलिथ स्ट्रक्चर का शिवलिंग है। इस शिवलिंग की ऊंचाई और गोलाई भी 33 फीट है। वहीं, वजन 210 मीट्रिक टन है। इसके साथ एक हजार छोटे शिवलिंग भी होंगे। इसे सहस्रलिंगम के रूप में जाना जाता है। बिहार पहुंचने पर शिवलिंग का जगह-जगह स्वागत और पूजा किया जाएगा। वोल्वो हाइड्रोलिक पुलर गाड़ी से यह शिवलिंग बिहार पहुंचेगी। इस गाड़ी के साथ-साथ एक स्क्वाड भी मौजूद रहेगा।

चांदी के 15 फीट ऊंचे अरघा पर होगा स्थापित: इस शिवलिंग को सहस्रलिंगम कहा जाता है। इसके साथ एक हजार छोटे शिवलिंग होते हैं। तमिलनाडु के महाबलीपुरम में ब्लैक ग्रेनाइट पत्थर की चट्टान को तराशकर इस शिवलिंग का निर्माण किया गया है। चांदी के 15 फीट ऊंचे अरघा पर यह शिवलिंग स्थापित होगा।

540 फीट चौड़ा होगा यह मंदिर: विराट रामायण मंदिर का निर्माण महावीर मंदिर न्यास समिति की ओर से कराया जा रहा है। विराट रामायण मंदिर का प्रवेश द्वार, गणेश स्थल, सिंह द्वार, नंदी, शिवलिंग, गर्भ गृह का पाइलिंग का काम पूरा हो चुका है। आकार में यह मंदिर 1080 फीट लंबा और 540 फीट चौड़ा होगा। इसमें कुल 18 शिखर और 22 मंदिर होंगे और मुख्य शिखर की ऊंचाई 270 फीट, चार शिखर की ऊंचाई 180 फीट, एक शिखर की ऊंचाई 135 फीट, आठ शिखर की ऊंचाई 108 फीट और एक शिखर की ऊंचाई 90 फीट होगी।

दो साल पहले हुआ था शिलान्यास: 20 जून 2023 को शिलान्यास के बाद विराट रामायण मंदिर का निर्माण कार्य शुरू किया गया है। विराट रामायण मंदिर का निर्माण बिहार के पूर्वी चंपारण जिले के केसरिया और चकिया के बीच जानकीनगर में हो रहा है। पटना से इस मंदिर की दूरी लगभग में 120 किलोमीटर है। विराट रामायण मंदिर में चार आश्रम होंगे। यह मंदिर आचार्य किशोर कुणाल का ड्रीम प्रोजेक्ट है।

संक्षिप्त समाचार

पटना में इलाज के दौरान महिला की हुई मौत, ड्राइवर के खिलाफ मामला दर्ज

कोंच,गयाजी। गया के कोंच थाना क्षेत्र के चिचौरा गांव में 10 नवंबर को हुए सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल महिला की पटना में इलाज के दौरान मौत हो गई। इस घटना को लेकर गुरुवार को मामला दर्ज कराया गया है। जानकारी के अनुसार, चिचौरा गांव निवासी 34 वर्षीय प्रियंका देवी टोटो पर सवार होकर बाजार से घर लौट रही थीं। रास्ते में चिचौरा गांव के पास एक बेकाबू बाइक सवार ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वे सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गईं। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें कोंच अस्पताल ले जाया गया, जहाँ प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उनकी गंभीर स्थिति देखते हुए उन्हें रेफर कर दिया। परिजन उन्हें पटना के पीएमसीएच ले गए, जहाँ 14 नवंबर को उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। मृतक के भतीजे चंदन कुमार का कहना है कि बाइक सवार की लापरवाही से यह दुर्घटना हुई और चालक हादसे के बाद मौके से फरार हो गया। उन्होंने कोंच थाना में लिखित आवेदन देकर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। कोंच थाना प्रभारी सुदेह कुमार ने बताया कि पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

बिहार की नवगठित सरकार में विकास की रफ्तार होगी तेज : डॉ शीतल यादव

गुरुआ,गया। गुरुआ प्रखंड के एनडीए गठबंधन के कार्यकर्ताओं ने बिहार के नवगठित सरकार में शामिल मंत्रियों को बधाई देते हुए खुशियां व्यक्त किया है। गया जिला परिषद के उपाध्यक्ष व एनडीए के वरिष्ठ नेता डॉ शीतल प्रसाद यादव ने बताया कि बिहार में नीतीश कुमार को दशवीं बार सीएम, सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिंहा को डिप्टी सीएम बनने से विकास की रफ्तार तेज हो गया है। इधर जिप उपाध्यक्ष डॉ शीतल प्रसाद यादव, पूर्व विधायक सुरेंद्र प्रसाद सिंहा के पुत्र पंकज नारायण दीपक उर्फ पंकज दांगी, पूर्व विधायक राजीव नंदन की पत्नी रुपम सिंहा दांगी, भाजपा के वरिष्ठ नेता सुधीर कुमार वर्मा उर्फ विनोद मरांडी, सेवानिवृत्त प्राचार्य राजकुमार प्रसाद सिंह, दांगी क्षत्रिय संघ के जिलाध्यक्ष शशिभूषण कुमार दांगी, भाजपा नेता सचिन ठाकुर, मंडल अध्यक्ष रामजतन यादव, जदयू अध्यक्ष नीतीश कुमार दांगी, नंदकिशोर प्रसाद, मिथिलेश कुमार पांडेय, राजन पंचायत के सामाजिक कार्यकर्ता रामेश्वर साव उर्फ सेठजी, नगवां पंचायत के पूर्व पैक्स अध्यक्ष राणा संतोष कुमार सिंह, कुशल युवा कार्यक्रम के समन्वयक पंकज कुमार गुप्ता, हम के पूर्व महासचिव मनोज यादव, पायनियर पब्लिक स्कूल के निदेशक चितरंजन कुमार शर्मा समेत कई लोगों ने बिहार के नवगठित सरकार में शामिल मंत्रियों को बधाई दिया है।

राजद विधायक अजय दांगी को सरपंच संघ के पूर्व अध्यक्ष ने किया सम्मानित

गुरुआ,गयाजी। गुरुआ प्रखंड के सरपंच संघ के पूर्व अध्यक्ष ब्रजबाला कुमारी ने गुरुवार को अपने समर्थकों के साथ राजद विधायक अजय कुमार दांगी के आवास पर पहुंचकर गुलदस्ता देकर सम्मानित किया इस दौरान उन्होंने टिकारी विस क्षेत्र में विकास की किरणो को सौ प्रतिशत धरातल पर उतारने का सलाह भी दिया। सरपंच संघ के पूर्व अध्यक्ष के द्वारा स्वागत किए जाने पर राजद विधायक अजय दांगी ने आभार प्रकट करते हुए कहां कि टिकारी में महागठबंधन के तमाम कार्यकर्ताओं ने मिल-जुलकर बहुत बड़ी जंग जितने का काम किया है अब अगली लड़ाई औरंगाबाद संसदीय क्षेत्र को दूसरी बार जितना महागठबंधन के लिए बहुत बड़ी चुनौतीपूर्ण बनी हुई है लेकिन उसकी तैयारी भी शुरु कर दिया गया है। इस मौके पर राजद के जिलाध्यक्ष सुभाष यादव, राजद के वरिष्ठ नेता कमलेश कुमार यादव, युवा नेता शशि रंजन कुमार दांगी, अधिवक्ता शंभू नाथ यादव, राजद के वरिष्ठ नेता मिलन कुमार यादव, सामाजिक कार्यकर्ता नीतेश कुमार दांगी, डॉ प्रमोद कुमार वर्मा समेत लोग मौजूद थे।

पुलिस ने 18 लीटर अंग्रेजी शराब के साथ दो तस्कर पकड़े

बांकेबजार,गयाजी। गया के रौशनगंज पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी सफलता हासिल की है। गुरुवार को नवादा गांव के पास पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 18 लीटर अंग्रेजी शराब के साथ दो कारोबारियों को गिरफ्तार किया। शराब ढोने में इस्तेमाल की जा रही मोटरसाइकिल भी जब्त कर ली गई। थाना प्रभारी अन्नू राजा ने बताया कि गुरुवार शाम करीब 5 बजे पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि दो युवक मोटरसाइकिल से अंग्रेजी शराब की खेप लेकर गुजरने वाले हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम सक्रिय हुई और नवादा गांव के पास वाहन चेकिंग अभियान शुरू किया। कुछ ही देर बाद संदिग्ध मोटरसाइकिल को रोककर तलाशी ली गई। जांच के दौरान बाइक से 18 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद हुई। मौके पर ही दोनों कारोबारियों को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार युवकों की पहचान गुरुआ थाना क्षेत्र के अमरसी बिगहा गांव निवासी शुभम कुमार और सुनील कुमार के रूप में हुई है। पूछताछ में दोनों ने शराब की खेप सप्लाई करने की बात स्वीकार की। पुलिस ने बताया कि दोनों से मिली जानकारी के आधार पर शराब आपूर्ति नेटवर्क की पहचान की जा रही है। अधिकारियों के अनुसार, अवैध शराब के विरुद्ध अभियान आगे भी सख्ती से जारी रहेगा और ऐसे कारोबार को किसी भी कीमत पर पनपने नहीं दिया जाएगा।

गया सदर अस्पताल में विश्व बाल दिवस पर बेबी किट का वितरण

निज संवाददाता। गयाजी

गया के सदर अस्पताल में विश्व बाल दिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें नवजात शिशुओं और माताओं के बीच बेबी किट का वितरण किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बाल स्वास्थ्य, मातृत्व सुरक्षा और पोषण संबंधी जागरूकता को बढ़ाना था। इसका शुभारंभ अस्पताल के चिकित्सा उपाधीक्षक और महिला व बाल विकास निगम के अधिकारियों ने संयुक्त रूप से किया।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों ने माताओं को नवजात शिशुओं की देखभाल, नियमित टीकाकरण, स्तनपान के महत्व और जन्म के बाद के प्रारंभिक 1,000 दिनों में पोषण से जुड़ी सावधानियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने

मातृत्व व शिशु स्वास्थ्य पर दिया गया जोर

कहा कि बच्चे का स्वस्थ रहना ही उसके सुरक्षित भविष्य की नींव है, जो विश्व बाल दिवस का मूल संदेश भी है। अस्पताल प्रशासन की ओर से वितरित बेबी किट में शिशु देखभाल हेतु आवश्यक सामग्री जैसे तेल, साबुन, पाउडर और स्वच्छता से संबंधित वस्तुएँ शामिल थीं। इस पहल का उद्देश्य माताओं को शुरू से ही स्वच्छता और शिशु देखभाल के प्रति प्रोत्साहित करना है।

कार्यक्रम में मौजूद माताओं ने अस्पताल प्रशासन और महिला एवं बाल विकास निगम की इस पहल की सराहना की। उनका कहना था कि बेबी किट जैसी पहलें उनके लिए बेहद सहायक होती हैं और इससे अस्पताल की सेवाओं के प्रति भरोसा बढ़ता है। कार्यक्रम के समापन पर अधिकारियों ने सभी स्वास्थ्यकर्मियों को धन्यवाद दिया और भविष्य में भी ऐसी जनहितकारी गतिविधियों को जारी रखने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर उपाधीक्षक संजय कुमार सिंह, अस्पताल प्रबंधक संजय कुमार अंबष्ट, जिला परियोजना प्रबंधक जयवंती सिन्हा, विशाल कुमार वर्मा, एफएलएस रोहित कुमार सहित कई अस्पताल कर्मी उपस्थित थे।

शराब के नशे में उत्पात मचा रहे युवक को पुलिस ने किया गिरफ्तार

निज संवाददाता। बेलागंज, गयाजी

बेलागंज थाना पुलिस ने जादोपुर गांव में शराब के नशे में उत्पात मचा रहे एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी शंभू कुमार अपने परिवार के साथ मारपीट कर रहा था और घर में तोड़फोड़ कर गांव में अशांति फैला रहा था। थाना प्रभारी मनोज कुमार पांडे ने बताया कि जादोपुर निवासी 30 वर्षीय शंभू कुमार, पिता महेंद्र चौधरी, शराब पीकर परिवार के सदस्यों से मारपीट कर रहा था। वह घर के बर्तनों को तोड़ रहा था और दरवाजे पर लात-घूंसे मार रहा था। इसी दौरान उसने गांव के लोगों के साथ भी गाली-गलौज की, जिससे माहौल तनावपूर्ण हो गया। परिवार के सदस्यों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और शंभू कुमार को गिरफ्तार कर थाने लाई। उसके खिलाफ कांड संख्या 668/25, धारा 37 बिहार मध्य उत्पाद संशोधित अधिनियम 2022 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई। थाने में ब्रेथ एनालाइजर से जांच की गई, जिसमें उसके शराब पीने की पुष्टि हुई। गुरुवार दोपहर 2 बजे उसे न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

विश्व शौचालय दिवस पर विभिन्न विद्यालयों में स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

निज संवाददाता। गयाजी

विश्व शौचालय दिवस के अवसर पर जिला जल एवं स्वच्छता समिति, गया और वाटरएड के संयुक्त तत्वावधान में बेलागंज, मानपुर, नगर, आमस, बांकेबाजार और फतेहपुर प्रखंडों के कई विद्यालयों में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य विद्यार्थियों, शिक्षकों और समुदाय को शौचालय उपयोग, स्वच्छता आदतों और स्वास्थ्य सुरक्षा के महत्व से अवगत कराना था। विद्यालयों में आयोजित बैठकों में छात्रों को बताया गया कि शौचालय का नियमित उपयोग क्यों आवश्यक है, खुले में शौच से होने वाले स्वास्थ्य जोखिम क्या हैं और हाथ धोने तथा साफ पानी के उपयोग से रोगों की रोकथाम कैसे की जा सकती है। कार्यक्रम के दौरान बच्चों और शिक्षकों को स्वच्छता को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने और शौचालय को साफ रखने की शपथ दिलाई गई। विद्यार्थियों ने "स्वच्छ विद्यालय – स्वस्थ भविष्य" का संकल्प दोहराया। कई विद्यालयों में विद्यार्थियों ने रंगीन पोस्टर और स्लोगन के साथ स्वच्छता रैली भी निकाली, जिसमें "शौचालय अपनाएँ – बीमारी भगाएँ" और "स्वच्छता है असली सेवा" जैसे नारों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया गया। इसके अलावा कार्यशालाओं, क्विज़, पोस्टर बनाने और समूह चर्चा जैसी गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को स्वच्छता के विषय को रचनात्मक ढंग से समझने और व्यक्त करने का अवसर मिला।

नीतीश कुमार के 10वीं बार मुख्यमंत्री बनने पर जश्न, नालंदा में छात्र नेताओं ने बांटी मिठाई

निज संवाददाता। नालंदा

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के 10वीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद पूरे प्रदेश में जश्न का माहौल है। नालंदा में छात्र जदयू के कार्यकर्ताओं ने बिहार शरीफ के हरदेव चौक पर एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर,मिठाई बांटकर व आतिशबाजी कर खुशी का इजहार किया। इस ऐतिहासिक अवसर पर छात्र और युवा नेताओं ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ-साथ प्रदेश की जनता को भी धन्यवाद दिया। छात्र नेताओं ने विशेष रूप से श्रवण कुमार को फिर से मंत्रिमंडल में शामिल किए जाने पर मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया। उनका कहना है कि श्रवण कुमार हमेशा कार्यकर्ताओं के सुख-दुख में शामिल होते हैं और गरीबों-वंचितों के विकास के लिए तत्पर रहते हैं।

छात्र-युवाओं के समर्थन से NDA को मिला भारी जनादेशः ताजा चुनाव परिणामों में नालंदा में NDA को मिले जबरदस्त जनादेश ने पूरे जिले में चर्चा का विषय बना

दिया है। विशेष बात यह रही कि इस बार छात्र और युवा वर्ग ने खुलकर NDA के पक्ष में मतदान किया, जिसकी सराहना स्थानीय नेताओं ने की है। छात्र जिला अध्यक्ष सन्नी पटेल और नगर अध्यक्ष संजीत यादव की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में छात्र नेताओं ने कहा कि नालंदा के छात्र और युवा जिस उमंग के साथ लोकतंत्र में आगे आए, उससे पूरे जिले में सकारात्मक माहौल बना। हम सभी नालंदा की जनता का दिल से शुक्रिया अदा करते हैं।"

न्याय के साथ विकास' का मिला जनसमर्थनः छात्र नेताओं ने बिहार और नालंदा की जनता को विशेष धन्यवाद देते हुए कहा कि प्रदेशवासियों ने फिर से जनप्रिय नेता नीतीश कुमार पर अपार स्नेह, प्यार और आशीर्वाद बरसाया। उन्होंने 'न्याय के साथ विकास' और सुशासन के नीतीश मॉडल पर अपनी मुहर लगा दी है। युवा नेताओं का मानना है कि यह जीत समाज के गरीबों, वंचितों और शोषितों की जीत है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार हमेशा कहते हैं कि बिहार की जनता ने उन्हें खिदमत करने के लिए अपना आशीर्वाद दिया है और यही उनका प्राथमिक लक्ष्य रहा है।

आजाद भारत में बिहार की तस्वीर बदलीः छात्र नेताओं ने कहा कि आजाद भारत में बिहार की तस्वीर नीतीश कुमार ने बदली है और वे बदलते तथा चमकते बिहार के शिल्पकार हैं। आज लोग गर्व से कहते हैं कि हम बिहार से हैं। विकास के क्षेत्र में बिहार आज अग्रणी राज्य की भूमिका में है और देश में अव्वल पायदान पर है। यह उनके कुशल नेतृत्व का कमाल है। महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन हुआ है जो देश में अद्वितीय है। आज महिलाएं मजबूती के साथ हर क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के क्षेत्रों में अकल्पनीय परिवर्तन हुआ है। युवा नेताओं का कहना है कि नीतीश कुमार ने जो परिवर्तन करके दिखाया है, उसका आज देश लोहा मान रहा है। बीमारू राज्य कहे जाने वाले बिहार को उन्होंने विकास की पटरी पर दौड़ा दिया है।

इन छात्र नेताओं ने की शिरकतः इस अवसर पर प्रवक्ता विकास वर्मा, आदित्य कुमार, सौरव यादव, पवन शर्मा, सन्नी कुशवाहा, सतीश पटेल, अर्णव आर्या, संजीत महतो, रोहित महतो, विकाश कुमार, राजा कुमार, उमाकांत पासवान, मनीष कुमार, सन्नी महतो एवं अन्य छात्र नेता मौजूद थे।

श्रवण कुमार ने मंत्री पद की शपथ ली, 1995 से नालंदा से विधायक हैं

निज संवाददाता। नालंदा

बिहार की राजनीति में श्रवण कुमार का नाम किसी परिचय का मोहताज नहीं है। मंत्री श्रवण कुमार की राजनीतिक यात्रा संघर्ष, समर्पण और जनसेवा की अनूठी मिसाल है। जिस व्यक्ति ने 1985 में अपने पहले चुनाव में महज 2400 मत पाए थे, वहीं आज बिहार सरकार में फिर से मंत्री का पद दिया गया है। नालंदा सीट से 1995 से लगातार चुनाव जीत रहे हैं। इस बार कांग्रेस प्रत्याशी को 33008 वोटों से हराया।

जननायक के आशीर्वाद से मिली राजनीतिक दिशाः श्रवण कुमार की राजनीतिक यात्रा की शुरुआत 1974 के जेपी आंदोलन से हुई। हजारीबाग जेल में जननायक कर्पूरी ठाकुर के सानिध्य में उन्होंने राजनीति के गुर सीखे। 1985 में नालंदा विधानसभा से उपचुनाव में लोकदल के टिकट पर उनकी पहली चुनावी लड़ाई थी। हरिनारायण सिंह और नीतीश कुमार भी इस सीट से चुनाव लड़ना चाहते थे, लेकिन कर्पूरी ठाकुर ने श्रवण कुमार को टिकट देकर सबको चौंका दिया। पहले चुनाव में केवल 2400 मत पाकर हारने के बाद श्रवण कुमार

कुछ समय तक कर्पूरी ठाकुर से मिलने नहीं गए। जब जननायक ने उन्हें बुलाया तो एक अविस्मरणीय सबक दिया, 'हम पार्टी टिकट चुनाव जीतने के लिए नहीं, नेता बनाने के लिए देते हैं। जिन 2400 लोगों ने विपरीत परिस्थितियों में आपको वोट दिया, वे आपके हार्डकोर समर्थक हैं। एक दिन यही लोग आपको विधायक बना देंगे।'

संघर्ष से सफलता की ओरः कर्पूरी ठाकुर के इस मार्गदर्शन ने श्रवण कुमार को नई ऊर्जा दी। वे गांव-गांव घूमकर जनसमस्याओं को उठाने लगे। 1990 में जनता दल के टिकट पर उन्होंने 50 हजार से अधिक वोट हासिल किए, लेकिन निर्दलीय राम नरेश सिंह से हार गए। यह चुनाव रक्तरंजित रहा था। 1993 में श्रवण कुमार के प्रयास से तत्कालीन मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव ने बेन को ब्लॉक बनाया और स्वयं उसका उद्घाटन किया। इससे श्रवण कुमार की लोकप्रियता में इजाफा हुआ।

नीतीश के साथ राजनीतिक सफरः 1994 में जब नीतीश कुमार और जॉर्ज फर्नांडीज ने जनता दल से अलग होकर नई पार्टी बनाई, तो श्रवण कुमार ने जनता दल बिहार के महासचिव पद से इस्तीफा देकर नीतीश के नेतृत्व में आस्था व्यक्त की। बाद में यह पार्टी समता पार्टी बनी। 1995 के विधानसभा चुनाव में श्रवण कुमार ने नालंदा विधानसभा से 44,000 मतों से जीत दर्ज की। तब से वे नीतीश कुमार के विश्वसनीय साथी बने हुए हैं। 2005 से नीतीश के मुख्यमंत्री बनने के बाद श्रवण कुमार जेडीयू के मुख्य सचेतक रहे।

मंत्री पद की उठापटकः 2005 में नीतीश के मंत्रिमंडल में श्रवण कुमार को जगह नहीं मिली थी। 2014 में जीतन राम मांझी के मुख्यमंत्री बनने पर भी शुरुआत में उन्हें मंत्री नहीं बनाया गया। नाराज श्रवण कुमार ने सरकारी वाहन लौटा दिया। उनका कहना था कि नीतीश जी के मंत्रिमंडल में न होना समझ में आता है, लेकिन मांझी के मंत्रिमंडल में न होना स्वीकार नहीं। बाद में मांझी मंत्रिमंडल के विस्तार में उन्हें ग्रामीण कार्य, ग्रामीण विकास एवं संसदीय कार्य विभाग मिला। उन्होंने ग्रामीण कार्य विभाग में इतना काम कराया कि विभाग का पूरा बजट खर्च हुआ। एक पैसा भी सरेंडर नहीं किया गया। केवल नालंदा जिले में ही बियाबानी, रानी सराय समेत 13 बड़े पुल और कई दर्जन छोटे पुलों की स्वीकृति दी गई।

सादगी और जनसरोकारः कृषक परिवार से आने वाले श्रवण कुमार की तीन बहनें हैं। एक स्वास्थ्य विभाग से रिटायर्ड और दो शिक्षिका हैं। 2 बेटी और 1 बेटा है। सभी पढ़ाई कर रहे हैं। बेन में आज भी उनकी खानदानी कृषि भूमि है। राजनीतिक जानकार मानते हैं कि श्रवण कुमार की सबसे बड़ी खासियत है कि वे किसी भी दल, जाति या धर्म के कार्यकर्ता की बात सुनते हैं।

समस्या का समाधान करने का प्रयास करते हैं। उनके क्षेत्र में गरीब, दलित और मध्यम वर्ग उनके मजबूत समर्थक हैं। हर विपरीत स्थिति में नीतीश कुमार उन्हें ही बड़े कार्य सौंपते हैं। 2014 से लगातार मंत्री पद पर बने हुए श्रवण कुमार की राजनीतिक यात्रा यह साबित करती है कि लगन, मेहनत और जनसेवा से कोई भी व्यक्ति राजनीति में सफलता की ऊंचाइयां छू सकता है। उन्हें नीतीश के मंत्रिमंडल में फिर से मंत्री बनने का मौका मिला है।

सीयूएसबी में खुराना छात्रवृत्ति 2025 के प्रतिभागियों को किया सम्मानित

निज संवाददाता। टिकारी

सीयूएसबी के स्कूल ऑफ अर्थ, बायोलॉजिकल एंड एनवायर्नमेंट साइंस द्वारा खुराना छात्रवृत्ति 2025 एवं अन्य विदेशी फेलोशिप प्राप्त छात्रों के लिए व्याख्यान-सह-संवादात्मक सत्र और सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह और देखरेख डीन प्रो. रिजवानुल हक ने की। कुलपति प्रो. सिंह ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए इसे हर वर्ष आयोजित करने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि सफलता का आधार जुनून, समर्पण, ईमानदारी और निरंतरता है। नोबेल विजेता सीवी

रमन का उदाहरण देते हुए उन्होंने बताया कि कैसे उन्होंने अपने जुनून के लिए उच्च वेतन वाली नौकरी छोड़कर विज्ञान को चुना।

समारोह में खुराना छात्रवृत्ति 2025 प्राप्त छात्रों—प्रसाद पांडा (जैव प्रौद्योगिकी), बंजा प्रकाशिनी सामंतराय (पर्यावरण विज्ञान) और पृथा घोष (भूगोल)—को कुलपति और डीन ने सम्मानित किया। विशेष रूप से, पृथा घोष को जापान में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेने के लिए एशियाई विकास बैंक से पूर्ण वित्तपोषित विदेशी यात्रा अनुदान भी मिला है।

पीआरओ मोहम्मद मुदस्सिर आलम ने जानकारी दी कि डीन प्रो. हक ने छात्रों की उपलब्धियों की सराहना करते हुए उन्हें उच्च शिक्षा और शोध के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। सम्मानित छात्रों—प्रसाद पांडा, बंजा प्रकाशिनी सामंतराय और पृथा घोष—ने भी कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त किए और अपने अनुभव साझा किए।

नव नालंदा महाविहार का आज 75वां स्थापना दिवस

निज संवाददाता। नालंदा

पुराने भारतीय ज्ञान परंपरा के प्रतीक नवनालंदा महाविहार ने आज अपना 75वां स्थापना दिवस गारिमामय ढंग से मनाया। इस ऐतिहासिक अवसर पर देश-विदेश के विद्वानों, बौद्ध भिक्षुओं, शिक्षाविदों और छात्रों की उपस्थिति ने समारोह को एक अंतरराष्ट्रीय आयाम दिया।

संस्कृति मंत्री ने नालंदा को बताया सभ्यता का प्रतीकः केंद्रीय संस्कृति मंत्री और नव नालंदा महाविहार के कुलाधिपति गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि नालंदा केवल एक नाम नहीं, बल्कि एक संपूर्ण सभ्यता है — ज्ञान की मशाल और भारत के बौद्धिक आत्मविश्वास का प्रतीक है। उन्होंने विश्वविद्यालय के ध्येय वाक्य "ज्ञान मानवता को जोड़ता है, विभाजित नहीं करता" का उल्लेख करते हुए कहा कि नवनालंदा महाविहार की स्थापना भारत की पुराना ज्ञान परंपराओं के पुनरुत्थान और वैश्विक मंच पर उनकी पुनर्स्थापना का प्रतीक है।

'ज्ञान भारतम मिशन' के तहत बना क्लस्टर सेंटरः मंत्री ने एक महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए बताया कि नवनालंदा महाविहार को 'ज्ञान

भारतम मिशन' के अंतर्गत क्लस्टर सेंटर घोषित किया गया है। इसके माध्यम से पुराने पांडुलिपियों की खोज, संरक्षण और डिजिटलीकरण का काम किया जाएगा। उन्होंने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) तकनीक के एकीकरण का उल्लेख करते हुए कहा कि पांडुलिपि अध्ययन में विश्वविद्यालय की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो गई है। शेखावत ने कहा कि यहां अध्ययन करने वाले अंतरराष्ट्रीय छात्र अपने देशों में बौद्ध धर्म के राजदूत बनकर लौटते हैं और एशिया की सांस्कृतिक सद्भाव के प्रतीक बन जाते हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय को बौद्ध अध्ययन के वैश्विक केंद्र में परिवर्तित करने का आह्वान किया।

NEP लागू करने वाला पहला विश्वविद्यालयः संस्कृति मंत्रालय के अधीन आने वाला नवनालंदा महाविहार राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) को पूरी तरह से लागू करने वाला पहला विश्वविद्यालय बन गया है। कुलपति प्रो. सिद्धार्थ सिंह के कुशल नेतृत्व की सराहना करते हुए मंत्री ने कहा कि उनके मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक उत्कृष्टता के नए आयाम स्थापित किए हैं।

वियतनाम के बौद्ध नेताओं ने नालंदा को बताया 'ज्ञान का संयुक्त राष्ट्र': वियतनाम बौद्ध संघ के उपाध्यक्ष और वियतनाम बौद्ध संस्थान के अध्यक्ष परम पूज्य थिच गियाक तुआन ने नालंदा को "ज्ञान का संयुक्त राष्ट्र" बताया। उन्होंने कहा कि भारत, वियतनाम और अन्य बौद्ध राष्ट्रों के बीच संबंध साझा पुराना ज्ञान और संस्कृति पर आधारित हैं। परम पूज्य थिच न्हात तू ने नवनालंदा महाविहार द्वारा प्रस्तावित सभागार को परम पूज्य थिच मिन्ह चाऊ के नाम पर रखने के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने इसे दोनों संस्थानों के बीच संबंधों को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

संक्षिप्त समाचार

फर्जी सर्टिफिकेट पर नौकरी कर रहा टीचर गिरफ्तार

बांका। बांका के अमरपुर स्थित न्यू प्राथमिक विद्यालय महादेवपुर अनुसूचित टोला में फर्जी प्रमाण पत्र के आधार पर नौकरी कर रहे शिक्षक देव कुमार दीनबंधु को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। वह पिछले 2 सालों से फरार चल रहे थे। पुलिस ने तकनीकी जांच के आधार पर मिली सूचना पर उन्हें खगड़िया के परबत्ता थाना क्षेत्र स्थित उनके पैतृक गांव तेहाय कोलवारा से हिरासत में लिया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, निगरानी अन्वेषण ब्यूरो, भागलपुर द्वारा की गई जांच में देव कुमार दीनबंधु का प्रारंभिक शिक्षा डिप्लोमा का अंक पत्र फर्जी पाया गया था। इस जांच रिपोर्ट के आधार पर सितंबर 2023 में अमरपुर थाना में उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया था।

विभिन्न ठिकानों पर छापेमारी कर रही थी पुलिसः मामला दर्ज होने के बाद से ही शिक्षक देव कुमार दीनबंधु लगातार पुलिस की पकड़ से बच रहे थे। उनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस लंबे समय से विभिन्न ठिकानों पर छापेमारी कर रही थी।

सूचना मिलते ही टीम ने छापेमारी कीः गठित विशेष टीम गुप्त सूचना के आधार पर लगातार उनका लोकेशन ट्रेस कर रही थी। इसी क्रम में टीम को जानकारी मिली कि शिक्षक खगड़िया जिले के परबत्ता थाना क्षेत्र में छिपे हुए हैं। सूचना मिलते ही टीम ने छापेमारी की और उन्हें मौके से गिरफ्तार कर अमरपुर थाना ले आई। गिरफ्तारी के बाद शिक्षक को न्यायिक हिरासत में बांका भेज दिया गया है। थानाध्यक्ष पंकज जाने ने बताया कि मामले में आगे की कानूनी प्रक्रिया जारी है और जांच के आधार पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

किसानों की जमीन पर चला बुलडोजर

मुंगेर। मुंगेर-मिर्जाचौकी फोरलेन निर्माण के लिए गुरुवार को महमदा मौजा में प्रशासन ने एक दर्जन से अधिक किसानों की जमीन खाली कराई। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) और प्रशासन की संयुक्त टीम ने यह कार्रवाई की। यह कार्रवाई उस समय की गई जब पटना में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और मुंगेर के तीनों विधानसभा क्षेत्रों के विधायक शपथ ग्रहण कर रहे थे। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में पोकलेन और पांच जेसीबी मशीनों का उपयोग कर लगभग 400 मीटर लंबा और 60 मीटर चौड़ा क्षेत्र अतिक्रमणमुक्त कराया गया।

मौके पर 100 से अधिक पुलिस जवानों को तैनात कियाः सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए मौके पर 100 से अधिक पुलिस जवानों को तैनात किया गया था। किसानों ने आरोप लगाया है कि जिस जमीन पर यह कार्रवाई की गई है, उसका मुआवजा विवाद न्यायालय में लंबित है। किसानों का कहना है कि न्यायालय के निर्णय का इंतजार किए बिना प्रशासन द्वारा खेतों को खाली कराना अनुचित है।

जबरन बेदखली से किसानों में गहरी नाराजगीः इस जबरन बेदखली से किसानों में गहरी नाराजगी है और ग्रामीणों में असंतोष व्याप्त है। किसानों ने यह भी आरोप लगाया कि बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान 6 नवंबर को मुंगेर में मतदान हुआ था। उनका कहना है कि यदि चुनाव से पहले ऐसी कार्रवाई की जाती तो वे मतदान नहीं करते। किसानों के अनुसार, चुनाव संपन्न होने और विधायकों के शपथ लेने के बाद अब उन्हें जबरन जमीन खाली करने को कहा जा रहा है।

प्रशासनिक स्तर पर किसी भी अधिकारी ने कोई टिप्पणी नहीं कीः कुछ किसानों ने यह भी दावा किया कि जब वे अपनी जमीन से मवेशियों और उनके चारे के पात्र हटाने गए, तो प्रशासन द्वारा उनके साथ मारपीट की गई। हालांकि, इस संबंध में प्रशासनिक स्तर पर किसी भी अधिकारी ने कोई टिप्पणी नहीं की है।

2 बाइक की टक्कर, 4 युवक घायल

मुंगेर। मुंगेर के धरहरा थाना क्षेत्र में बुधवार देर शाम धरहरा-बसौनी मुख्य सड़क पर पचगछिया के पास दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने की टक्कर हो गई। इस भीषण दुर्घटना में चार युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय ग्रामीणों ने तत्काल सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र धरहरा पहुंचाया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल मुंगेर रेफर कर दिया। सदर अस्पताल से भी सभी घायलों को आगे के विशेष उपचार हेतु हायर सेंटर भेजा गया है। घायल युवकों की पहचान जसीडीह गोविंदपुर निवासी जितेंद्र यादव के 18 वर्षीय बेटे गोलू कुमार, गोविंदपुर निवासी नरेश राम के 21 वर्षीय बेटे साजन कुमार, लड़ैयाटांड़ थाना क्षेत्र के घटवारी निवासी जितेंद्र साह के 13 वर्षीय बेटे विकास कुमार और घटवारी निवासी राजीव कुमार राय के 18 वर्षीय बेटे आयुष कुमार के रूप में की गई है।

गोविंदपुर जा रहे थे दोनों युवकः प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, धरहरा बाजार की ओर से एक मोटरसाइकिल पर सवार दो युवक जसीडीह गोविंदपुर जा रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रही दूसरी मोटरसाइकिल की तेज रोशनी के कारण दोनों वाहन अनियंत्रित हो गए और तेज रफ्तार में आमने-सामने टकरा गए। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों बाइकों पर सवार चारों युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए।

सड़क पर बेहतर प्रकाश व्यवस्था करने की मांगः स्थानीय लोगों ने बताया कि शाम के समय सड़क पर तेज रोशनी और कम दृश्यता के कारण अक्सर दुर्घटनाएं होती रहती हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन और परिवहन विभाग से सड़क पर बेहतर प्रकाश व्यवस्था करने और जागरूकता अभियान चलाने की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

रोड एक्सीडेंट में युवक की मौत

भागलपुर। भागलपुर के स्नोखर थाना क्षेत्र में बुधवार रात एक सड़क दुर्घटना में 24 साल के शुभम कुमार की मौके पर ही मौत हो गई। शुभम धुंवावे गांव के पिंकू प्रसाद सिंह के बेटे थे। मृतक के पिता पिंकू प्रसाद सिंह ने बताया कि शुभम बुधवार रात करीब 9 बजे घर से पास के बाजार में नाश्ता करने गया था। नाश्ता कर घर लौटते समय चंडिका स्थान के पास एक तेज रफ्तार जुगाड़ गाड़ी ने उसे पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि शुभम की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। स्थानीय लोगों के अनुसार, दुर्घटना के बाद ड्राइवर गाड़ी छोड़कर फरार हो गया। घटना की सूचना मिलने पर ग्रामीणों ने स्नोखर थाना पुलिस को जानकारी दी। पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त जुगाड़ गाड़ी को जब्त कर लिया है और फरार चालक की तलाश कर रही है।

आरोपी ड्राइवर के खिलाफ कार्रवाई की मांगः पुलिस ने शुभम के शव को पोस्टमार्टम के लिए भागलपुर भेज दिया है। मृतक के परिजनों ने आरोपी चालक की शीघ्र गिरफ्तारी और उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। स्थानीय निवासियों ने चिंता व्यक्त की है कि इस रास्ते पर अक्सर बिना नंबर की जुगाड़ गाड़ियां तेज रफ्तार से चलती हैं, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। उन्होंने प्रशासन से ऐसे गाड़डी की नियमित जांच और निगरानी बढ़ाने की अपील की है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

प्राकृतिक खेती और फसल विविधीकरण को बढ़ावा दें

भागलपुर। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 21वीं किस्त किसानों को हस्तांतरित होने पर बुधवार को बीएयू में कार्यक्रम किया गया। शुरुआत बीएयू और केवीके के तकनीकी सत्र से हुई। इसमें कुलपति डॉ. डीआर सिंह शामिल हुए। मधुबनी से आए किसान मिथिलेश कुमार ने डेयरी से संबंधित समस्याएं बताईं। स्थानीय किसानों ने बैंगन में रोग और कीट के प्रकोप की समस्या बताई। जल जमाव और बाढ़ के कारण धान की फसल के प्रभावित होने की बात रखी। मधुबनी के के किसानों ने बाढ़ और सूखे दोनों परिस्थितियों में सहनशील धान की किस्म की आवश्यकता पर जोर दिया।

स्टेशन पर भी लग चुकी है आग

भागलपुर। आग लगने जैसी घटनाओं से भागलपुर रेल प्रशासन भी सजग नहीं है। दिवाली और छठ को लेकर बने अस्थाई होल्डिंग एरिया में भी फायर एक्सटिंगिवीशर के सिलेंडर नहीं हैं। किऊल स्टेशन के आरएमएस में बुधवार दोपहर आग लगने की घटना हुई। भागलपुर में भी पहले तीन बार अगलगी की घटना हो चुकी है। तीनों घटना प्लेटफॉर्म-1 पर हुई है। यह स्टेशन का मुख्य प्लेटफॉर्म है और सभी तरह के कार्यालय, भोजनालय भी यहीं हैं। वीआईपी रूम में आग लगने के बाद स्टेशन की सेफ्टी के लिए रखे गए फायर एक्सटिंगिवीशर सिलेंडर स्टेशन अधीक्षक कार्यालय के शौचालय में पाए गए थे। सोशल मीडिया में फोटो वायरल होने से रेलवे की किरकिरी हुई थी।

ब्लड डोनेशन में दिखी लोगों की भागिदारी

- जज-वकीलों के साथ लोगों ने किया रक्तदान, कहा- समाज में सकारात्मक संदेश जाता है

निज संवाददाता। भागलपुर

भागलपुर जिला विधिक सेवा प्राधिकार की ओर से गुरुवार को ए.डी.आर. भवन में रक्तदान शिविर आयोजित हुई। उत्साह के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की गई। शुरुआती क्षण से ही लोगों की भागीदारी देखने को मिली। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार के निर्देश पर आयोजित इस शिविर में न्यायिक अधिकारियों, अधिवक्ताओं, न्यायालयकर्मियों और स्थानीय नागरिकों ने बड़ी संख्या में हिस्सा लिया। शिविर स्थल पर सुबह से ही रौनक दिखाई दे रही थी। मेडिकल टीम ने प्रत्येक दाता का स्वास्थ्य परीक्षण किया, उसके बाद सुरक्षित तरीके से रक्त संग्रह की प्रक्रिया पूरी की गई। आयोजन में महिला दाताओं की भागीदारी भी अच्छी रही। कई युवा स्वयं रक्तदान के लिए लाइन में खड़े दिखाई दिए। चिकित्सा दीपक की टीम ने बताया कि सभी दाताओं ने निर्धारित स्वास्थ्य मानकों को पूरा किया और सुरक्षित रूप से रक्तदान किया।

आयोजन से समाज में सकारात्मक संदेशः रक्तदान के प्रति लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला। कई रक्त दाताओं ने कहा कि इस तरह के आयोजन से समाज में सकारात्मक संदेश जाता है। जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अमित ने बताया कि रक्तदान को लेकर लोगों में जागरूकता बढ़ाना ही इस शिविर का मुख्य उद्देश्य था। उन्होंने कहा कि जिला स्तर पर समय-समय पर ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं ताकि जरूरत के समय किसी मरीज को रक्त की कमी का सामना न करना पड़े। शिविर के दौरान रक्तदाताओं को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित भी किया गया। आयोजकों ने इसे समाज के प्रति लोगों के संवेदनशील रवैये का प्रतीक बताया। अधिकारियों ने कहा कि "रक्तदान महादान" सिर्फ नारा नहीं, बल्कि इंसानियत की सबसे बड़ी सेवा है, जिसे आज लोगों ने अपनी भागीदारी से सार्थक कर दिखाया है। अंत में जिला विधिक सेवा प्राधिकार की ओर से सभी प्रतिभागियों, दाताओं और मेडिकल टीम के प्रति धन्यवाद व्यक्त किया गया।

युवक की भागलपुर में मौत

निज संवाददाता। भागलपुर

भागलपुर के जवाहर लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज अस्पताल में आज सुबह बांका के एक युवक बादल कुमार (30) की इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक रजौन थाना क्षेत्र के कतछतर गांव निवासी पवन कुमार का बेटा था। उपरिजनों ने बादल की मौत के लिए उसकी दूसरी पत्नी को जिम्मेदार ठहराया है। मृतक के पिता पवन कुमार ने बताया कि मंगलवार को बादल अपनी दूसरी पत्नी के मायके में एक शादी समारोह में भोज खाने गया था। अगले दिन घर लौटने पर उसकी तबीयत अचानक बिगड़ गई। परिजन उसे तुरंत रजौन अस्पताल ले गए। वहां डॉक्टरों ने स्थिति गंभीर देखते हुए उसे मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया, जहां इलाज के समय उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर बरारी थाना पुलिस अस्पताल पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

जमीन को लेकर था दूसरी पत्नी से विवादः पिता पवन कुमार का आरोप है कि जमीन और घर के बंटवारे को लेकर चल रहे विवाद के कारण बादल की दूसरी पत्नी ने उसे जहर दिया, जिससे उसकी मौत हुई। उन्होंने बताया कि दूसरी पत्नी अक्सर मुख्य घर में रहने की जिद करती थी, लेकिन परिवार के विरोध के कारण वह अपनी जमीन पर बने अलग घर में रहती थी। इसी बात को लेकर दोनों के बीच अक्सर तनाव रहता था। परिजनों के अनुसार, बादल की पहली शादी 2016 में परिवार की सहमति से हुई थी। उसकी पहली पत्नी आज भी घरवालों के साथ रहती है। 2020 में बादल ने गांव की एक लड़की से प्रेम विवाह कर दूसरी शादी कर ली थी। इसके बाद से ही परिवार में विवाद बढ़ने लगा था। दोनों पत्नियां अलग-अलग रहती थीं, जिससे गृहकलह और गहरा गया था। पुलिस परिजनों के बयान के आधार पर मामले की जांच कर रही है। मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो पाएगा।

पिकअप ने ऑटो में मारी टक्कर, 4 लोग जख्मी

निज संवाददाता। भागलपुर

भागलपुर में तेज रफ्तार पिकअप वैन ने एक ऑटो में टक्कर मार दी। हादसे में चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना, हबीबपुर थाना क्षेत्र के चौक और हबीबपुर थाना के बीच स्थित गैस एजेंसी के पास हुई। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने घायलों को मायागंज अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज चल रहा है। हादसे के बाद ऑटो पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया ऑटो कजरेली की ओर से भागलपुर आ रहा था। भागलपुर की ओर से कजरेली जा रही तेज रफ्तार पिकअप वैन ने ऑटो में सीधी टक्कर मार दी और ड्राइवर मौके से फरार हो गया। टक्कर के समय ऑटो में करीब छह लोग सवार थे, जिनमें चार लोग गंभीर रूप से जख्मी हुए हैं। एक घायल को बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर किया गया है। घायलों की पहचान निखत (12) और उसकी बड़ी बहन रिफत (16) के रूप में हुई है। दोनों हर गुरुवार मौलानाचक फातिया पढ़ने के लिए जा रही थीं, तभी हादसा हो गया।

एक युवती की नस कटीः घटना की जानकारी मिलते ही घायलों के परिजन मौके पर पहुंचे और उन्हें अस्पताल ले जाया गया। हादसे में एक युवती की नस कट गई है, जबकि दूसरी के सिर में गंभीर चोट आई है। तीसरी घायल के सीने में चोट लगने के कारण उसे मायागंज अस्पताल से पटना रेफर कर दिया गया है। घायल किशोरी रिफत ने बताया कि " कजरेली से भागलपुर जा रही थी, तभी डाउट बाउट चौक के पास हिंदुस्तान पैट्रोलियम के बड़े वाहन ने ऑटो में टक्कर मार दी और मौके से फरार हो गया। हम लोग सड़क पर गिर गए। लोगों ने उठाया और फिर अस्पताल पहुंचाया।

मातृ एवं शिशु अस्पताल में जिलाधिकारी ने बेबी किट का किया वितरण

निज संवाददाता। अररिया

विश्व बाल दिवस पर जिलाधिकारी अनिल कुमार द्वारा गुरुवार को सदर अस्पताल के मातृ एवं शिशु अस्पताल में बेबी किट का वितरण किया गया। इस क्रम में बच्चों के अधिकार, सुरक्षा और कल्याण को बढ़ावा देने पर बल दिया गया। बेबी किट वितरण के मौके पर जिलाधिकारीअनिल कुमार ने कहा कि बेबी किट वितरण एक सराहनीय पहल है, जो नवजात शिशुओं और माताओं को आवश्यक देखभाल सामग्री उपलब्ध कराती है। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य और स्वच्छता को बढ़ावा देना, माताओं को आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराना समुदाय में बच्चों के अधिकारों और उनकी जरूरतों के प्रति जागरूकता फैलाना है। बेबी किट में बच्चों के लिए कपड़ा सहित अन्य जरूरत का समान दिया गया। साथ ही माता के लिए आवश्यक जानकारी वाली पुस्तिका, मदर होर्लिक्स का भी वितरण किया गया। इसके अलावा जिलाधिकारी के निर्देश पर जिला के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों पर भी महादलित बस्तियों कि कन्या शिशुओं के बीच बाल विकास परियोजना पदाधिकारी के माध्यम से बेबी किट का वितरण किया जा रहा है। विश्व बाल दिवस की गतिविधियों के तहत बेबी किट वितरण, माताओं के लिए जागरूकता सत्र, बच्चों के सम्पूर्ण टीकाकरण एवं देखभाल की जानकारी तथा महिला विकास निगम तथा समाज कल्याण विभाग बिहार द्वारा माताओं एवं बच्चियों के लिए जारी योजनाओं के संबंध में जानकारी दी गयी। जिला प्रोग्राम पदाधिकारी कविता कुमारी द्वारा बताया गया कि विश्व बाल दिवस का मुख्य उद्देश्य प्रत्येक बच्चे और धात्री माता को सुरक्षित, स्वस्थ और सम्मानजनक जीवन की शुरुआत देना है। विश्व बाल अधिकार दिवस के अवसर पर बालिका विद्यालयों में रंगोली, पेंटिंग, दौड़, कबड्डी आदि प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। भाग लेने वाले सभी बेटियों को टी शर्ट, कैप,और प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रथम तीन विजेता को स्कूल बैग, बैडमिंटन, फुटबॉल आदि दिए जा रहे हैं । मौके पर सदर अस्पताल सीएस डॉ के.के. कश्यप, डीईओ डॉ. मोईज, डीएस डॉ. राजेन्द्र कुमार, चिकित्सक डॉ. अली हस, एचएम विकास आनंद, नाजिश नियाज़ अहमद, डीपीसी राकेश कुमार, पंकज कुमार, आईसीडीएस डीपीओ कविता कुमारी, भाव्या कंसल्टेंट के मो.निसार, जीएनएम रितिका राज, कोयल आदि मौजूद थी।

चाचा ने भतीजे समेत 8 लोगों को पीटा

निज संवाददाता। भागलपुर

भागलपुर में घरेलू विवाद को सुलझाने पहुंचे चाचा ने भतीजे समेत 8 लोगों को पीट दिया। घटना धोरैया थाना क्षेत्र के आईरा गांव की है। पीड़ित के घर में किसी बात को लेकर विवाद हो रहा था। हो-हल्ला सुनकर चाचा नागेंद्र मंडल अपने बेटे कपिल, प्रिंस, देव सहित लगभग नौ लोगों के साथ वहां पहुंचे। पहले कहासुनी हुई, फिर चाचा और उसके बेटों ने परिवार के आठ सदस्यों को तलवार व चाकू से मारपीट कर घायल कर दिया। घटना में आधा दर्जन लोग गंभीर रूप से जख्मी हुए हैं। घायलों की पहचान उदय मंडल, उनकी मां उष्मा देवी, बेटा सोनू, गुरुदेव मंडल, राजकुमार मंडल सहित कुल आठ लोगों के रूप में हुई है।

कहासुनी के बाद किया हमलाः घायल उष्मा देवी के बेटे राजकुमार ने बताया कि घर में किसी बात को लेकर विवाद चल रहा था। इसी दौरान चाचा पहुंचे और पहले कहासुनी की। अपने बेटों के साथ मिलकर मेरी मां-पिता, बड़े भाई समेत परिवार के आठ सदस्यों को पीट दिया। किसी का सिर फट गया तो किसी के मुंह में चाकू लग गया। घटना के बाद पीड़ित धोरैया थाना पहुंचे, जहां से पुलिस ने उन्हें इलाज के लिए धोरैया अस्पताल भेज दिया। प्रारंभिक इलाज के बाद स्थिति गंभीर होने पर डॉक्टरों ने सभी को मायागंज अस्पताल रेफर कर दिया। पीड़ित परिवार का आरोप है कि विवाद को सुलझाने के बहाने चाचा नागेंद्र मंडल ने दिन में तीन बार जबरन मारपीट की। पीड़ितों ने नरदेव मंडल, कपिल मंडल, सुमित मंडल, प्रिंस कुमार, देव कुमार सहित आठ लोगों पर हमला करने का आरोप लगाया है। पीड़ितों ने कहा कि इलाज के बाद वे पुलिस में मामला दर्ज कराएंगे। घरेलू विवाद में हस्तक्षेप कर चाचा ने पूरे परिवार के साथ मारपीट की, जिससे आठ सदस्य गंभीर रूप से घायल हो गए हैं।

नीतीश कुमार कैबिनेट में बनाए गए दो मंत्री

निज संवाददाता। बेगूसराय

बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए की हुई प्रचंड जीत ने बेगूसराय से बिहार सरकार में दो विधायकों को मंत्री बनाया गया है। गुरुवार को पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में बछवाड़ा के विधायक सुरेंद्र मेहता और बखरी के विधायक संजय पासवान कुमार उर्फ संजय पासवान ने मंत्री पद की शपथ ली। बछवाड़ा के विधायक सुरेंद्र मेहता को बिहार सरकार में दूसरी बार मंत्री बनाया गया है। वहीं, बखरी (सुरक्षित) से विधायक चुने गए लोजपा (रा.) के संजय कुमार उर्फ संजय पासवान पहली बार मंत्री बने हैं। दोनों के घर में जश्न का माहौल है, समर्थक भी खुशी मना रहे हैं।

सुरेंद्र मेहताः 10वीं से ही छात्र राजनीतिक में उतरेः 11 जुलाई 1959 को किरतौल गांव में पैदा हुए बछवाड़ा विधानसभा क्षेत्र से बीजेपी के विधायक सुरेंद्र मेहता ने 1985 में बीए (इकोनॉमिक्स) किया। लेकिन मैट्रिक से ही लाल झंडा के बैनर तले छात्र राजनीति में आ गए थे। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के छात्र विंग AISF के जिला सेक्रेटरी तथा AIYF प्रदेश सेक्रेटरी रहे। 2001 में तेघड़ा प्रखंड में जिला परिषद क्षेत्र संख्या-17 का चुनाव जीतकर 2005 तक जिला पार्षद रहे। 2005 में सुरेंद्र मेहता ने भाजपा ज्वाइन किया और बरौनी विधानसभा से भाजपा उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़े, लेकिन हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद 2010 के विधानसभा चुनाव में बेगूसराय विधानसभा से भाजपा उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़े और जीत हासिल किए।

2020 में जीते तो पहली बार बिहार सरकार में मंत्री बनेः 2015 विधानसभा चुनाव में बेगूसराय से चुनाव लड़े, लेकिन अमिता भूषण से हार का करना पड़ा सामना। इसके बाद 2020 में भाजपा ने बछवाड़ा विधानसभा क्षेत्र से उम्मीदवार बनाकर चुनाव लड़ाया। जिसमें 484 मतों से विजय हुए, 2024 में बिहार सरकार में खेल मंत्री बनाया गया। इस बार फिर भाजपा ने एनडीए का प्रत्याशी बनाया तो जीतकर विधानसभा पहुंच गए।

संजय पासवानः बीए की डिग्री के बाद राम विलास पासवान के सानिध्य में आएः बेगूसराय से दूसरे मंत्री बने हैं बखरी (सुरक्षित) विधानसभा क्षेत्र से लोजपा (रामविलास) के टिकट पर पहली बार विधायक बने संजय कुमार उर्फ संजय पासवान। संजय का मंत्री बनना सबसे अधिक चर्चा में है। बेगूसराय जिला मुख्यालय के शिवपुरी पोखरिया निवासी गुलाब पासवान के 52 वर्षीय पुत्र संजय कुमार ने 1998 में हिंदी विद्यापीठ देवघर से बीए की डिग्री ली।

जमीन विवाद पर 2 पक्षों में मारपीट

निज संवाददाता। बांका

बांका के रजौन स्थित मालती गांव में गुरुवार को जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच हुई मारपीट में पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इनमें से एक घायल की हालत गंभीर होने पर उसे भागलपुर के मायागंज अस्पताल रेफर किया गया है। अन्य घायलों का इलाज रजौन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चल रहा है। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। मालती गांव निवासी अरविंद पंजियार का 16 साल का बेटा हैप्पी कुमार ने बताया कि गांव के कुछ लोगों ने अचानक गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर उन पर लाठी-डंडों और लोहे की रॉड से हमला किया गया, जिससे उनके सिर में गंभीर चोट आई और शरीर पर भी कई घाव हुए। बीच-बचाव करने आए उनके भाई मोनू कुमार और परिवार के अन्य सदस्यों को भी चोटें आईं। हैप्पी कुमार की गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें मायागंज अस्पताल रेफर कर दिया।

गाली-गलौज के बाद लाठी-डंडों से हमला कर घायल कियाः दूसरे पक्ष के रोशन कुमार और छोटू पंजियार ने भी आरोप लगाया है कि जमीनी विवाद के चलते गांव के कुछ लोगों ने उन्हें गाली-गलौज के बाद लाठी-डंडों से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। दोनों पक्षों के सभी घायलों को उनके परिजनों द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार किया गया। रजौन थाना अध्यक्ष चंद्रदीप कुमार ने बताया कि दोनों पक्षों की ओर से शिकायतें प्राप्त हुई हैं। पुलिस इन शिकायतों के आधार पर मामले की गहनता से जांच कर रही है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

पति को आजीवन सश्रम कारावास और 50 हजार जुर्माने की सजा

निज संवाददाता। अररिया

अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश चतुर्थ रवि कुमार की अदालत ने पत्नी की हत्या के दोषी पति को आजीवन सश्रम कारावास और 50 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई।साथ ही जुर्माने की रकम नहीं अदा करने पर दोषी को छह महीने तक की अतिरिक्त सजा भुगतने का भी आदेश न्यायालय ने अपने निर्णय में दिया । वहीं न्यायालय ने मामले में अन्य दो आरोपियों को बाइज्जत बरी कर दिया।सजा पाने वाला दोषी जोगबनी टिकुलिया बस्ती का रहने वाला 22 वर्षीय कार्तिक साहनी पिता सत्य नारायण साहनी है।मामले में अन्य दो आरोपी ललिता देवी पति सत्य नारायण साहनी और रूबी देवी पति बिरजू साहनी को न्यायालय ने साक्ष्य के आभाव में बरी कर दिया। न्यायालय ने सत्र वाद संख्या 407/2022 में सजा सुनाई,जो जोगबनी थाना कांड संख्या 8/2022 से संबंधित है । मामले के सूचक शत्रुघ्न चौधरी, पिता - उपेंद्र चौधरी, टिकुलिया बस्ती वार्ड संख्या 10, जोगबनी के रहने वाले हैं।उन्होंने अपने फर्द बयान में बताया था कि दिनांक 22 नवंबर 2021 को अपनी पुत्री सरस्वती देवी का विवाह दोषी कार्तिक साहनी के साथ किया था। शादी के आठ दिनों के बाद ही पति ने सूचक को बताया था कि पत्नी बीमार पड़ गई है लेकिन उसे जहर पीला कर मारने की घटना की गई थी। जिसके बारे में स्वयं मृतका ने अपने मायके वालों को दी थी । उसके बाद पुनः सुसराल वालों ने 12 जनवरी 2022 को मृतका सरस्वती देवी को गला दबाकर हत्या कर दिया। हालांकि मामले में इन तीनों अभियुक्तों के अलावा सत्य नारायण साहनी, मनोज साहनी और बिरजू साहनी के विरुद्ध भी प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी, लेकिन पुलिस ने इन तीनो के विरुद्ध अनुसंधान लंबित रखा है। न्यायालय में अभियोजन पक्ष की ओर से कुल छह गवाह की प्रस्तुति हुई। सरकार की ओर से अभियोजन पक्ष के अपर लोक अभियोजक प्रभा कुमारी और बचाव पक्ष की ओर से रविन्द्र विश्वास ने अपनी-अपनी दलीलें न्यायालय के समक्ष रखा।दोनो ही पक्षों को सुनने के बाद न्यायालय ने सजा सुनाई।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

विचार-मंथन

संपादकीय

दुनिया को हैरान कर रहा ? शेख हसीना को फांसी देने वाला ऐलान

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को पिछले साल जुलाई-अगस्त में हुई हिंसा के मामले में दोषी ठहराया गया है और उन्हें फांसी की सजा सुनाई गई है। यह फैसला ढाका के इंटरनैशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल में सुनाया गया, जहां मुकदमा चलाने के तरीके पर सवाल उठ रहे हैं। ऐसा लगता है कि इस सुनवाई का मकसद न्याय दिलाना नहीं, बल्कि बदला लेना था। इस फैसले से बांग्लादेश की राजनीतिक और सामाजिक अस्थिरता और बढ़ने की आशंका है। पूर्व गृह मंत्री असदुज्जमां खान कमाल को भी फांसी की सजा मिली है। इस फैसले पर कई सवाल खड़े हो रहे हैं, खासकर इसलिए क्योंकि आरोपियों को ठीक से अपना पक्ष रखने का मौका नहीं मिला। आरोपपत्र इसी साल जून में दाखिल हुआ था और सिर्फ पांच महीने में इतने गंभीर मामले का फैसला आ गया। शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग का कहना है कि ट्रिब्यूनल में केवल 20 सुनवाई हुईं। यह बहुत कम समय है इतने बड़े मामले को निपटाने के लिए। बांग्लादेश इस समय एक अंतरिम सरकार के अधीन है, जिसका नेतृत्व मोहम्मद यूनुस कर रहे हैं। सेना का समर्थन होने के बावजूद, वे देश में स्थिरता लाने में कामयाब नहीं हो पाए हैं। उनके सत्ता संभालने के बाद से अल्पसंख्यकों पर 2,000 से ज्यादा हमले हुए हैं। कानून-व्यवस्था की हालत इतनी खराब है कि शेख हसीना पर फैसले से पहले ढाका में 'शूट एंड साइट' (देखते ही गोली मारने) का आदेश जारी करना पड़ा। इसके बावजूद, हिंसक घटनाएं रुकी नहीं। ऐसा लगता है कि कट्टरपंथियों के दबाव में इतिहास को नजरअंदाज किया गया और भारत विरोधी रुख अपनाते हुए पाकिस्तान से हाथ मिला लिया गया। मोहम्मद यूनुस ने देश को एक बहुत ही मुश्किल मोड़ पर ला खड़ा किया है। छात्र आंदोलन का सपना था कि देश में लोगों द्वारा चुनी हुई एक मजबूत सरकार बने, लेकिन यह सपना अब तक पूरा नहीं हुआ है। मोहम्मद यूनुस ने अगले साल फरवरी में चुनाव कराने का ऐलान किया है। हालांकि, इस चुनाव की विश्वसनीयता तब तक संदेह के घेरे में रहेगी, जब तक अवामी लीग सहित सभी राजनीतिक दलों को चुनाव में भाग लेने का समान अवसर नहीं मिलता। फिलहाल, अवामी लीग पर प्रतिबंध लगा हुआ है। शेख हसीना को फांसी की सजा का ऐलान बांग्लादेश की मौजूदा बड़ी समस्याओं से ध्यान भटकाने की कोशिश लग रही है। युवाओं में बेचैनी बढ़ रही है। छात्र समूह पहले ही अंतरिम सरकार से अपनी नाराजगी जाहिर कर चुके हैं।

हाई-टेक लूट का नया युग, 'डिजिटल अरेस्ट'

पिछले कुछ समय से साइबर अपराधियों का संजाल जिस तरह लगातार बढ़ता देखा जा रहा है, उसमें डिजिटल हो रही व्यवस्था के सामने एक बड़ी चुनौती खड़ी हो गई है। इससे निपटने के लिए सरकार और जांच एजंसियों के मौजूदा सुरक्षात्मक उपाय बौने साबित हो रहे हैं। साइबर अपराधी ठगी की घटनाओं को अंजाम देने के लिए नए-नए तरीके इजाद कर रहे हैं। 'डिजिटल अरेस्ट' भी इनमें से एक है, जिसके जरिए बड़े पैमाने पर लोगों को धोखाधड़ी का शिकार बनाया जा रहा है।इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि केंद्र सरकार और केंद्रीय जांच जांच ब्यूरो (सीबीआइ) ने ऐसे मामलों में अब तक तीन हजार करोड़ रुपए से अधिक की उगाही किए जाने का अनुमान जताया है। यही कारण है कि अब सर्वोच्च अदालत ने इस तरह के मामलों से सख्ती से निपटने की जरूरत पर बल दिया है। साथ ही कहा कि अगर अदालत से कड़े आदेश पारित नहीं किए गए, तो यह समस्या और भी गंभीर हो सकती है।गौरतलब है कि देश में साइबर अपराधों के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी का आकलन राष्ट्रीय अपराध रेकार्ड ब्यूरो की हाल की एक रपट से किया जा सकता है। इसमें कहा गया है कि वर्ष 2022 में देश भर में साइबर अपराध के 65,983 मामले दर्ज किए गए, जिनकी संख्या 2023 में इकतीस फीसद बढ़कर 86,420 हो गई। साइबर ठगी के ऐसे मामले भी सामने आते रहे हैं, जिनमें पीड़ित लोगों से करोड़ों रुपए ऐंठ लिए गए। ऐसे ही एक मामले में पिछले दिनों हरियाणा के अंबाला की एक बुजुर्ग महिला ने प्रधान न्यायाधीश को पत्र लिखकर कहा कि उन्हें और उनके पति को 'डिजिटल अरेस्ट' कर अपराधियों ने उनसे एक करोड़ रुपए से अधिक की रकम हड़प ली।इसके बाद शीर्ष अदालत ने ऐसे मामलों को लेकर सख्त रुख अपनाया है। सर्वोच्च न्यायालय के इस दखल से उम्मीद है कि सरकार और जांच एजंसियों की ओर से साइबर ठगों पर नकेल कसने के लिए जल्द ठोस एवं कारगर कदम उठाए जाएंगे।

वामपंथी वैचारिकी के करीब होने के साथ ही तेजस्वी उस राहुल गांधी के भी करीब हैं, जिन्हें हर समस्या का समाधान वामपंथी सोच में ही नजर आती है। प्रियंका, कंचना और सारिका जैसी बदमिजाज प्रवक्ताओं को प्रश्रय संजय यादव और रमीज की ही शह पर दिया गया। हर घर में सरकारी नौकरी देने का तेजस्वी के वायदे के पीछे वामपंथी अतिवादी वैचारिकी का ही हाथ रहा, नतीजा सामने है। बिहार की सत्ता छींका की तरह तेजस्वी और राष्ट्रीय जनता दल से दूर हो गई है। पेरियार और फुले की वैचारिकी पर आधारित राष्ट्रीय जनता दल अगर आने वाले दिनों में बिखराव की ओर चल पड़े तो हैरत नहीं होनी चाहिए। पारिवारिक बिखराव तो खैर शुरू हो ही चुका है। लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं।

समाजवाद से दूरी ने कहीं का नहीं छोड़ा

(उमेश चतुर्वेदी)

बिहार में एनडीए की जीत को अपने-अपने नजरिए से देखा और विश्लेषित किया जा रहा है। बिहार में एनडीए की जीत के पीछे किसी को चुनाव आयोग की मिलीभगत दिख रही है तो किसी को सत्ता का दुरूपयोग तो कोई इसे भीतरघात के रूप में देख रहा है। लेकिन किसी ने इस तथ्य पर ध्यान दिया कि बिहार के पूरे प्रचार अभियान में सत्ता के दावेदार विपक्षी गठबंधन ने कितनी बार कर्पूरी ठाकुर का नाम लिया, लोहिया की सप्त क्रांति की बात छोड़िए, कितनी बार जयप्रकाश नारायण की संपूर्ण क्रांति की चर्चा हुई? यह सवाल इसलिए जरूरी और वाजिब लगता है, क्योंकि महागठबंधन की अगुआई जो राष्ट्रीय जनता दल कर रहा है या कर रहा था, घोषित तौर पर लालू प्रसाद यादव उसके प्रमुख हैं। जो नहीं जानते हैं, उनके लिए यह बताना जरूरी है कि लालू यादव जिस आंदोलन की उपज माने जाते हैं, उस जेपी आंदोलन के अगुआ जयप्रकाश नारायण रहे हैं। जयप्रकाश नारायण कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी के संस्थापकों में से थे और लालू यादव के राष्ट्रीय जनता दल घोषित तौर पर समाजवादी विचारधारा वाला दल है। जिस तरह लालू परिवार की सिरफुट्टौवल की बातें चारदीवारी से बाहर आ रही हैं, उससे साबित हो रहा है कि लालू अपनी पार्टी के सिर्फ कहने भर के अध्यक्ष हैं। पार्टी पर उनकी बजाय तेजस्वी यादव की पकड़ कहीं ज्यादा मजबूत है। एक तरह से कह सकते हैं कि तेजस्वी ही इस पार्टी के मालिक हैं। तेजस्वी जिन लोगों से घिरे हुए हैं, उन्हें तपी-तपाई समाजवादी विचारधारा से कुछ लेना-देना नहीं है। पार्टी भले ही घोषित रूप से समाजवादी हो, लेकिन हकीकत में पार्टी पर वामपंथी वैचारिक धारा का कब्जा है। तेजस्वी के करीबी संजय यादव और रमीज का नाम घर से बाहर निकाले गए तेजप्रताप यादव ने कभी खुलकर नहीं लिया, लेकिन घर से बेआबरू होकर निकली लालू यादव की दूसरी बेटी रोहिणी ने दोनों का खुलकर नाम ले लिया है। वैसे बिहार में पहले से ही चर्चा थी कि तेजस्वी को इन्हीं दोनों नामों पर भरोसा है। पता नहीं, इन दोनों ने हाथ तेजस्वी कौन की नस दबी है, लेकिन अब साफ हो गया है कि परिवार की कीमत पर अगर तेजस्वी इन पर भरोसा करते हैं तो तय है कि इसके पीछे कुछ न कुछ गंभीर कारण जरूर हैं। उनकी सियासी प्रतिभा नहीं। अगर उनकी सियासी प्रतिभा होती तो बेशक तेजस्वी आज सरकार बनाने की स्थिति में नहीं होते, लेकिन कम से शर्मनाक हार के किनारे पर उनका दल नहीं पहुंचा होता। जनता दल से अलग राष्ट्रीय जनता दल गठित करते वक्त ही तय हो गया था कि समाजवादी दर्शन की खोल में राष्ट्रीय जनता दल परिवारवाद का परचम लहराने की कोशिश करेगा। उसने लहराया भी, लेकिन उसने गांधी, लोहिया और जयप्रकाश के नाम का मुखौटा धारण किए रखा। 2025 का विधानसभा चुनाव पहला ऐसा चुनाव रहा, जिसमें ना तो टीवी और अखबारी चर्चाओं में इस दल ने लोहिया, जयप्रकाश या कर्पूरी ठाकुर का नाम लिया, ना ही मैदानी चुनावी सभाओं में इस पर फोकस किया गया। राष्ट्रीय जनता दल का टेलीविजन चैनलो पर पक्ष रखने के लिए तीन महिलाएं आगे कर दी गईं। प्रियंका भारती, कंचना यादव और सारिका पासवान को सौम्य और मृदु मृत्युंजय तिवारी और पढ़ाकू बौद्धिक मनोज झा के मुकाबले तवज्जो दी गई। तीनों महिलाएं बहस कम, बदतमीजी ज्यादा करती दिखीं। उन्हें लगा कि दबंग आवाज में अपनी बात रखेंगे तो वह दूर तक सुनी जाएगी। इन्होंने अपने विपक्षी नेताओं को खुलेआम अपशब्द कहे, उन्हें नीचा दिखाने की कोशिश की। आधुनिक टेलीविजन विमर्श के बड़े और गंभीर चेहरे सुधांशु त्रिवेदी से प्रियंका ने जिस तरह की भाषा का इस्तेमाल किया, उसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। कंचना ने तो शुभ्रास्था के साथ सड़क छाप भाषा का इस्तेमाल किया। प्रियंका और कंचना भारतीय शिक्षा व्यवस्था में लालगढ़ के रूप में विख्यात जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय की छात्राएं हैं। यह ठीक है कि जेएनयू पढ़ाई का संस्कार तो देता है, लेकिन उसका संकट यह है कि वह भारतीय समाज को वामपंथी चश्मे से देखने और समझने का जबर्दस्ती संस्कार थोप देता है। इसलिए यहां की वामपंथी राजनीति में पगा-डूबा छात्र समाज की हर समस्या के मूल को रामास्वामी पेरियार और महात्मा फुले के वैचारिक दर्शन के ही सहारे ढूंढ़ता है और उनके ही सुझाए अतिवादी विचारों के जरिए उन्हें सुलझाने की समझ विकसित करता है। प्रियंका और कंचना जेएनयू की उसी परंपरा में पगी-डूबी छात्रा हैं, इसलिए वे बिहार के समाज को भी उसी अंदाज में समझ रही थीं और अपने हिसाब से राष्ट्रीय जनता दल को उसी नजरिए से आगे बढ़ा रही थीं। इसका असर यह हुआ कि जिस बिहार की धरती से भारतीय समाजवाद ने राजनीतिक गलियारों तक की सफल यात्रा की थी, जिसके उत्तराधिकारी खुद लालू यादव भी रहे हैं, उस समाजवाद का सार्वजनिक विमर्श में भूले-भटके भी इस्तेमाल नहीं हुआ। जिस कर्पूरी ठाकुर की राजनीति के उत्तराधिकारी लालू रहे, उनका भी नाम नहीं लिया गया। जेपी और लोहिया की तो बात ही और है। सवाल यह है कि लालू की पार्टी का जो कट्टर समर्थक यादव समुदाय है, क्या वह सचमुच पेरियारवादी है, वह फुले के वैचारिक दर्शन को मानता है। पेरियार और फुले जिस ब्राह्मणवाद की कटु आलोचना करते हैं, राजनीति को छोड़ दें तो यादव समाज भी वास्तविक जीवन में उतना ही ब्राह्मणवादी है। वह भी हिंदू है और कई बार तो कथित सवर्ण समाज से भी कहीं ज्यादा हिंदू है। वह भी उसी तरह पूजा-पाठ करता है, उसी तरह धार्मिक है, उसी तरह पारिवारिक संस्कार करता है, जैसा बाकी कथित ब्राह्मणवादी व्यवस्था वाले लोग करते हैं। ऐसे में सवाल यह है कि क्या राम मंदिर की आलोचना करना, छठ पूजा पर सवाल उठाना क्या आम यादव समुदाय को स्वीकार्य हो पाया होगा? वैसे राबड़ी देवी ने छठ पूजा छोड़ दी है। लेकिन उनकी छठ पूजा भी कभी बिहार के मीडिया माध्यमों के लिए बड़ी खबर बनी रहती थी। तेजप्रताप को राजद के इस विचलन का पता था, शायद यही वजह है कि उन्होंने अपने एक इंटरव्यू में अपील कर दी थी कि अब तेजस्वी जी की पत्नी को छठ पूजा का व्रत शुरू कर देना चाहिए। क्योंकि बिहार में सास से बहू छठ पूजा का उत्तराधिकार हासिल करती है। बहरहाल चुनाव नतीजों ने तो बता दिया कि बिहार में विपक्षी गठबंधन जिसे ब्राह्मणवादी व्यवस्था से दूर करने की कोशिश कर रहा था या दूर मान रहा था, वह भी दरअसल उसकी सोच के दूसरे बिंदु पर खड़ा है। सवाल यह है कि आखिर राष्ट्रीय जनता दल से समाजवाद की विदाई क्यों हुई? इस सवाल का जवाब तलाशना कोई राकेट साइंस नहीं है।

एसआईआर के अतिरिक्त काम को 'बोझ' नहीं देश के लिए 'योगदान' देने का अवसर समझें बीएलओ

(नीरज कुमार दुबे)

भारत में मतदाता सूची का शुद्धिकरण मात्र एक प्रशासनिक कार्य नहीं, बल्कि लोकतंत्र की गुणवत्ता और उसकी विश्वसनीयता को मजबूत करने वाला राष्ट्रहित का अभियान है। विशेष गहन पुनरीक्षण का उद्देश्य है कि हर योग्य मतदाता को मतदान अधिकार मिले और फर्जी या निष्क्रिय नाम हटाए जाएँ। लेकिन हाल के दिनों में केरल, तमिलनाडु और राजस्थान से आई आत्महत्या और विरोध से जुड़ी खबरों ने इस महत्वपूर्ण अभियान के प्रति नकारात्मक वातावरण बना दिया है। सवाल यह नहीं कि काम का दबाव था या नहीं, बल्कि यह कि क्या समस्याओं का समाधान संवाद, शिकायत और सहयोग से होना चाहिए या आत्महत्या जैसे कठोर कदमों से? केरल में बीएलओ अनीश जॉर्ज और राजस्थान में बीएलओ मुकेश जांगिड की आत्महत्या ने भावनात्मक माहौल तो बना दिया, लेकिन इससे एसआईआर के खिलाफ अनावश्यक नकारात्मकता भी फैलने लगी है। निश्चित रूप से यदि किसी कर्मचारी पर अनुचित दबाव या प्रशासनिक अव्यवस्था हो तो संबंधित विभाग, वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारी संगठनों के माध्यम से उसकी शिकायत की जानी चाहिए। प्रशासनिक व्यवस्थाएं संवाद के लिए बनी हैं, संघर्ष या आत्मसमर्पण के लिए नहीं। देखा जाये तो दुःखद घटनाओं को तर्कहीन विरोध का आधार बनाना उस लोकतांत्रिक व्यवस्था की अनदेखी है जो प्रत्येक कर्मचारी को अपनी बात रखने का मंच देती है। आत्महत्या न तो समाधान है और न ही संदेश– यह केवल व्यक्तिगत, पारिवारिक और संस्थागत पीड़ा का स्रोत बनती है। यह सत्य है कि बीएलओ के ऊपर कई जिम्मेदारियाँ होती हैं– स्कूल का कार्य, राजस्व विभाग का दायित्व, पंचायत या नगरपालिका की गतिविधियाँ और साथ ही मतदाता सूची पुनरीक्षण। लेकिन यह भी उतना ही सत्य है कि हर महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य में कुछ अतिरिक्त प्रयास की अपेक्षा स्वाभाविक है। एसआईआर एक साधारण प्रक्रिया नहीं, बल्कि राष्ट्र के लोकतंत्र की बुनियाद को मजबूत करने का अभियान है। यह सुनिश्चित करता है कि कोई पात्र नागरिक मतदान से वंचित न रहे और कोई फर्जी नाम लोकतंत्र की शुचिता को प्रभावित न करे। ऐसे में यदि किसी कर्मचारी के हिस्से में थोड़ा अतिरिक्त श्रम आता है, तो इसे राष्ट्रहित में श्रमदान की तरह स्वीकार करना चाहिए। अगर बीएलओ अपना दायित्व सकारात्मक सोच के साथ निभाएं, तो यह बोझ नहीं, बल्कि गौरव की भूमिका बन सकती है-एक ऐसी भूमिका जो चुनाव की विश्वसनीयता का आधार तैयार करती है। तमिलनाडु में कुछ कर्मचारी संगठनों ने एसआईआर अभियान के बहिष्कार की घोषणा की है, मगर ज़रूरत इस बात की है कि बहिष्कार या नकारात्मक माहौल बनाने की बजाय, प्रक्रियाओं को सरल बनाने, समयसीमा को व्यावहारिक बनाने और डिजिटल प्रशिक्षण देने जैसे रचनात्मक सुझाव दिए जाएँ। यदि रात में बैठकें करना समस्या हैं।

सुडोकू पहेली क्रमांक-5919

	7			3			1	
1	3	9		8	2		6	
6							8	
7		2						1
			9		4			
8						9		6
	8							5
	5		1	4		2	9	7
	1			9			3	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5918

6	1	3	7	5	9	8	2	4
4	8	9	2	1	6	3	7	5
5	2	7	8	3	4	6	1	9
9	6	5	1	7	8	4	3	2
3	7	8	5	4	2	9	6	1
1	4	2	6	9	3	7	5	8
2	5	4	9	6	7	1	8	3
7	9	1	3	8	5	2	4	6
8	3	6	4	2	1	5	9	7

आज का राशिफल

मेष

आज कार्यक्षेत्र में परिवर्तन और बदलाव देखने को मिल सकता है। हालांकि आप इन छोटी-छोटी परेशानियों से घबराएंगे नहीं। हालांकि, आज सरकार अथवा व्यवस्था की तरफ से कुछ परेशानियां आपके दरवाजे पर दस्तक दे सकती हैं। किसी प्रकार के कानूनी विवाद में फंसने के आसार दिख रहे हैं। इस दौरान कुछ ऐसे बदलाव हो सकते हैं।

वृष

आज के दिन कुछ आर्थिक लाभ मिलने की संभावना है। आज के दिन नौकरी और व्यवसाय से जुड़े कुछ मुद्दे हल होंगे। किसी भी कार्य को छोटा समझकर छोड़ देना आपके लिए नुकसान का कारण बन सकता है। कोई भी व्यवसाय छोटा बड़ा नहीं होता, एक बार आपको ये अनुभव हो जाए तो दुनिया आपकी मुट्ठी में ही समझिए।

कर्क

आज मन किसी संत, गुरु के विचारों से प्रभावित हो सकता है। किसी काम के बिगड़ने पर भी आप शांत और गंभीर बने रहते हैं। ग्रहों का शुभ संचार इस समय आपके भीतर संयम और शांति लेकर आएगा। इस दौरान आपको जीवन की चुनौतियों को गहराई से समझने का मौका मिलेगा। रात्रि का समय मित्रों और परिवार के लोगों के साथ बीतेगा।

सिंह

आज लक्ष्य के करीब पहुंचने के बावजूद खुद को पीछे महसूस कर सकते हैं। ऐसा लगेगा कि थोड़ा और प्रयास बाकी है। लेकिन इस समय आपको खुद को मजबूत रखना होगा। अगर आप अभी हौसला खो देंगे, तो मेहनत का फल हाथ से निकल सकता है। जिसमें आपकी हिम्मत जवाब दे जाए। ऐसे में पलायन करना आपके लिए हानि का कारण बनेगा।

मिथुन

आज अंदर दूसरों के सहारे फायदा उठाने की प्रवृत्ति परेशानी का कारण बन सकती है। यह तरीका ज्यादा दिनों तक आपके काम नहीं आएगा। अब समय आ गया है कि आप खुद भी परिश्रम करें। जीवन में स्थायी सफलता तभी मिलेगा जब आप अपने कार्यों की ज़िम्मेदारी लें।

कन्या

आज जातक समाजसेवा के कार्यों में लगे रहेंगे। इस क्षेत्र में आपको दिन दूनी और रात चौगुनी उन्नति मिलेगी। किसी संगठन के साथ जुड़ना आपके लिए फायदेमंद साबित होगा। इस दौरान आपको ऐसे कई मौके मिल सकते हैं, जिससे भविष्य में आपको लाभ होगा।

तुला

आज की दिन आर्थिक दृष्टि का लिहाज से सकारात्मक रहने वाला है। आज के दिन किए हुए आपके प्रयासों में सफलता मिलेगी। इससे आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। अपने अधीनस्थ सहयोगियों के प्रति आपका व्यवहार उदारता पूर्ण रहेगा। उनकी गलतियों को भी आप माफ करने करने में पीछे नहीं हटेंगे।

वृश्चिक

आज अपने कार्यक्षेत्र में दूसरों पर निर्भर परेशानी में डाल सकता है। ऐसे में अब समय अपने फैसले खुद लेने का है। समय पर शुरू किए कार्य आपके लिए फायदे का सौदा रहेगा। ऐसा करने से आपके काम में गति आएगी और आप अपने लक्ष्यों को पूरा करने में सफल रहेंगे। इससे आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

मकर

आज लंबे समय के बाद कोई अच्छी खबर सुनने को मिलेगी। किसी जरूरी काम के बन जाने से लाभ के अवसर मिलेंगे। दिन के अंत तक रुका हुआ धन भी मिलने की पूरी संभावना है। इससे आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। कुछ लोग आपकी इस बात का फायदा उठा सकते हैं। हालांकि किसी कानूनी मामले में आप पूरी तैयारी और ठोस योजना के साथ आगे बढ़ते हैं।

कुंभ

आज का दिन आपके लिए थोड़ा उलझनों भरा हो सकता है। कार्यक्षेत्र में काम का दबाव देखने को मिलेगा। ऐसे में वाहन में किसी प्रकार की खराबी के संकेत दिख रहे हैं। ऐसे समय में आपकी बुद्धिमत्ता और धैर्य ही आपको इन मुश्किलों से निकालेंगे। इस दौरान आपको ऐसे कई मौके मिल सकते हैं, जिससे भविष्य में आपको लाभ होगा।

धनु

आज अपने मित्रों और प्रियजनों का ख्याल रखने से पीछे नहीं हटते हैं। उनको लेकर कुछ अधिक ही चिंतित रहते है। यही नहीं अपने काम को छोड़कर भी आप दूसरों के साथ उनके फालतू समय में शरीक होकर अपना कीमती समय बरबाद कर लेते हैं। ऐसा करना आपके लिए आर्थिक नुकसान का कारण बन सकता है। आज के दिन आपको अपने बारे में अधिक सोचना होगा।

मीन

आज के दिन दिल से जुड़े मामले सामने आ सकते हैं। आपकी उदारता कई बार आपके लिए चुनौती भी बन सकती है। कुछ लोग आपकी इस बात का फायदा उठा सकते हैं। हालांकि किसी कानूनी मामले में आप पूरी तैयारी और ठोस योजना के साथ आगे बढ़ते हैं। आपकी रणनीति आपको मुश्किल हालात में भी सही निर्णय लेने की ताकत देगी।

वर्ग पहेली 5919

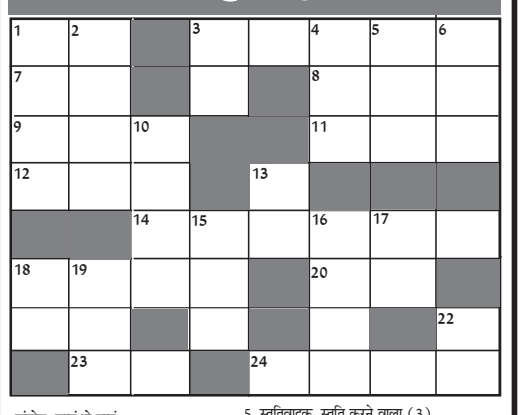

संकेत: बाएं से दाएं
1. 25 मार्च 1924 को इस देश ने अपने गणतंत्र बनने की घोषणा की (2)
3. घोड़ों की सवारी करने वाला पहला व्यक्ति यहां का था और घोड़ों को पालतू बनाने की प्रक्रिया भी यहीं से शुरू हुई थी (5)
7. जल प्राप्त का कृत्रिम स्त्रोत (2)
8. हिंदी माह श्रावण का अपभ्रंश (3)
9. हिंदी साहित्य में अर्थालंकार का भेद, रूप से युक्त (3)
11. नगद का अपभ्रंश (3)
12. रूठे हुए को प्रसन्न करना (3)
14. बात का सही अर्थ न समझने का भाव, बात समझने में धोखा खा जाना (6)
18. पुराणानुसार सात पातालों में से एक पाताल का नाम, यह प्रहलाद का निवास स्थान भी कहा गया है (4)
20. निर्निमेष दृष्टि (2)
21. सिलवट, शिकन, सिकुड़न (2)
23. नेत्र, आंख, नयन (2)
24. दादा का पिता, प्रतिमाह (4)

ऊपर से नीचे
1. प्रसाधन कक्ष को यह भी कहते है (4)
2. विलाप करना, दुख उठाना (4)
3. कोई धार्मिक व्याख्यान या प्रसंग (2)
4. कृषक, खेतिहर (3)
5. स्तुतिवादक, स्तुति करने वाला (3)
6. जो रिश्तें में पति की बहन हो (3)
10. श्राद्धपक्ष, पितृपक्ष, जब सूर्य कन्या राशि में हो (4)
13. पुत्र, बेटा (2)
15. प्रबल अभिलाषा, गहरी चाह (3)
16. झिड़की, डांट, दुत्कार (4)
17. अधिकार, स्वामित्व (2)
18. उस अवस्था में, विशिष्ट परिस्थिति में (2)
19. लोभ, किसी चीज को पाने की अनुचित इच्छा (3)
22. पुरानी फिल्मों की नायिका जिनका निधन 25 मार्च 2014 को हुआ था (2)

वर्ग पहेली 5918 का हल

इ	ज	रा	इ	ल		नौ	रू
ज	ल	ज		ग	म	क	ना
हा		द	म	न	का	री	
र	ग		घा		न		सि
	री	वा		अ	दा	ल	त
रो	ब		शु	मा	र		म
श		वा	स्त	व		भो	ग
न	र्म	दा		स्या	म		र

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, (डी वी कार्पो. लि.) उड़ान टोला, दानापुर कैंट, शिवाला रोड, खगौल, पटना में मुद्रित एवं सोन वर्षा वाणी कार्यालय, जय हिन्द कॉलोनी नाला पर, आरा, जिला भोजपुर (बिहार) से प्रकाशित संपादक- श्रीराम अम्बष्ट, स्थानीय संपादक- साकेत अम्बष्ट, -9934957121, 7766886433, E-mail : svvaara@gmail.com, RNI-BIHHIN/2017/72765

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

झारखंड में नगर निकाय चुनाव की तैयारी तेज, चाईबासा व चक्रधरपुर में जारी हुआ वार्डवार पिछड़ा वर्ग का आंकड़ा

चाईबासा, एजेंसी। झारखंड में नगर निकाय चुनावों को लेकर तैयारियां तेज हो चुकी हैं। राज्य सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश और नगर विकास एवं आवास विभाग की पूर्व अधिसूचना के आधार पर नगरपालिकाओं में पिछड़ा वर्ग- अत्यंत पिछड़ा वर्ग-ढ्ढ एवं पिछड़ा वर्ग-ढ्ढढ्ढ- की जनसंख्या का विस्तृत निकायवार और वार्डवार आंकड़ा जारी कर दिया है। यह डेटा विशेष तौर पर आरक्षण निर्धारण के लिए उपयोग किया जाएगा। जारी अधिसूचना के मुताबिक चाईबासा नगर परिषद के 21 वार्डों में अत्यंत पिछड़ा वर्ग-ढ्ढ के 18,242 और पिछड़ा वर्ग-ढ्ढढ्ढ की 5,262 आबादी हैं। इसी प्रकार चक्रधरपुर नगर परिषद में 23 वार्डों में अत्यंत पिछड़ा वर्ग-ढ्ढ के 21013 और पिछड़ा वर्ग-ढ्ढढ्ढ के 3219 जनसंख्या है। विभाग ने साफ किया है कि ये आंकड़े केवल नगर निकाय चुनाव हेतु मान्य होंगे और इन्हीं को आधार बनाकर आरक्षण तय किया जाएगा। अब सभी की निगाहें राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से जारी किए जाने वाले आरक्षण रोस्टर पर टिकी हैं। रोस्टर घोषित होते ही यह स्पष्ट हो जाएगा कि किस वार्ड को किस श्रेणी के लिए आरक्षित किया गया है, जिसके बाद चुनाव की औपचारिक घोषणा होने की संभावना है।

हेमंत सरकार का बड़ा फैसला, अगले वित्तीय वर्ष से सहिया को मिलेगी 5500 रुपये प्रोत्साहन राशि

रांची, एजेंसी। राज्य में राष्ट्रीय स्वास्थ्य अभियान के तहत कार्यरत सहिया को अप्रैल 2026 से प्रोत्साहन राशि के रूप में एकमुश्त साढ़े पांच हजार रुपये प्रतिमाह मिलेंगे। इनके अलावा लाभुकों को विभिन्न कार्यक्रमों का लाभ पहुंचाने के बदले में निर्धारित राशि भी मिलेगी। वर्तमान में सहिया को राष्ट्रीय स्वास्थ्य अभियान से दो हजार रुपये के अलावा झारखंड स्वास्थ्य प्रहरी योजना के तहत राज्य सरकार की ओर से दो हजार रुपये अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि के रूप में दिए जाते हैं। इस प्रकार अभी चार हजार रुपये प्रतिमाह प्रोत्साहन राशि सहिया को मिलती है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य अभियान के तहत मिलने वाली राशि में डेढ़ हजार रुपये की वृद्धि होगी, जिसके तहत अब इस मद से साढ़े तीन हजार रुपये मिलेंगे। इनमें केंद्रांश व राज्यांश की राशि अलग-अलग सम्मिलित हैं। राज्य सरकार द्वारा दी जानेवाली अतिरिक्त दो हजार रुपये की राशि जोड़ने पर मिलनेवाली कुल राशि साढ़े पांच हजार रुपये हो जाएगी। इधर, स्वास्थ्य विभाग ने झारखंड स्वास्थ्य प्रहरी योजना के तहत सहिया, सहिया साथी तथा प्रखंड प्रशिक्षक दल को राज्य बजट से मिलने वाली अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि मद में 108 करोड़ 34 लाख 65 हजार रुपये की स्वीकृति प्रदान कर दी है। यह राशि चालू वित्तीय वर्ष के लिए है। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने कहा है कि सहिया बहनें राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था की रीढ़ है। राज्य सरकार उनकी जवाबदेही और कार्यों को देखते हुए अतिरिक्त राशि की स्वीकृति प्रदान कर दी है। उन्हें मजबूत, सक्षम और संसाधनयुक्त बनाना मेरा दायित्व है, ताकि वे और अधिक प्रभावी ढंग से जनता की सेवा कर सकें। उन्होंने सहिया से हर मरीज के बेहतर और समय पर इलाज में सक्रिय सहयोग करने की अपील भी की।

चार साल से अधिक समय से लोकायुक्त का पद रिक्त, हाई कोर्ट में आज फिर सुनवाई

रांची, एजेंसी। झारखंड के लोकायुक्त, सूचना आयुक्त सहित सभी संवैधानिक पदों को भरने को लेकर दाखिल याचिका पर झारखंड उच्च न्यायालय में गुरुवार को सुनवाई होगी। तत्कालीन लोकायुक्त जस्टिस डीएन उपाध्याय के 29 जून 2021 को कोरोना से निधन के बाद से ही यह पद रिक्त पड़ा है। भ्रष्टाचार के विरुद्ध जांच व कार्रवाई करने वाली राज्य की इस सशक्त संस्था में चार साल से अधिक समय से लोकायुक्त नहीं हैं। इसके चलते लोकायुक्त कार्यालय की एक फाइल चार साल से अब तक नहीं हिली-डुली है। धूल फांक रही फाइलों में 3200 से अधिक शिकायतें दबी हैं, जो नए लोकायुक्त के आने के बाद ही खुलेंगी और जांच कार्रवाई आदि के लिए आगे बढ़ेंगी। लोकायुक्त के नहीं होने से उनके कार्यालय के कर्मी व पदाधिकारी हर दिन ड्यूटी तो आते हैं लेकिन बिना किसी कार्य किए शाम को वापस घर चले जाते हैं। पूरी व्यवस्था ठप पड़ी है। सेना के उपयोग वाली जमीन की फर्जी कागजात पर खरीद-बिक्री का मामला सबसे पहले लोकायुक्त के यहां आया था। इसे तत्कालीन लोकायुक्त ने पकड़ा व तत्कालीन रांची के आयुक्त से जांच कराई, जिसमें फर्जीवाड़ा उजागर हुआ था। लोकायुक्त ने जिस घोटाले को पकड़ा। बाद में ईडी ने उक्त केस की मनी लांड्रिंग के तहत जांच की और सनसनीखेज खुलासा किया। फर्जी दस्तावेज पर उक्त जमीन की खरीद-बिक्री का मामला उजागर हुआ। जमीन घोटाला केस में अलग-अलग जमीन के कागजात में फर्जीवाड़ा का लिंक मिलता गया। ईडी ने इस केस में आइएएस अधिकारी सहित दर्जनभर से अधिक आरोपितों को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। मामला पीएमएलए कोर्ट में लंबित है।

मौसम अगले पांच दिनों में हल्का कोहरा आंशिक बादल, कुछ जगहों पर हल्की बारिश

रांची, एजेंसी। झारखंड में मौसम एक बार फिर करवट लेने वाला है। मौसम विज्ञान केंद्र रांची द्वारा जारी बुलेटिन के अनुसार 25 नवंबर के आसपास तक राज्य के कई जिलों में हल्का कोहरा, आंशिक बादल और कुछ जगहों पर हल्की बारिश देखने को मिल सकती है। इसके साथ ही रात के तापमान में 2डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट की संभावना जताई गई है। विभाग ने साफ किया है कि इस अवधि में अधिकांश दिनों में मौसम शुष्क रहेगा, लेकिन उत्तर-पूर्वी और दक्षिण-पूर्वी हिस्सों में बादल छाने और हल्की गर्जना की स्थिति बन सकती है।

अगले दो दिन शुष्क रहेगा मौसम : झारखंड के सभी हिस्सों में अगले दो दिन मौसम शुष्क रहने का अनुमान है। सुबह हल्का कोहरा छाने के बाद आसमान मुख्य रूप से साफ रहेगा। इन दोनों दिनों में किसी भी जिले में बारिश की संभावना नहीं है। अधिकतम तापमान 27-28डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 13-14डिग्री सेल्सियस के आसपास बना रह सकता है। 22 और 23 नवंबर को राज्य के पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला-खरसावां, पाकुड़ और साहिबगंज समेत कई जिलों में आंशिक बादल छाने और कहीं-कहीं हल्की गर्जना के साथ बूंदाबांदी की संभावना है। मौसम विभाग ने बताया कि बादल बढ़ने से रात के तापमान में और गिरावट दर्ज हो सकती है। न्यूनतम तापमान 12डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने के आसार हैं। वहीं, हवा की गति भी सामान्य से थोड़ी अधिक रह सकती है।

24-25 नवंबर को होगा ठंड में इजाफा : 24

और 25 नवंबर को मौसम फिर से शुष्क होने का अनुमान है। सुबह हल्का कोहरा छाएगा और दिन चढ़ने के साथ धूप निकलेगी। रात के तापमान में गिरावट जारी रहेगी और यह 12डिग्री सेल्सियस तक आने की संभावना है।

इस अवधि में दिन का तापमान 27डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की उम्मीद है। मौसम केंद्र का कहना है कि आगामी दो दिनों में सुबह और रात की ठंड और बढ़ सकती है। उत्तर और मध्य झारखंड में सुबह के समय हल्की शीतलहर जैसी स्थिति भी बन सकती है।

तापमान में उतार-चढ़ाव रहेगा जारी : मौसम विज्ञान केंद्र रांची ने झारखंड के सभी जिलों के लिए पांच दिनों का तापमान पूर्वानुमान जारी किया है। रिपोर्ट के मुताबिक 19 से 23 नवंबर के बीच अधिकतम और न्यूनतम तापमान में हल्का उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। हालांकि, अधिकतर जिलों में दिन का तापमान सामान्य से थोड़ा अधिक बना रहेगा, जबकि रात में ठंड बढ़ने के संकेत हैं।

देवघर, दुमका, गोड्डा, पाकुड़ और साहिबगंज जैसे जिलों में अधिकतम तापमान 30 से 32 डिग्री तक रहने की संभावना है। वहीं, न्यूनतम तापमान 14 से 19 डिग्री के बीच दर्ज होगा। दुमका और जामताड़ा जैसे क्षेत्रों में रात का तापमान 13-14 डिग्री तक गिरने के संकेत हैं।

12 डिग्री तक रहेगा चार जिलों का पारा : चतरा, कोडरमा, लातेहार, लोहरदगा और गढ़वा जैसे जिलों में न्यूनतम तापमान 12 डिग्री तक दर्ज किया जा सकता है। इन जिलों में दिन का तापमान 27 से 31 डिग्री तक रहेगा। पलामू में अधिकतम पारा 32 डिग्री तक पहुंचने की संभावना है।

राजधानी रांची में 19 से 23 नवंबर के बीच अधिकतम तापमान 26 से 28 डिग्री के बीच रहेगा, जबकि न्यूनतम तापमान 12-14 डिग्री के आसपास रहने का अनुमान है। हजारीबाग, बोकारो और रामगढ़ में भी न्यूनतम तापमान 13 से 15 डिग्री तक दर्ज होने की संभावना है। पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम और सिमडेगा में अधिकतम तापमान 29 से 31 डिग्री के बीच रहने का अनुमान है, जबकि न्यूनतम तापमान 12 से 15 डिग्री तक रहेगा।

चैनपुर अंचल का बड़ा बाबू 5500 रुपए रिश्वत लेते गिरफ्तार

पलामू, एजेंसी। पलामू में भ्रष्टाचार के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई करते हुए एसीबी ने गुरुवार को चैनपुर अंचल कार्यालय के बड़ा बाबू विनोद कुमार को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। सुबह कार्यालय खुलने के कुछ देर बाद ही एसीबी की विशेष टीम ने यह छापा मारा, जिससे पूरे अंचल कार्यालय परिसर में अफरातफरी की स्थिति बन गई। अधिकारियों के अनुसार, बड़ी बाबू विनोद कुमार दस्तावेज की नकल निकालने के नाम पर 5500 रुपए की अवैध वसूली कर रहे थे।

शिकायत के बाद सत्यापन, फिर ट्रैप ऑपरेशन : एसीबी को एक व्यक्ति ने शिकायत दी थी कि बड़ा बाबू दस्तावेज उपलब्ध कराने के एवज में रिश्वत मांग रहे हैं। टीम ने पहले शिकायत की जांच की और पाया कि आरोप सही हैं। सत्यापन के बाद टीम ने योजनाबद्ध तरीके से ट्रैप ऑपरेशन तैयार किया। गुरुवार को जैसे ही आरोपी ने शिकायतकर्ता से 5500 रुपए लिए, एसीबी टीम ने मौके पर पहुंचकर उन्हें वहीं दबोच लिया। गिरफ्तारी के बाद कार्यालय के कर्मचारियों में भी खलबली मच गई और लोग घटना को लेकर चर्चा करते रहे।

कार्यालय और आवास दोनों जगह छापेमारी : गिरफ्तारी के तुरंत बाद एसीबी टीम ने चैनपुर अंचल कार्यालय में तलाशी अभियान चलाकर कई संबंधित दस्तावेज जब्त किए। अधिकारियों का कहना है कि रिश्वत से जुड़े अन्य साक्ष्यों की भी जांच की जा रही है। इसके बाद आरोपी विनोद कुमार को उनके सिंगरा स्थित आवास पर ले जाया गया, जहां टीम ने विस्तृत तलाशी ली। घर से मिले कागजात और सामान को भी जांच के दायरे में रखा गया है।

प्रभारी डीजीपी तदाशा मिश्रा पहुंचीं चाईबासा:नक्सल अभियान की चुनौतियों पर की उच्चस्तरीय समीक्षा

चाईबासा, एजेंसी। झारखंड की प्रभारी डीजीपी तदाशा मिश्रा बुधवार को चाईबासा दौरे पर पहुंचीं। उन्होंने यहां नक्सलियों के खिलाफ जारी अभियान की उच्चस्तरीय समीक्षा की। टाटा कॉलेज मैदान स्थित हेलीपैड पर कोल्हान रेंज के डीआईजी अनुरंजन किस्पोट्टा, उपायुक्त चंदन कुमार, एसपी अमित रेणु सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने उनका स्वागत किया, जिसके बाद उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।

हेलीपैड से डीजीपी मिश्रा सीधे जिला समाहरणालय स्थित पुलिस कार्यालय सभागार पहुंचीं। इस बैठक में जिले में चल रहे सर्च ऑपरेशन, जंगल क्षेत्र में अभियान के दौरान आने वाली चुनौतियों, सुरक्षा बलों की तैनाती, समन्वय और संसाधन संबंधी मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। डीजीपी ने कहा कि नक्सलियों के खिलाफ अभियान की वास्तविक कठिनाई इसके जमीनी कार्यान्वयन में होती है। उन्होंने ऐसे अभियानों में पुलिस के साथ वन विभाग और सिविल प्रशासन के सहयोग को बेहद महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि इन्हीं सभी बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई है।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले समय में स्थिति बेहतर होगी और अभियान अधिक प्रभावी ढंग से आगे बढ़ेगा। डीजीपी ने कहा कि नक्सल उन्मूलन में ठोस प्रगति के लिए सुरक्षा बलों की तैनाती, प्रबंधन और समन्वय को मजबूत करने की दिशा में आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। अपने नए दायित्व के बारे में पूछे जाने पर डीजीपी मिश्रा ने टीमवर्क में विश्वास व्यक्त किया। उन्होंने सीआरपीएफ, कोबरा और राज्य पुलिस के अनुभवी अधिकारियों व जवानों को अपनी बड़ी ताकत बताया।

गिरिडीह के पोबी में भीषण सड़क हादसा:तेज रफ्तार बाइक पोल से टकराई, दो युवकों की दर्दनाक मौत

गिरिडीह, एजेंसी। गिरिडीह जिले के जमुआ प्रखंड स्थित पोबी गांव में बुधवार की देर रात हुए भयावह सड़क हादसे में रोहित तुरी (22) और चंदन तुरी (22) की जान चली गई। उनकी बाइक बेकाबू होकर बिजली के खंभे से टकरा गई थी। जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय लोगों के अनुसार दोनों युवक किसी निजी काम से शाम को जमुआ गए थे।

देर रात लौटते समय पोबी मोड़ से करीब 100 मीटर पहले अचानक बाइक नियंत्रण खो बैठी। तेज रफ्तार में बिजली के पोल से सीधी टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए। वहीं युवक दूर जाकर गिरे। घटना की आवाज सुनकर ग्रामीण दौड़े, लेकिन तब तक दोनों की सांसें थम चुकी थीं।

गिरिडीह में आज पोस्टमॉर्टम

हादसे की सूचना मिलते ही जमुआ थाना प्रभारी मणिकांत कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। दोनों शवों को कब्जे में लेकर रात में ही थाना ले जाया गया। पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक जांच में हादसे का कारण तेज रफ्तार ही पाया गया है। बाइक इतनी तेजी से पोल से टकराई कि किसी

तरह की बचने की संभावना नहीं बची।

आज सुबह गिरिडीह सदर अस्पताल में पोस्टमॉर्टम की गई। इधर, बाइक की स्थिति देखकर यह अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं था कि टक्कर कितनी भयावह रही होगी। आसपास मिले टायर के निशान भी इस बात की पुष्टि करते हैं कि बाइक बेकाबू होकर फिसलते हुए पोल से जा भिड़ी।

गांव में पसरा मातम, परिवारों पर टूटा संकट

घटना की खबर फैलते ही पोबी गांव में कोहराम मच गया। दोनों युवक परिवारों के अंतिम कमाने वाले सदस्य थे, जिनकी मेहनत-मजदूरी से घर चलता था। उनके अचानक चले जाने से परिजनों पर दुख का पहाड़ टूट पड़ा। गांव में सुबह से ही लोगों का हुजूम मृतकों के घरों पर उमड़ पड़ा।

ग्रामीणों ने हादसे के बाद सड़क सुरक्षा को लेकर सवाल उठाए। लोगों का कहना है कि क्षेत्र में पर्याप्त स्ट्रीट लाइट और चेतावनी संकेतक नहीं हैं, जिसके कारण रात में वाहन चलाना जोखिम भरा होता है।

घर से 10 लाख रुपए के आभूषण की चोरी:चोरों ने चाबी से खोला अलमारी और निकाले गहने

चतरा, एजेंसी। चतरा जिले के प्रतापपुर थाना क्षेत्र के चंद्री कला गांव में एक सूने घर से लगभग 10 लाख रुपए के आभूषणों की चोरी हो गई है। यह घटना मंगलवार रात को उस समय हुई, जब गृहस्वामी कलीमुद्दीन खान का परिवार चतरा स्थित अपने दूसरे घर पर था। कलीमुद्दीन खान ने बताया कि चोरी की वारदात आधी रात 12 बजे के बाद अंजाम दी गई। उन्होंने प्रतापपुर पुलिस को घटना की सूचना दी और थाने में आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है।

घर के अंदर की गली से प्रवेश कर अंदर का ताला तोड़ा

प्रतापपुर थाने के एएसआई श्री राम ने मौके पर पहुंचकर जांच की। शुरुआती जांच में कुछ ऐसे तथ्य सामने आए हैं, जो संदेह पैदा कर रहे हैं। एएसआई के अनुसार, चोर मुख्य सड़क की ओर वाले दरवाजे से नहीं घुसे, बल्कि घर के अंदर की गली से प्रवेश कर अंदर का ताला तोड़ा। सबसे हैरान करने वाला तथ्य यह है कि चोरों ने गोदरेज का ताला तोड़ने की बजाय उसकी चाबी ढूंढ़कर अलमारी खोली और आभूषण चुराए। पुलिस का मानना है कि यह मामला सवालों के घेरे में है। क्योंकि चोरों को गोदरेज की चाबी के स्थान की

जानकारी कैसे मिली, यह रहस्य बना हुआ है।

पुलिस मामले के हर पहलू की गहनता से जांच कर रही

इस संबंध में प्रतापपुर थाना प्रभारी आलोक रंजन चौधरी ने बताया कि पुलिस मामले के हर पहलू की गहनता से जांच कर रही है। चोरों के प्रवेश का तरीका और गोदरेज को चाबी से खोलने का रहस्य पुलिस की तफ्तीश का मुख्य केंद्र है। पुलिस जल्द ही इस चोरी के रहस्य से पर्दा उठाने का दावा कर रही है।

बालू ढुलाई के लिए जंगल व पहाड़ों में बनाए खुफिया रास्ता

गढ़वा, एजेंसी। धुरकी प्रखंड क्षेत्र के कनहर तटीय इलाकों में अवैध बालू खनन लगातार बेकाबू होता जा रहा है। भंडार पंचायत के कदवा उर्फ लिखनीधौरा बालू घाट, अंबाखोरया पंचायत के माचपानी के झबरी कहुआ एवं प्रतिबंधित बालचौरा बालू घाट पर जेसीबी से खनन और हाइवा-टीपर से परिवहन की खबरें प्रकाशित होने के बाद भी अवैध गतिविधियों में कमी नहीं आई है। प्रशासन ने केवल बालचौरा में छापेमारी की, जहां दो स्थानों पर महबूब अंसारी के रैयती खेत में अवैध रूप से बालू भंडारण पाया गया और इसे खनन विभाग ने जब्त भी किया।

इसके बावजूद कनहरतटीय क्षेत्रों में अवैध उत्खनन और परिवहन का खेल और तेज होता जा रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार बालू माफिया नदी तट पर

खुलेआम जेसीबी चलवा रहे हैं। जंगलों और पहाड़ों को काटकर उन्होंने दर्जनों खुफिया रास्ते बना लिए हैं ताकि प्रशासन की नजरों से बचा जा सके। ग्रामीणों का आरोप है कि निजी जरूरतों जैसे घर निर्माण या प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए बालू लाने पर भी माफिया उन्हें रोक देते हैं।

इससे स्पष्ट है कि इन प्रतिबंधित घाटों पर बालू माफिया ने अप्रत्यक्ष रूप से पूरा कब्जा जमा लिया है। रात होते ही अवैध बालू परिवहन का खेल और तेज हो जाता है। मुख्य रूप से धुरकी-नगरउंटारी पथ और अंबाखोरया-डंडई-मेराल मार्ग से हाइवा और ट्रकों की आवाजाही शुरू हो जाती है। कई ग्रामीण बताते हैं कि रात नौ बजे के बाद इन मार्गों पर भारी वाहनों की कतार लगी रहती है। दूसरी ओर, अवैध कारोबार से जुड़े कई लोग दिनभर थाना परिसर में मंडराते नजर आते हैं, जिससे उनके बढ़ते मनोबल का अंदाज़ लगाया जा सकता है।

झारखंड में निकाय चुनाव की रणभेरी बजी, पिछड़ा वर्ग की आबादी तय; अब आरक्षण पर निगाहें

जमशेदपुर, एजेंसी। झारखंड में लंबे समय से रुके हुए नगर निकाय चुनावों की रणभेरी बज गई है। राज्य सरकार द्वारा बहुप्रतीक्षित अधिसूचना जारी करने के साथ ही अब आगामी चुनाव में मानगो नगर निगम के कुल 36, आदित्यपुर नगर निगम के 35, जुगसलाई नगर परिषद के 22 और कपाली नगर परिषद के 21 वार्डों पर मतदान का रास्ता साफ हो गया है।

सरकार ने इन सभी निकायों के लिए वार्डवार पिछड़ा वर्ग (अत्यंत पिछड़ा वर्ग-1 एवं पिछड़ा वर्ग-2) की जनसंख्या के आंकड़े सार्वजनिक कर दिए हैं, जो अब सीटों के आरक्षण का मुख्य आधार बनेंगे।

यह अधिसूचना इसलिए ऐतिहासिक है क्योंकि इसी के अभाव में राज्य में अप्रैल 2023 से निकाय चुनाव स्थगित थे। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने विकास कृष्णराव गवली बनाम महाराष्ट्र राज्य मामले में फैसला देते हुए स्थानीय निकाय चुनावों में पिछड़ा वर्ग आरक्षण के लिए ट्रिपल टेस्ट को अनिवार्य कर दिया था।

इस निर्देश का पालन करने के लिए राज्य सरकार को पहले एक डेडिकेटेड कमीशन का गठन कर पिछड़ेपन की प्रकृति का अध्ययन कराना था, फिर उसी कमीशन की रिपोर्ट के आधार पर आनुपातिक आरक्षण की

सिफारिश करनी थी, जिसमें कुल आरक्षण 50 प्रतिशत से अधिक न हो।

इसी प्रक्रिया को पूरा करने के लिए गठित डेडिकेटेड कमीशन की रिपोर्ट के आधार पर अब यह वार्डवार जनसंख्या अधिसूचित की गई है।

कहां कितनी पिछड़ी आबादी, वार्डों का लेखा-जोखा

जारी अधिसूचना ने कोल्हान के इन चार प्रमुख शहरी निकायों का राजनीतिक समीकरण तय कर दिया है। आंकड़ों का विश्लेषण करने पर हर निकाय में कुछ वार्ड ऐसे हैं, जहां पिछड़ा वर्ग की आबादी निर्णायक साबित होगी।

मानगो नगर निगम के आंकड़ों पर गौर करें तो यहां के वार्ड संख्या 27 में अत्यंत पिछड़ा वर्ग-1 की आबादी सबसे अधिक 4410 है, जबकि सबसे कम 646 आबादी वार्ड संख्या 32 में है। वहीं, पिछड़ा वर्ग-2 की सर्वाधिक 1094 की आबादी वार्ड संख्या 1 में और सबसे कम महज 4 की आबादी वार्ड संख्या 25 में दर्ज की गई है।

इसी तरह, आदित्यपुर नगर निगम में अत्यंत पिछड़ा वर्ग-1 की सबसे बड़ी आबादी 3238 वार्ड संख्या 21 में है, जबकि सबसे कम 134 लोग वार्ड संख्या 34 में हैं। यहां पिछड़ा वर्ग-2 के सर्वाधिक 479 मतदाता वार्ड संख्या 1 में और सबसे कम 38 मतदाता वार्ड संख्या 34 में हैं।

जुगसलाई नगर परिषद में भी समीकरण रोचक हैं। यहां वार्ड संख्या 10 में सबसे ज्यादा 2031 की बीसी-1 आबादी है, तो वहीं वार्ड संख्या 17 में सबसे कम 151 है। पिछड़ा वर्ग-2 की सर्वाधिक 1428 की आबादी वार्ड संख्या 13 में है, जबकि सबसे कम 9 लोग वार्ड संख्या 1 में हैं।

कपाली नगर परिषद के आंकड़े सबसे ज्यादा ध्यान खींचने वाले हैं। यहां अत्यंत पिछड़ा वर्ग-1 की आबादी तो अच्छी खासी है, जिसमें वार्ड 3 में सर्वाधिक 1685 और वार्ड 7 में सबसे कम 852 लोग हैं। लेकिन पिछड़ा वर्ग-2 की आबादी लगभग नगण्य है। यहां के वार्ड 19 में इस वर्ग की सर्वाधिक आबादी सिर्फ 23 है, जबकि कई वार्डों जैसे 1, 2, 5, 7, 10, 11, 14, 16, 17 और 20 में यह संख्या शून्य है।

अब आरक्षण रोस्टर पर टिकी निगाहें

इन आधिकारिक आंकड़ों के सामने आने के बाद अब सभी की निगाहें राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी किए जाने वाले आरक्षण रोस्टर पर टिक गई हैं। आयोग इन्हीं आंकड़ों को आधार बनाकर यह तय करेगा कि कौन सा वार्ड पिछड़ा वर्ग की किस श्रेणी के लिए आरक्षित होगा।

रोस्टर जारी होते ही चुनाव की औपचारिक घोषणा की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। इस घोषणा ने उन हजारों संभावित उम्मीदवारों की धड़कनें बढ़ा दी हैं, जो लंबे समय से चुनाव का इंतजार कर रहे थे और अब अपने-अपने वार्डों के नए सामाजिक और राजनीतिक समीकरणों का आकलन करने में जुट गए हैं।

राम माधवानी की स्पिरिचुअल एक्शन थ्रिलर फिल्म में टाइगर श्रॉफ की एंट्री

टाइगर श्रॉफ ने अपने एक्शन से इंडस्ट्री में अलग छाप छोड़ी है। उनका यह हुनर उनकी फिल्मों में भी नजर आता है। टाइगर ने बागी फ्रेंजाइजी, हीरोपंती और वॉर के साथ एक्शन का एक एंपायर बनाया है। अब वे एक कदम और आगे बढ़ते हुए एक्शन में नया धमाल करते दिखेंगे। दरअसल, राम माधवानी की आगामी स्पिरिचुअल एक्शन थ्रिलर फिल्म में टाइगर लीड रोल अदा करने वाले हैं, जिसमें उनका धांसू एक्शन अवतार देखने को मिलेगा।

पारंपरिक एक्शन फिल्मों से अलग होगी यह फिल्म

टाइगर श्रॉफ ने निर्माता-निर्देशक राम माधवानी की आगामी फिल्म साइन की है। यह स्पिरिचुअल एक्शन थ्रिलर फिल्म है। इस फिल्म में टाइगर को एक ऐसे अवतार में देखा जाएगा, जैसे वे पहले कभी नजर नहीं आए। महावीर जैन फिल्म्स और राम माधवानी फिल्म्स द्वारा इस फिल्म को प्रोड्यूस किया जाएगा। यह बॉलीवुड की पारंपरिक एक्शन फिल्मों से एक कदम आगे साबित होगी।

जापान में होगी शूटिंग

राम माधवानी की यह फिल्म सिर्फ भारतीयों को ही नहीं, बल्कि वैश्विक दर्शकों को ध्यान में रखकर बनाई जा रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, टाइगर इस फिल्म के लिए तैयारी में जुट गए हैं। कहा जा रहा है कि इसके प्रोडक्शन का एक बड़ा हिस्सा जापान में शूट किया जाएगा।

बाकी स्टारकास्ट के नाम फाइनल होने बाकी

फिलहाल टाइगर पहले अभिनेता हैं, जो इस फिल्म का हिस्सा बने हैं। फिल्म के लिए फीमेल लीड और नेगेटिव रोल निभाने के लिए एक्टर की तलाश जारी है। इसके अलावा अन्य सपोर्टिव रोल के लिए भी कास्ट फाइनल होनी बाकी है। टाइगर इस फिल्म को लेकर काफी उत्साहित हैं। फिलहाल राम माधवानी और महावीर जैन, दोनों अपनी-अपनी टीमों के साथ फिल्म के पहले लुक पर काम कर रहे हैं, जिसे आधिकारिक घोषणा के साथ जल्द ही रिवील किए जाने की उम्मीद है।

राशा थडानी की लगी लॉटरी

महेश बाबू के भतीजे संग इश्क फरमाएंगी

रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी ने आजाद फिल्म से डेब्यू किया था और अब उन्हें तेलुगू फिल्म मिल गई है। महेश बाबू के भतीजे जय कृष्णा घट्टामनेनी के ऑपोसिट उन्हें साइन किया गया है। राशा ने अपना पोस्टर भी शेयर कर दिया है जिसे देख फैंस की एक्साइटमेंट चरम पर है।

इस साल की शुरुआत में बॉलीवुड अदाकारा रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी ने हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में अपना सफर शुरू किया। उन्होंने अभिषेक कपूर की फिल्म आजाद से अजय देवगन और उनके भांजे अमन देवगन के साथ एक्टिंग की शुरुआत की। अपने प्यारे हाव-भाव, दमदार डायलॉग डिलीवरी और उई अम्मा गाने पर अपने कातिलाना अंदाज के लिए राशा जल्द ही सेंसेशन बन गईं। हाल ही में, वह मुंज्या फेम अभय वर्मा के साथ अपनी अगली फिल्म लइकी लइका की शूटिंग में व्यस्त हैं। और अब सोमवार की सुबह ही राशा ने अपने तेलुगू डेब्यू की घोषणा की, जिसमें वह सुपरस्टार महेश बाबू के भतीजे जय कृष्णा घट्टामनेनी के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी।

राशा थडानी को मिली तेलुगू फिल्म

राशा थडानी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर अपनी पहली तेलुगू फिल्म की घोषणा की, जिसका टाइटल फिलहाल प्रक्र4 रखा गया है। वह फिल्ममेकर अजय भूपति के साथ काम करेंगी, जिन्होंने ऋ्क 100 (2018) का भी निर्देशन किया था। यह फिल्म महेश बाबू के भतीजे जय कृष्णा घट्टामनेनी के साथ होगी। जय कृष्णा दिवंगत एक्टर रमेश बाबू के बेटे और दिग्गज अभिनेता कृष्णा के पोते हैं।

मनोज बाजपेयी पर बोले जयदीप अहलावत

दिग्गज अभिनेता मनोज बाजपेयी की अपकमिंग सीरीज द फैमिली मैन का तीसरा सीजन अब रिलीज के लिए तैयार है। ये सीरीज 21 नवंबर को ओटीटी पर दस्तक दे रही है। उससे पहले सीरीज की स्टारकास्ट ने पीटीआई से बात की, जहां एक दूसरे के साथ काम करने के अनुभव को साझा किया। इस सीरीज में इस बार जयदीप अहलावत भी नजर आने वाले हैं तो उन्हें कैसा लगा इस फ्रेंचाइज से जुड़कर, चलिए जानते हैं उन्होंने क्या कुछ कहा।

मनोज के साथ काम करने पर बोले जयदीप

इंटरव्यू में बात मनोज बाजपेयी के साथ काम करने के अनुभव को लेकर जयदीप ने कहा, मनोज भाई के काम को देखकर बहुत सारे एक्टर्स प्रेरणा ले चुके हैं। उन्होंने बहुत सारा ऐसा काम किया है जहां हर एक परफॉर्मेंस उनकी मास्टरक्लास है। इनको मैंने बताया भी था कि इनका एक डायलॉग है, बहुत लंबा सीन है वो। ये पूरी विधानसभा को संबोधित करते हैं। ये आसान नहीं है क्योंकि बहुत एनर्जी लगती है, लेकिन इन्होंने बहुत आसानी से उसे कर दिया।

मनोज बाजपेयी ने जयदीप पर क्या कहा?

जयदीप के साथ काम करने के अनुभव पर बात करते हुए मनोज बाजपेयी ने कहा, बहुत सारे लोग हम उसी रास्ते में एक दूसरे से सीखते रहते हैं। हमारे बीच गुरु शिष्य वाली कोई बात नहीं है।

द फैमिली मैन सीजन 3 श्रीकांत तिवारी के लिए एक नए और पहले से कहीं बड़े खतरे को लेकर आने वाला है। इस बार मुश्किलें सिर्फ देश पर ही नहीं, बल्कि उसके परिवार तक भी पहुंचने वाली हैं। श्रीकांत को उच्च-स्तरीय मिशनों के बीच अपने घरवालों की सुरक्षा की जिम्मेदारी भी संभालनी होगी। आने वाले सीजन में दो नए और बेहद शक्तिशाली विलेन एंट्री करने वाले हैं- जयदीप अहलावत (रुक्मा) और निमरत कौर। दोनों किरदार श्रीकांत की राह और कठिन बनाते दिखाई देंगे। उनकी वजह से कहानी और गहरी, भावनात्मक और रोमांचक मोड़ लेने वाली है। फैमिली मैन सीजन 3 का ट्रेलर कुछ दिन पहले जारी किए गए द फैमिली मैन सीजन 3 के ट्रेलर में भरपूर एक्शन, सस्पेंस और मज़ेदार संवादों की झलक देखने को मिली। श्रीकांत तिवारी एक बार फिर अपने पुराने अंदाज़ में लौट आए हैं और दर्शकों को धमाकेदार मनोरंजन देने का वादा कर रहे हैं।

अदिति पोहनकर ने बॉबी देओल के साथ काम करने के अपने अनुभवों को साझा किया

अभिनेत्री अदिति पोहनकर वेब सीरीज आश्रम में बॉबी देओल के साथ मुख्य भूमिका में नजर आई थीं। एक्ट्रेस ने अभिनेता के साथ काम करने के अपने अनुभवों को साझा किया है। अदिति पोहनकर ने बताया, 'मुझे नहीं पता कि मैं कैसे कहूं कि मुझे अब बॉबी सर की याद आती है। आश्रम में काम करना अद्भुत था। मेरा मतलब है, वह बहुत अच्छे इंसान और अभिनेता हैं। उन्होंने आगे कहा, 'लगभग तीन साल तक हम सबने साथ में शूटिंग की है। बॉबी सर एक बहुत ही अच्छे और सच्चे इंसान और अभिनेता हैं। मुझे लगता है कि अब वह इस बात को और भी ज्यादा एक्सप्लोर कर रहे हैं।'अभिनेत्री ने आगे बातचीत में कहा, 'एक एक्टर के रूप में, आप बस यही करना चाहते हैं। आप एक ऐसी स्क्रिप्ट चाहते हैं जो कई रंग, कई परतें दिखा सके। मुझे लगता है कि आश्रम से आगे बढ़ने और जिद्दी इश्क जैसी चीज पाने की जरूरत थी। मुझे लगता है यह कुछ ऐसा था, जिसका मैं इंतजार कर रही थी, क्योंकि यह सीरीज उस लड़की की एक बहुत ही अलग, मासूम, युवा और कमजोर परिदृश्य को दर्शाती है।'

नेपोटिज्म से डेब्यू मिलता है सफलता नहीं

करीना कपूर खान अक्सर अलग-अलग मुद्दों पर खुलकर अपनी राय रखती हैं। करीना जो कि खुद एक स्टार किड हैं लेकिन उन्होंने बॉलीवुड नेपोटिज्म के बारे में खुलकर अपनी राय साझा की है। दरअसल, एक्ट्रेस हाल ही में बरखा दत्त के शो वी द वीमेन के एक डिस्कशन में शामिल हुईं। यहां पर उन्होंने अपने प्रिविलेज पोजीशन पर बात की और बताया कि इंडस्ट्री में सर्वाइव करने के लिए कुछ चीजें जरूरी होती हैं। नेपोटिज्म के मुद्दे को एड्रेस करते हुए एक्ट्रेस ने कहा- 'नेपोटिज्म आपको डेब्यू दिलाने में मदद कर सकता है, लेकिन ये लंबे करियर की गारंटी नहीं देता है। ऑडियंस की एक्सेप्टेन्स आपका करियर तय करता है, ना कि आपका फैमिली नेम।' वहीं, राजकपूर के पोता और डाइनिंग विद द कपूर्स के क्रिएटर अदार जैन ने इसी मुद्दे पर बात करते हुए कहा- 'लोग नेपोटिज्म के बारे में बात करते हैं, लेकिन मुझे इससे कोई फायदा नहीं हुआ है। हां, मैं राज कपूर का पोता हूं और करीना व रणबीर कपूर का रिश्तेदार हूं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि मैं हर साल 50 फिल्मों में काम करूंगा या लगातार ब्रांड पार्टनरशिप और एड हासिल करूंगा। दुर्भाग्य से, इस सेंस में, मैं नेपोटिज्म का प्रोडक्ट नहीं रहा हूं।' करीना की वर्कफ्रंट करें तो उन्हें आखिरी बार साल 2024 में रिलीज हुई फिल्म सिंघम अगेन में देखा गया था। पिछले साल उनकी द बकिंघम मर्डर्स और क्रू जैसी दो और फिल्में भी रिलीज हुई थीं। जल्द ही वो नेटफ्लिक्स की डॉक्यूमेंट्री डाइनिंग विथ द कपूर्स में दिखाई देंगी। यह डॉक्यूमेंट्री कपूर खानदान की फैमिली बॉन्डिंग और उनके खाने की विरासत को दिखाएगी। एक्ट्रेस साल 2026 में मेघना गुलजार की क्राइम ड्रामा फिल्म दायरा में दिखेंगी।

मस्ती 4 मेरे लिए टैलेंट दिखाने का अच्छा मौका है

एक्ट्रेस रुही सिंह की फिल्म 'मस्ती 4' जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। खास बातचीत के दौरान एक्ट्रेस ने बताया कि 'मस्ती 4' में प्रोड्यूसर इंद्र कुमार और डायरेक्टर मिलाप जावेरी जैसी टीम के साथ काम करना उनके लिए सपना सच होने जैसा था। यूके में हुई शूटिंग के अनुभव से लेकर कॉमेडी किरदार की तैयारी तक, हर कदम उनके लिए सीखने का मौका था। अपने माता-पिता, खासकर पिता के साथ गहरे रिश्ते को वह अपनी ताकत मानती हैं।

मस्ती 4 आपके लिए बड़ा मौका रहा। कैसे मिला और अनुभव कैसा रहा?

जब फिल्म का ऑफर मिला, तो मैं बहुत खुश हुई क्योंकि इसे इंदु जी (इंद्र कुमार) बना रहे हैं और मिलाप जावेरी डायरेक्टर हैं। स्टार कास्ट भी शानदार है। मुझे लगा यह मेरे टैलेंट दिखाने का अच्छा मौका है। शूटिंग यूके में हुई, और मैंने अपने रोल के लिए खूब तैयारी की। यह अनुभव मेरे लिए बहुत खास रहा।

आपने किरदार के लिए क्या तैयारियां की थीं?

यह एक कॉमेडी फिल्म है, इसलिए मैं चाहती थी कि मेरा अभिनय नेचुरल और दिल से हो। मैंने कई कॉमेडी फिल्मों को देखा और अपनी लाइनों पर खास ध्यान दिया कि मैं उसमें कुछ नया और मजेदार जोड़ सकूं। मेरा मानना है कि अगर आप कॉमेडी में कॉन्फिडेंट और आरामदायक होंगे तो एकदम फनी डायलॉग्स आसानी से आ जाते हैं, और मैंने यही अपने किरदार में लाने की कोशिश की।

आपकी शुरुआत मॉडलिंग और सौंदर्य प्रतियोगिता से हुई। आपने कब सोचा कि इंडस्ट्री में करियर बनाना है? यह ख्याल कहां से आया?

मुझे बचपन से ही यह चाहत थी कि मैं कुछ बड़ा करूं। मैं जयपुर से हूं। बचपन में मैं स्टेज पर आना और लोगों के सामने नजर आना चाहती थी। मैं डांस और दूसरे कॉम्पिटिशन में हमेशा भाग लेती थी। जहां दूसरों को स्टेज पर डर लगता है, मुझे वहां आने में खुशी मिलती थी। मैं हमेशा बाहर रहना और लोगों के सामने दिखना चाहती थी। मुझे हमेशा मजा आता था और मैंने कभी सोचा नहीं कि लोग क्या सोच रहे हैं। पॉजिटिव सोच के साथ बिना किसी सपोर्ट के मेरी मेहनत रंग लाई और आज मेरे पास 'मस्ती 4' जैसी बड़ी फिल्म है।

तो आपने और आगे, जैसे मिस वर्ल्ड या मिस यूनिवर्स में हिस्सा क्यों नहीं लिया?

मैंने तीन बार इंटरनेशनल लेवल पर इंडिया को रिप्रेजेंट किया। मिस मॉडल ऑफ द वर्ल्ड, मिस यूनाइटेड नेशंस चाइना और मियामी में। कई पेजेंट्स कर चुकी हूं, फिर मधुर भंडारकर की फिल्म 'कैलेंडर गर्ल्स' फिल्म में काम किया और सोचा, अब काफी हो गया। मेरे लिए पेजेंट्स का मकसद दुनिया देखना और एक्सपोजर पाना था। जयपुर से बाहर निकलकर अलग-अलग लोगों से मिलना चाहती थी। पहली बार विदेश भी इंडिया को रिप्रेजेंट करने ही गई थी, पापा भी साथ गए थे, जो मेरा सपना था।

मधुर भंडारकर से मुलाकात कैसे हुई थी?

मैं एक ऑडिशन में गई थी, वहीं मेरी मुलाकात मधुर भंडारकर से हुई। मैंने 'मयूरी चौहान' के लिए ऑडिशन दिया और वह मुझे उसी वक्त चुन लिया। उन्होंने कहा, 'हमें मिल गई मयूरी!' फिल्म 'कैलेंडर गर्ल्स' आने के बाद लोग आज भी मुझे मयूरी कहकर याद करते हैं।

फिल्म कैलेंडर गर्ल्स रिलीज हुई तो सबसे प्यारा कॉम्प्लीमेंट कौन सा मिला? किससे मिला?

मेरे पेरेंट्स ने कहा कि मैं स्क्रीन पर बिल्कुल रूही जैसी लग रही थी, जैसे एक्टिंग नहीं की हो। ऑडियंस को भी मेरा काम बहुत पसंद आया। लोग अक्सर मेरी फिल्म की लाइन बोलते थे- 'यह लड़की बहुत आगे जाएगी'यह मुझे सबसे प्यारा कॉम्प्लीमेंट लगा।

आपको क्यों नहीं फिल्में ऑफर हुईं?

क्योंकि वो फिल्म नहीं चली। लेकिन मैंने पूरी मेहनत की थी और मधुर भंडारकर जी जैसे नेशनल अवॉर्ड विनर डायरेक्टर के साथ काम करना मेरे लिए सौभाग्य था। फिल्म का चलना या न चलना किस्मत पर निर्भर करता है, किसी के हाथ में नहीं होता।

मेरी मम्मी मेरी सबसे अच्छी दोस्त और इंस्पिरेशन हैं

मेरे पेरेंट्स का बहुत बड़ा साथ है, खासकर मेरी मम्मी, जो मेरी सबसे अच्छी दोस्त और इंस्पिरेशन हैं। मुझमें एक जिद है कि मैं अपनी मंजिल जरूर पाऊंगी।

स्कूल में लोग कहते हैं कि टॉप पर पहुंचना आसान नहीं होता है, लेकिन मैं मानती हूं कि एक दिन मेरा भी सबसे अच्छा वक्त आएगा।

संक्षिप्त समाचार

हरियाणा की लड़की से शिमला में रेप

शिमला, एजेंसी। राजधानी शिमला में हरियाणा की एक युवती से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पीड़िता ने अपने प्रेमी पर शादी का झांसा देकर दुष्कर्म का आरोप लगाया है। युवती की शिकायत पर पुलिस ने विभिन्न आपराधिक धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपी दिल्ली का मूल निवासी है। युवती की शिकायत के अनुसार वह पिछले दो महीनों से अपने प्रेमी के साथ शिमला शहर के ढली क्षेत्र में रह रही थी, लेकिन इसी दौरान उसके साथ दुष्कर्म की घटना हुई जिसने उसकी मानसिक स्थिति को गहरा आघात पहुंचाया। अब प्रेमी की ओर से शादी से इनकार किए जाने के बाद पीड़िता ने पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई है। ढली पुलिस ने यह केस भारतीय न्याय संहिता की धारा 69 और 3(5) के तहत दर्ज किया है। शिकायत में बताया गया है कि युवती का दिल्ली निवासी अक्षत से प्रेम संबंध था। दोनों 9 सितंबर 2025 से 9 नवंबर 2025 तक ढली में साथ रहे। युवती ने आरोप लगाया है कि 21 सितंबर को अक्षत ने उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया। पीड़िता का कहना है कि अक्षत ने उससे शादी का वादा किया था। लेकिन अब अक्षत शादी से साफ इंकार कर रहा है। इससे पीड़िता भावनात्मक रूप से टूट गई है और उसका मानसिक स्वास्थ्य काफी प्रभावित हुआ है। मामले की गंभीरता को देखते हुए उसने पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई। पुलिस के एक अधिकारी ने बुधवार को बताया कि मामला दर्ज कर कार्रवाई अमल में लाई जा रही है।

कर्ज उतारना था और कर दी पौने 16 करोड़ की ठगी

फरीदाबाद एजेंसी। आर्थिक अपराध शाखा, बल्लभगढ़ की टीम ने 15 करोड़ 75 लाख रुपये की ठगी के आरोप में दो पिता-पुत्र को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को अदालत में पेश कर चार दिन के पुलिस रिमांड पर ले लिया है। आरोपियों की पहचान नई दिल्ली निवासी रवि गुप्ता और सलील गुप्ता के रूप में हुई है। पुलिस पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी रवि और सलील पिता-पुत्र हैं और मैसर्स स्वदेश ग्रीन इंफ्रा लिमिटेड के निदेशक हैं। इनकी कंपनी काफी समय से घाटे में चल रही थी। जिस कारण कंपनी पर काफी कर्ज हो गया था। कर्ज से निजात पाने लिए उन्होंने पीड़ित व्यक्ति से एचआर कॉइल स्टील का कारोबार करने के लिए कहा। अग्रिम बुक के नाम पर शिकायतकर्ता से कुल 15 करोड़ 75 लाख रुपये अपनी कंपनी के खाते में डलवा लिए थे। रुपये डलवाने के बाद आरोपियों ने काम नहीं किया। पुलिस ने आरोपियों कोअदालत में पेश कर चार दिन के पुलिस रिमांड पर लिया है। फर्म संचालक ने थाना सेक्टर-आठ में दी शिकायत में बताया था कि दो अगस्त 2024 को कंपनी के मालिक रवि गुप्ता और सलील गुप्ता उनसे मिलने आए थे। कंपनी के निदेशकों ने मुनाफे का झांसा दिया था।

आपके बेटे का एमबीबीएस में एडमिशन करा देंगे; गुरुग्राम में 30 लाख की ठगी

गुरुग्राम एजेंसी। सरकारी कॉलेज में बैचलर ऑफ मेडिसिन, बैचलर ऑफ सर्जरी (एमबीबीएस) में दाखिला दिलाने के नाम पर एक छात्र से 30 लाख रुपये की ठगी करने का मामला सामने आया है। इसके अलावा आठ अन्य छात्रों की शिकायत मिलने पर पुलिस ने सदर थाने में सेंटर संचालक के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस जांच में पता चला कि सेंटर का कार्यालय बीते कई सप्ताह से बंद है और वहां पर काम करने वाले सभी आरोपी फरार हैं। मूलरूप से राजस्थान के कोटा निवासी ने पुलिस शिकायत में बताया कि वह राजस्थान के बिजली निगम की तकनीकी विंग में काम करते हैं और उनकी पत्नी भी सरकारी नौकरी कर रही है। उनके बेटे ने इस साल एमबीबीएस में दाखिले के लिए राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) दी थी। उसके बाद तीन राज्यों के निजी कॉलेज में दाखिले के लिए वह काउसलिंग में शामिल होने की तैयारी कर रहे थे। तभी उनके पास द एडमिशन सोल्यूशन सेंटर से उनके पास फोन आया। फोन करने के दौरान बोला गया कि उनके बेटे का दाखिला सरकारी कॉलेज में एमबीबीएस सीट पर करवा सकते है। उनसे बातचीत होने के बाद वह गुरुग्राम के सोहना रोड स्थित जेएमडी मेगा पोलिस मॉल में स्थित उनके कार्यालय में अक्तूबर माह में पहुंचे। वहां पर सेंटर के प्रभारी सुधांशु से मिलकर बातचीत की गई,जिसके बाद उनके बेटे का सरकारी कॉलेज में दाखिला दिलाने का झांसा दिया।

डीकेएस ने दिए कर्नाटक में बड़े फेरबदल के संकेत

कहा- हमेशा के लिए तो पद पर नहीं रह सकता

बेंगलुरु, एजेंसी।
कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों को उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार (डीकेएस) ने नई हवा दे दी है। सीएम सिद्धारमैया के साथ कर्नाटक के मुख्यमंत्री पद को लेकर चल रही रस्साकशी के बीच उन्होंने संकेत दिया कि वह पार्टी की राज्य इकाई के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे सकते हैं। बुधवार की दोपहर बेंगलुरु में एक पार्टी कार्यक्रम में शिवकुमार ने कहा, 'मैं इस पद पर स्थायी रूप से नहीं रह सकता... साढ़े पाँच साल हो चुके हैं और मार्च में छह साल हो जाएँगे।' उन्होंने कहा है कि उन्हें प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद छोड़ना पड़ सकता है। हालांकि, उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं को आश्वासन दिया है कि वह पार्टी के अग्रिम पंक्ति के नेताओं में बने रहेंगे। शिवकुमार ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की जयंती पर आयोजित एक पार्टी कार्यक्रम में कहा, ''मैं रहूं या न रहूं, यह मायने नहीं रखता, लेकिन मैं अपने कार्यकाल में 100 पार्टी कार्यालय स्थापित करना चाहता हूं।'' जब कुछ पार्टी कार्यकर्ताओं ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में उनके अनिश्चित कार्यकाल पर चिंता व्यक्त की, तो उन्होंने कहा, ''मैं इस पद पर स्थायी रूप से नहीं रह सकता। साढ़े पांच साल हो चुके हैं और मार्च में छह साल हो जाएंगे।'' उन्होंने आगे कहा,

''दूसरों को भी मौका दिया जाना चाहिए। लेकिन मैं नेतृत्व में रहूंगा। चिंता मत करो, मैं अग्रिम पंक्ति में रहूंगा।'' शिवकुमार को मई 2020 में कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। उन्होंने कहा कि मई 2023 में उपमुख्यमंत्री बनने पर उनका पार्टी अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने का इरादा था, लेकिन एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने उन्हें कुछ और समय तक पद पर बने रहने के लिए कहा। इससे पहले, अपने संबोधन में, शिवकुमार ने पार्टी के लिए काम करते रहने के लिए कांग्रेस कार्यकर्ताओं का आह्वान किया।

क्या है नवंबर क्रांति?

शिवकुमार की यह टिप्पणी मुख्यमंत्री पद में बदलाव की अटकलों के बीच आई है क्योंकि कांग्रेस सरकार इस महीने अपने पांच साल के कार्यकाल के आधे पड़ाव पर पहुंच रही है। इस अवधि को कुछ लोग 'नवंबर क्रांति' कह रहे हैं, जिसमें मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और शिवकुमार के बीच सत्ता-साझाकरण की अफवाहों का हवाला दिया गया है। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने केपीसीसी नेतृत्व पर भी सवाल उठाए हैं। एआईसीसी महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने 2023 में कहा था कि शिवकुमार 2024 के लोकसभा चुनावों तक केपीसीसी अध्यक्ष बने रहेंगे। लोक निर्माण मंत्री सतीश जरकीहोली और सिद्धरमैया के करीबी माने जाने वाले पूर्व मंत्री के.एन. राजन्ना ने इस पद के लिए खुलकर अपनी इच्छा जताई है।कार्यक्रम के बाद, शिवकुमार ने संवाददाताओं से कहा कि वह जिम्मेदारी से बच नहीं रहे हैं, बल्कि पार्टी अध्यक्ष के रूप में एक मिसाल कायम करने की कोशिश कर रहे हैं। शिवकुमार ने कहा, ''मैं भागने वाला व्यक्ति नहीं हूं। मैं तब तक काम करता रहूंगा जब तक गांधी परिवार और कांग्रेस अध्यक्ष मुझे चाहेंगे।'

'मीटिंग कांड' के बाद अमित शाह से मिले एकनाथ शिंदे

कहा- माहौल बिगाड़ने की हो रही कोशिश

मुंबई, एजेंसी।
महाराष्ट्र में 'मीटिंग कांड' से हुए बवाल के बाद राज्य के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने बुधवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की है। दिल्ली में हुई इस मुलाकात के दौरान शिंदे ने कहा है कि महायुति के कुछ नेता आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में सत्तारूढ़ गठबंधन के लिए अनुकूल राजनीतिक माहौल को खराब करने की कोशिश कर रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, उन्होंने शाह से यह भी कहा कि ऐसे व्यवधान महायुति गठबंधन की जीत में बाधा डाल सकते हैं और विपक्ष को फायदा पहुंचा सकते हैं।

बता दें कि एकनाथ शिंदे की शाह से यह मुलाकात ऐसे समय में हुई है जब एक दिन पहले ही उनकी पार्टी शिवसेना के मंत्री राज्य मंत्रिमंडल की मंगलवार को हुई बैठक में शामिल नहीं हुए थे। शिवसेना के मंत्री स्थानीय निकाय चुनावों से पहले भाजपा द्वारा शिवसेना नेताओं को अपने पाले में लाने की कोशिशों के विरोध में बैठक में शामिल नहीं हुए थे। शिवसेना की ओर से केवल शिंदे ही कैबिनेट बैठक में शामिल हुए।

मामला तभी शांत हुआ जब शिंदे के नेतृत्व में शिवसेना के मंत्रियों ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात की, जहां यह निर्णय लिया गया कि महायुति के सहयोगियों को एक-दूसरे के पार्टी पदाधिकारियों, नेताओं और कार्यकर्ताओं को पार्टी में शामिल करने से बचना चाहिए। एक सूत्र ने कहा, 'दिल्ली में बैठक के दौरान, शिंदे ने अमित शाह से कहा कि 2024 के विधानसभा चुनावों में जीत के बाद, आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में महायुति गठबंधन के लिए माहौल बेहद अनुकूल है। हालांकि, कुछ नेता इस माहौल को खराब करने और विपक्ष को अनुचित लाभ देने की कोशिश कर रहे हैं। ' सूत्रों ने बताया, 'उन्होंने केंद्रीय मंत्री से यह भी कहा कि मीडिया में अनावश्यक और भ्रामक खबरें आ रही हैं, जिससे जनता में भ्रम पैदा हो रहा है। इससे पार्टी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों में भी अनिश्चितता पैदा हो रही है।

अमानवीय सजा देने वाली आरोपी शिक्षिका गिरफ्तार

पालघर, एजेंसी। महाराष्ट्र के पालघर जिले में कक्षा 6वीं की एक छात्रा की मौत के मामले में एक महिला शिक्षक को गिरफ्तार किया गया है। बता दें कि, शिक्षिका ने छात्रा को स्कूल में देर से आने पर कथित तौर पर 100 उठक-बैठक करने के लिए मजबूर किया गया था। इस घटना के बाद छात्रा की तबीयत खराब हुई और इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, घटना 8 नवंबर की है, जब वसई के श्री हनुमंत विद्या मंदिर में कक्षा 6 में पढ़ने वाली कक्षा छह की छात्रा काजल गौड़ को देरी से स्कूल आने पर अध्यापक ने सौ उठक-बैठक लगाने की सजा दी। उठक-बैठक लगाने के बाद काजल के कमर में दर्द होने लगा। बच्ची की मां ने बताया कि स्कूल से आने के बाद उसने तबीयत खराब होने की शिकायत की। इसके बाद उसे वसई के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से उसे एक अन्य अस्पताल में और फिर जेजे अस्पताल में भर्ती कराया गया। शुक्रवार को इलाज के दौरान बच्ची की जेजे अस्पताल में मौत हो गई।

सपा विधायक सुधाकर सिंह का निधन, मंत्री दारा सिंह चौहान को हराकर जीता था घोसी उपचुनाव

लखनऊ, एजेंसी।
यूपी की घोसी सीट से समाजवादी पार्टी के विधायक सुधाकर सिंह का निधन हो गया है। दो दिन पहले अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें लखनऊ के मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां गुरुवार की भोर में उन्होंने अंतिम सांस ली। सुधाकर सिंह घोसी के प्रतिष्ठित उपचुनाव में योगी सरकार के कैबिनेट मंत्री दारा सिंह चौहान को हराकर विधायक बने थे। सुधाकर सिंह के निधन की खबर मिलते ही सपा प्रमुख अखिलेश यादव और शिवपाल सिंह यादव समेत तमाम नेता मेंदाता अस्पताल पहुंचे। मंगलवार को उन्हें लखनऊ लाया गया और मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया था। डॉक्टरों के अनुसार मल्टी आर्गन फ्लोर के कारण उनका निधन हुआ है। निधन की सूचना मिलते ही पूरे जिले में शोक की लहर दौड़ गई है। कैबिनेट मंत्री एके शर्मा, घोसी लोकसभा के सांसद राजीव राय

समेत सभी दलों के लोगों ने शोक प्रकट किया। मऊ की राजनीति में सुधाकर सिंह की मजबूत पकड़ थी। यही कारण था कि घोसी के प्रतिष्ठित चुनाव में अखिलेश यादव ने सुधाकर सिंह पर भरोसा जताया और इस भरोसे को उन्होंने कायम भी रखा। घोसी विधान सभा क्षेत्र के भावनपुर निवासी सुधाकर सिंह कट्टर समाजवादी नेता थे। उनका राजनीतिक जीवन नब्बे के दशक से शुरू हुआ था। छात्र राजनीति के बाद सन 1996 में उन्होंने समाजवादी पार्टी से विधानसभा नत्थूपुर से चुनाव लड़ा और पहली बार विधायक बने। दूसरी बार नए परिसीमन के बाद घोसी विधान सभा से सन 2012 में चुनाव लड़ा और जीत हासिल कर दोबारा विधानसभा की सदस्यता ग्रहण की थी। तीसरी बार सन 2017 में फिर समाजवादी पार्टी से चुनाव लड़े लेकिन मोदी लहर में बीजेपी के फागू चौहान से चुनाव हार गए थे। वर्ष 2022 में सपा ने सुधाकर की जगह योगी के कैबिनेट से इस्तीफा देकर आए दारा सिंह चौहान को यहां से उतारा। चौहान चुनाव जीते लेकिन एक साल बाद ही इस्तीफा देकर दोबारा भाजपा में चले गए। ऐसे में यहां उपचुनाव का ऐलान हुआ तो सपा ने फिर से सुधाकर सिंह पर भरोसा जताया। उनका मुकाबला भाजपा की तरफ से उतरे दारा सिंह चौहान से ही हुआ। योगी सरकार और भाजपा के लिए प्रतिष्ठा का सवाल बन गए इस चुनाव में सुधाकर सिंह ने दारा सिंह चौहान को हराकर तीसरी बार विधायक बने थे।

एनसीपीसीआर ने पिछले महीने देशभर में बचाए 2300 से अधिक बच्चे

ईटानगर, एजेंसी। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) ने कहा कि उसने पिछले महीने करीब 26 हजार मामलों का निपटारा किया है और देशभर से 2,300 से अधिक बच्चों को बचाया है। एनसीपीसीआर के किशोर न्याय, बाल यौन शोषण (पॉक्सो) और विशेष प्रकोष्ठ के प्रमुख पारेश शाह ने कहा कि बाल अधिकारों का उल्लंघन केवल आंकड़े नहीं है। हर मामला एक बच्चे और उसके परिवार की कहानी को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि अधिकारियों की ओर से प्रभावी कार्रवाई केवल ब्यों के जीवन को नहीं बल्कि देश के भविष्य को भी प्रभावित करती है। शाह ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारें अरुणाचल प्रदेश के हर बच्चे की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं। लेकिन केवल सख्त कानून पर्याप्त नहीं हैं। इसके लिए मजबूत निगरानी, जागरूकता और समन्वित क्रियान्वयन भी जरूरी है। आयोजित राज्य स्तरीय सम्मेलन के दौरान कही गई।

गुनहगार तो कुछ ही हैं, लेकिन बदनाम हर कश्मीरी को किया जा रहा; उमर अब्दुल्ला

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा है कि कुछ लोगों द्वारा की गई आतंकी हरकत की वजह से पूरे कश्मीर घाटी के लोगों यानी सभी कश्मीरियों को न सिर्फ बदनाम किया जा रहा है बल्कि उन्हें निशाने पर लिया जा रहा है। उन्होंने इस बात पर चिंता जताई कि कश्मीरियों की इस तरह की जा रही प्रोफाइलिंग ने उन्हें क्षेत्र के बाहर के किसी भी व्यक्ति से बातचीत करने से रोक दिया है। उन्होंने ये बातें दिल्ली में लाल किला के पास हुए आत्मघाती कार धमाके के लिए जिम्मेदार सफेदपोश आतंकी मॉड्यूल के संदर्भ में कही हैं, जिसमें कुछ डॉक्टर भी शामिल थे, जो जम्मू-कश्मीर के रहने वाले हैं। कुछ लोग ही हैं। लेकिन माहौल ऐसा बनाया जा रहा है कि इसके लिए हम सभी ज़िम्मेदार हैं।' उन्होंने कहा कि केंद्र ने 2019 में कहा था कि 'सब कुछ रुक जाएगा ', लेकिन केंद्र द्वारा जम्मू-कश्मीर को दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित करने के

बाद भी कुछ नहीं बदला। उन्होंने कहा, 'मौजूदा स्थिति के बारे में हम क्या कह सकते हैं? अगर यह (आतंकवादी हमला) दिल्ली में नहीं हुआ होता तो यहाँ (कश्मीर) हो रहा होता।' उन्होंने आगे कहा कि आर्टिकल 370 हटने के बाद भी बम विस्फोट और नागरिकों की हत्याएँ नहीं रुक सकी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, 'हम चाहते हैं कि यह रुक जाए। हमने कश्मीर में बहुत खून-खराबा देखा है... मौजूदा हालात को देखते हुए, कोई भी अपने बच्चों को कश्मीर से बाहर नहीं भेजना चाहता। हर जगह लोग हम पर शक करते हैं। कश्मीरियों को बदनाम किया जा रहा है।' उन्होंने कहा, 'देखिए दिल्ली में क्या हुआ। इसके लिए कुछ लोग ज़िम्मेदार हैं। लेकिन ऐसा माहौल बनाया जा रहा है कि हम सब ज़िम्मेदार हैं। दिल्ली में जम्मू-कश्मीर में पंजीकृत गाड़ी चलाना अपराध माना जाता है। मुझे तो यह भी सोचना पड़ता है कि अपनी गाड़ी निकालूँ या नहीं। मुझे नहीं पता कि कौन मुझे रोकेगा और पूछेगा कि मैं कहाँ से हूँ और वहाँ क्या कर रहा हूँ। ' मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को दावा किया कि जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा खत्म करने से केंद्र शासित प्रदेश में रक्तपात बंद नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि सुरक्षा के लिए जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। अब्दुल्ला ने दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले में संवाददाताओं से कहा, 'हम चाहते हैं कि यह (हिंसा का दौर) रुके।

दिन दहाड़े करोड़ों रुपये की लूट, एटीएम फंड ले जा रही गाड़ी को बनाया निशाना

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक के बेंगलुरु में मंगलवार को डकैती की बड़ी घटना को अपराधियों ने अंजाम दिया। एटीएम फंड ले जा रही सीएमएस कैश वैन को जयनगर के अशोक स्तंभ के पास दिनदहाड़े रोककर करोड़ों रुपये लूट लिए गए। इस मामले में 47 वर्षीय विनोद चंद्रार द्वारा शिकायत दर्ज कराई गई है। शिकायतकर्ता विनोद चंद्रार ने बताया कि वह सीएमएस इनफो सिस्टम्स लिमिटेड, एचबीआर लेआउट, बेंगलुरु में शाखा प्रबंधक के रूप में कार्यरत हैं। कंपनी प्रतिदिन जेपी नगर, एमजी टावर, सरक्की मेन रोड, आईटीआई लेआउट स्थित एचडीएफसी बैंक करेंसी से नकदी निकालती है और उसे बेंगलुरु के एचडीएफसी बैंक एटीएम में जमा करने के लिए अपने वाहन से पहुंचाती है। 10 नवंबर को सुबह करीब साढ़े नौ बजे, कस्टोडियन आफताब की निगरानी में कंपनी की गाड़ी ड्राइवर विनोद कुमार और गनमैन राजन्ना व तम्मय्या के साथ बैंक के लिए निकली। दोपहर करीब 12:24 बजे उन्होंने जेपी नगर 'एचडीएफसी करेंसी चेस्ट' से 7,11,00,000 रुपए (सात करोड़ ग्यारह लाख रुपये) निकाले, नकदी को डिब्बों में भरा और गाड़ी से निकले। जब शिकायतकर्ता और सीएमएस एफआईटी मैनेजर फारूक पाशा अपनी शाखा में मौजूद थे, तब ड्राइवर बिनोद कुमार ने फारूक पाशा को फोन किया और बताया कि जयनगर अशोक स्तंभ होते हुए लालबाग सिद्धपुरा गेट की ओर जाते समय एक इनोवा कार ने उनकी गाड़ी को रोक लिया। उन्हें गाड़ी से बाहर निकलने को कहा। उन्होंने कस्टोडियन आफताब और गनमैन राजन्ना व तम्मय्या को अपनी इनोवा में बिठा लिया। इसके बाद ड्राइवर को अकेले ही कैश गाड़ी चलाने के लिए कहा। यह पता नहीं चल पाया है कि तीनों कर्मचारियों को कहां ले जाया गया। बाद में पिस्तौल से लैस इन लोगों ने कथित तौर पर ड्राइवर को धमकाया और डेयरी सर्कल फ्लाईओवर पर गाड़ी से पूरे 7.11 करोड़ रुपए लूट लिए और फरार हो गए।

शायद नतीजा बेहतर होता; प्रशांत किशोर ने मान ली बिहार चुनाव में अपनी एक गलती

टना, एजेंसी। बिहार विधानसभा चुनाव में एक भी ीट हासिल न करने वाले प्रशांत किशोर ने अपनी क गलती स्वीकार की है। उन्होंने कहा कि मैंने खुद स चुनाव में उतरने का फैसला नहीं लिया और इसे री गलती माना जा सकता है। उन्होंने कहा कि मैंने म्मीद नहीं की थी कि मेरी पार्टी को 4 फीसदी से भी म वोट हासिल होंगे। उन्होंने कहा कि हमें तोषजनक नतीजे हासिल करने के लिए शायद और धिक मेहनत करने की जरूरत थी। हमने सोचा भी हीं था कि 4 फीसदी से भी कम वोट जनसुराज ाएगी। उन्होंने बुधवार कहा कि हम भविष्य में मेहनत रते रहेंगे और आगे की चुनावी लड़ाई के लिए खुद को तैयार कर रहे हैं।

प्रशांत किशोर ने एक इंटरव्यू में कहा कि मैं बिहार क लोगों का दिल जीते बिना पीछे नहीं हट सकता। ुझे बिहार की समस्याओं को हल करना है और

इसका मैंने संकल्प लिया है। हालांकि मैं यह नहीं जानता हूं कि इसमें कितना समय लगने वाला है। इससे पहले प्रशांत किशोर चुनावी हार के बाद कई दिन तक चुप्पी साधे रहे थे। फिर वह मंगलवार को मीडिया के सामने आए तो तमाम सवालों का जवाब करना पड़ा था। इस पर उनसे पहला सवाल ही हुआ कि क्या वह अब जिम्मेदारी छोड़ देंगे।

किसानों को मिलेगा 3 गुना ज्यादा मुआवजा

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ सरकार ने शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के सर्किट रेट या गाइडलाइन दरों में संशोधन कर दिया गया है। साल 2017-18 के बाद पहली बार यह संशोधन किया गया है, जिससे किसानों, भूमिस्वामियों और आम नागरिकों को सीधा लाभ मिलने का मार्ग प्रशस्त हुआ है। गाइडलाइन नियम 2000 के अनुसार दरों का प्रतिवर्ष पुनरीक्षण आवश्यक है, लेकिन सात सालों से संशोधन न होने के कारण वास्तविक बाजार मूल्य और गाइडलाइन दरों में भारी अंतर हो गया था। इससे किसानों, संपत्ति धारकों और ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों के नागरिकों को मूल्यांकन, मुआवजा और बैंक लोन में नुकसान उठाना पड़ रहा था।

नगरीय क्षेत्रों में दरों को पहली बार सड़क के आधार पर निर्धारित किया गया है, ताकि एक ही सड़क और समान परिस्थितियों वाले क्षेत्रों की दरें समान रहें। अब आम नागरिकों के लिए दरों को समझना सरल होगा। जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में सभी गाँवों की दरों को नक्शे में प्रविष्ट कर तर्कसंगत और समान परिस्थितियों वाले गाँवों की दरें

एकरूप बनाई गई हैं। राज्य में बने नए हाईवे, कॉलोनियों और औद्योगिक क्षेत्रों के लिए भी अब वैज्ञानिक मैपिंग के आधार पर उचित दरें तय की गई हैं।

नगरीय क्षेत्रों में गाइडलाइन दरों में लगभग 20 प्रतिशत की वृद्धि की गई है, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों के हित में 50 से 300 प्रतिशत तक की वृद्धि की गई है। इससे किसानों को भूमि अधिग्रहण में तीन गुना तक अधिक मुआवज़ा मिलेगा तथा संपत्ति के आधार पर बैंक लोन की उपलब्धता भी बढ़ेगी।

पंजीयन मंत्री ओ. पी. चौधरी ने कहा कि यह संशोधन जनता के हित को सर्वोपरि रखते हुए पूर्ण पारदर्शिता से किया गया है। उन्होंने बताया कि 2017-18 के बाद संशोधन न होने से गंभीर असंतुलन उत्पन्न हो गया था, जिससे किसान, भूमिस्वामी और आम नागरिक प्रभावित हो रहे थे।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि यह निर्णय किसानों और आम नागरिकों के हित में अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। नई दरें न्यायसंगत मूल्यांकन सुनिश्चित करेंगी, भूमि अधिग्रहण में अधिक मुआवज़ा दिलाएँगी और संपत्ति के वास्तविक मूल्य के अनुरूप बैंक लोन उपलब्ध कराने में सहायक होंगी। उन्होंने कहा कि सरकार की स्पष्ट मंशा है कि किसी भी नागरिक को उसकी संपत्ति के उचित मूल्य से वंचित न होना पड़े और भविष्य में कोई विसंगति या भ्रम की स्थिति न बने। सरकार का यह निर्णय राज्य के आर्थिक परिवेश को अधिक संतुलित, पारदर्शी और जनहितकारी बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम माना जा रहा है।

ऑस्ट्रेलियन ओपन बैडमिंटन:

आयुष शेट्टी और लक्ष्य सेन का दमदार प्रदर्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के युवा शटलर आयुष शेट्टी और विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य सेन ने विपरीत अंदाज में जीत दर्ज कर क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है। अब दोनों भारतीय खिलाड़ी एक-दूसरे के खिलाफ अंतिम-8 में भिड़ेंगे।

ऑस्ट्रेलियन ओपन में भारत के युवा शटलर आयुष शेट्टी और विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य सेन ने विपरीत अंदाज में जीत दर्ज कर क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है। अब दोनों भारतीय खिलाड़ी एक-दूसरे के खिलाफ अंतिम-8 में भिड़ेंगे। वहीं अनुभवी खिलाड़ी एचएस प्रणय और किदांबी श्रीकांत को शुरुआती दौर में ही बाहर होना पड़ा। शीर्ष वरीयता प्राप्त सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी भी चीनी ताइपै के सू चिंग हेंग और वु गुआन शुन को 21-18, 21-11 से हराकर अंतिम आठ में पहुंच गए।

वर्ल्ड बॉक्सिंग कप:भारतीय मुक्केबाजों का शानदार प्रदर्शन

निकहत-जैसमीन समेत चार अन्य खिलाड़ी फाइनल में

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। कंधे की चोट के कारण एक साल बाहर रहने के बाद सितंबर में विश्व चैंपियनशिप के जरिये वापसी करने वाली दो बार की विश्व चैंपियन निकहत ने 51 किलो वर्ग में कड़े सेमीफाइनल मुकाबले में उजबेकिस्तान की जानीवा गुलसेवर को हराया। भारतीय मुक्केबाजों ने शानदार प्रदर्शन जारी रखा जिससे निकहत जरीन और जैसमीन लंबोरिया समेत चार अन्य मुक्केबाज विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल्स के फाइनल में पहुंच गई। जादुमणि सिंह एम (50 किलो), पवन बर्तवाल (55 किलो), सचिन सिवाच (60 किलो) और हितेश गुलिया (70 किलो) भी खिताबी मुकाबले में पहुंच गए । भारत के 15 मुक्केबाज गुरुवार को स्वर्ण पदक का मुकाबला खेलेंगे। कंधे की चोट के कारण एक साल बाहर रहने के बाद सितंबर में विश्व चैंपियनशिप के जरिये वापसी करने वाली दो बार की विश्व चैंपियन निकहत ने 51 किलो वर्ग में कड़े सेमीफाइनल मुकाबले में उजबेकिस्तान की जानीवा गुलसेवर को हराया। निकहत आखिरी बार 20 महीने पहले पिछले साल फरवरी में स्ट्रांजा मेमोरियल टूर्नामेंट में पोडियम तक पहुंची थीं। दिल्ली में दो साल पहले विश्व चैंपियनशिप जीतने वाली निकहत ने कहा, 'मुझे खुशी है कि पेरिस ओलंपिक के बाद मेरे पदकों का खाता खुला है। यहां से आगे ही जाना है।

तिलक वर्मा ने अपने पैर पर मारी कुल्हाड़ी, कप्तानी मिलने के बाद भी किया निराश

नई दिल्ली, एजेंसी। बाएं हाथ के भारतीय बल्लेबाज तिलक वर्मा को हाल ही में इंडिया ए टीम का कप्तान बनाया गया था। इस टीम ने साउथ अफ्रीका ए के खिलाफ तीन अनौपचारिक वनडे मैचों की सीरीज भी मेहमान टीम को हराकर 2-1 से जीती। लेकिन कप्तान तिलक वर्मा का बतौर बल्लेबाज प्रदर्शन बेहद निराशाजनक था। साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे इंटरनेशनल सीरीज से पहले उनके पास बेहतरीन मौका था टीम इंडिया के वनडे स्क्वाड में वापसी करने का। मगर उन्होंने अपने पैर पर खुद कुल्हाड़ी मार ली।

तिलक वर्मा की बात करें तो उन्हें भविष्य में टी20 के अलावा वनडे के भी एक अहम खिलाड़ी के तौर पर देखा जाता है। इसलिए उनको टी20 में बेहतरीन प्रदर्शन के बाद वनडे में प्रमोट करने के लिए इंडिया ए वनडे टीम की कमान सौंपी गई। मगर उन्होंने इस सीरीज में निराश किया और तीन मैचों में एक बार भी 40 रन तक का आंकड़ा नहीं छू पाए। वहीं उनका स्ट्राइक रेट भी इस दौरान सवालों के घेरे में रहा।

साउथ अफ्रीका ए के खिलाफ वनडे सीरीज में तिलक का प्रदर्शन

- पहला वनडेः 39 रन (58 गेंद), स्ट्राइक रेट- 67
- दूसरा वनडेः 29 रन (62 गेंद)*, स्ट्राइक रेट- 46
- तीसरा वनडेः 11 रन (23 गेंद), स्ट्राइक रेट- 47

ऊपर दिए गए आंकड़े इस बात के गवाह हैं कि तिलक वर्मा ने बुरी तरह साउथ अफ्रीका ए के खिलाफ एक सुनहरा मौका गंवा दिया। इन दिनों टी20 टीम में उनकी जगह पक्की है। लेकिन उनकी जो प्रतिभा है वो उन्हें तीनों फॉर्मेट के प्लेयर के तौर पर दिखाती है। मगर उनका प्रदर्शन लिस्ट ए और फर्स्ट क्लास में कैसा है इस पर ही आगे उन्हें टीम इंडिया की अन्य दो फॉर्मेट की टीम में जगह मिल सकती है।

तिलक वर्मा ने 2023 में किया था वनडे डेब्यू: तिलक वर्मा ने सितंबर 2023 में यानी वनडे वर्ल्ड कप 2023 से पहले डेब्यू किया था। आखिरी बार वह दिसंबर 2023 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे मैच खेले थे।

वह लगभग दो साल से भारत की वनडे टीम से बाहर हैं। उनके नाम चार वनडे मैचों में सिर्फ 68 रन दर्ज हैं और 52 उनका सर्वोच्च स्कोर है। यही मौका था वह सभी को प्रभावित करके टीम इंडिया में वापसी कर सकते थे। यह मौका तब और ज्यादा सुनहरा था जब टीम के उपकप्तान श्रेयस अय्यर चोटिल हैं और कप्तान शुभमन गिल के खेलने पर सस्पेंस है।

आईसीसी अंडर-19 विश्व कप:

भारत और पाकिस्तान के बीच लीग स्टेज में नहीं होगा मुकाबला

नई दिल्ली, एजेंसी। आईसीसी ने अंडर-19 विश्व कप 2026 के कार्यक्रम का ऐलान कर दिया है। जिम्बाब्वे और नामीबिया की मेजबानी में विश्व कप 15 जनवरी से 6 फरवरी, 2026 तक खेला जाएगा। कुल 16 टीमों के बीच 41 मुकाबले खेले जाएंगे। आईसीसी के घोषित कार्यक्रम के मुताबिक लीग स्टेज में भारत और पाकिस्तान आमने-सामने नहीं होंगे।

आईसीसी ने 16 टीमों को 4-4 के ग्रुप में विभाजित किया है। भारत और पाकिस्तान को अलग-अलग ग्रुप में रखा गया है। इस वजह से लीग स्टेज में दोनों टीमें आपस में नहीं भिड़ेंगी। अक्सर आईसीसी प्रतियोगिताओं में भारत और पाकिस्तान के मैच लीग स्टेज में कराए जाते हैं। इससे टूर्नामेंट का रोमांच बढ़ता है, लेकिन आईसीसी ने इस बार भारत और पाकिस्तान को एक ग्रुप में न रखकर लीग स्टेज में भिड़ंत के रोमांच को ही समाप्त कर दिया है। एशिया कप 2025 (सीनियर) में भारत और पाकिस्तान के बीच फाइनल सहित तीन मैच हुए थे। मैचों के दौरान दोनों देशों के कप्तानों और खिलाड़ियों के बीच हैंड शेक नहीं हुआ था।

इससे स्पष्ट है कि दोनों देशों के बीच क्रिकेट के मैदान पर भी स्थिति सामान्य नहीं है। इसलिए ऐसी किसी भी असामान्य स्थिति से बचने के लिए आईसीसी ने अंडर-19 विश्व कप में दोनों टीमों को अलग-अलग ग्रुप में रखा है। लीग स्टेज में भारत 15 जनवरी को अमेरिका, 17 जनवरी को बांग्लादेश और 24 जनवरी को न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलेगा।

विश्व कप के लिए जिम्बाब्वे और नामीबिया में पांच आयोजन स्थल चयनित किए गए हैं। मैच जिम्बाब्वे में हरारे स्पोर्ट्स क्लब, ताकाशिंगा स्पोर्ट्स क्लब, और क्वींस स्पोर्ट्स क्लब में खेले जाएंगे। वहीं नामीबिया में नामीबिया क्रिकेट ग्राउंड और एचपी ओवल नामीबिया में खेले जाएंगे।

विश्व कप के लिए 4 ग्रुप बनाए गए हैं

ग्रुप ए में भारत, बांग्लादेश, अमेरिका और न्यूजीलैंड है। ग्रुप बी में जिम्बाब्वे, पाकिस्तान, इंग्लैंड और स्कॉटलैंड शामिल हैं। ग्रुप सी में ऑस्ट्रेलिया, आयरलैंड, जापान और श्रीलंका शामिल हैं। ग्रुप डी में तंजानिया, वेस्टइंडीज, अफगानिस्तान और दक्षिण अफ्रीका को जगह दी गई है।

एशेज 2025-26:

फैंस रोमांचित, पांचों टेस्ट के पहले दिन के टिकट बिके

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच 5 टेस्ट मैचों की रोमांचक एशेज सीरीज का आगाज शुक्रवार से पर्थ में हो रहा है। फैंस सीरीज को लेकर बेहद रोमांचित हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के मुताबिक सभी पांच टेस्ट मैचों के पहले दिन के टिकट बिक गए हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के मुताबिक पर्थ टेस्ट के लिए, दूसरे और तीसरे दिन के टिकट तेजी से बिक रहे हैं, जबकि चौथे दिन के लिए अच्छी अवेलेबिलिटी है। दूसरा टेस्ट 4 दिसंबर से ब्रिसबेन में खेला जाएगा। ब्रिसबेन टेस्ट के पहले तीन दिन के टिकट बिक चुके हैं। चौथे दिन के टिकट तेजी से बिक रहे हैं।

तीसरा टेस्ट 17 दिसंबर से एडिलेड में खेला जाएगा। तीसरे टेस्ट के पहले तीन दिन के टिकट भी बिक चुके हैं। चौथा टेस्ट मेलबर्न में 26 दिसंबर से खेला जाएगा। मेलबर्न टेस्ट के पहले दो दिनों के टिकट बिक चुके हैं। तीसरे दिन के लिए बहुत कम टिकट बचे हुए हैं। चौथे दिन के लिए भी टिकट बिक रहे हैं। पांचवां टेस्ट 4 जनवरी 2026 से सिडनी में खेला जाएगा। सिडनी टेस्ट के पहले चार दिनों के टिकट बिक चुके हैं। सभी पांच टेस्ट के लिए, पांचवें दिन के टिकट मैच की स्थिति के आधार पर दिए जाएंगे। पर्थ में होने वाले पहले टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलिया ने अपनी प्लेइंग इलेवन का ऐलान कर दिया है।

ऑस्ट्रेलिया प्लेइंग इलेवनः

उस्मान ख्वाजा, जेक वेदरल्ड, मार्नस लाबुशेन, स्टीव स्मिथ (कप्तान), ट्रेविस हेड, कैमरन ग्रीन, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), मिशेल स्टार्क, नाथन लियोन, स्कॉट बोलैंड, ब्रेंडन डॉगेट

इंग्लैंड ने पहले टेस्ट के लिए 12 खिलाड़ियों का ऐलान किया है। प्लेइंग इलेवन का ऐलान टॉस के समय होगा। इंग्लैंड का 12 सदस्यीय स्क्वाडः बेन डकेट, जैक क्रॉली, ओली पोप, जो रूट, हैरी ब्रूक, बेन स्टोक्स (कप्तान), जेमी स्मिथ (विकेटकीपर), गस एटकिंसन, ब्रायडन कार्स, मार्क वुड, जोफ्रा आर्चर, शोएब बशीर।

नई दिल्ली, एजेंसी। वेस्टइंडीज और न्यूजीलैंड के बीच नेपियर में वनडे सीरीज का दूसरा मैच खेला गया। वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप ने इस मैच में शतक लगाते हुए महान बल्लेबाज ब्रायन लारा के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। न्यूजीलैंड के खिलाफ हुए मुकाबले में चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे शाई होप ने 69 गेंद पर 4 छक्कों और 13 चौकों की मदद से नाबाद 109 रन की पारी खेली।

वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप ने की महान ब्रायन लारा की बराबरी

होप के वनडे करियर का यह 19वां शतक था। इस शतक के साथ ही होप ने ब्रायन लारा द्वारा वेस्टइंडीज के लिए वनडे में लगाए 19 शतकों के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। साथ ही वनडे क्रिकेट में अपने 6,000 रन भी पूरे कर लिए। शतकीय पारी के लिए होप को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया, लेकिन वेस्टइंडीज यह मुकाबला 5 विकेट से हार गई। वेस्टइंडीज के लिए वनडे में सर्वाधिक शतक लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची में होप ब्रायन लारा के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर आ गए हैं। 25 शतक के साथ क्रिस गेल पहले स्थान पर हैं।

अंतरराष्ट्रीय टेनिस हॉल ऑफ फेम में चुने गए 20 बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन रोजर फेडरर

लंदन, एजेंसी। स्विट्जरलैंड के स्टार टेनिस खिलाड़ी और 20 बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन रोजर फेडरर को अंतरराष्ट्रीय हॉल ऑफ फेम में चुना गया है। रोड आइलैंड स्थित हॉल ऑफ फेम ने बुधवार को यह जानकारी दी। टीवी प्रस्तोता और पत्रकार तथा पूर्व खिलाड़ी मैरी कैरिलो को योगदानकर्ता श्रेणी में चुना गया। इन्हें हॉल ऑफ फेम में शामिल करने के लिए समारोह अगस्त 2026 में होगा।

फेडरर ने 103 टूर-स्तरीय खिताब, 20 बड़ी ट्रॉफियां और 28 एटीपी मास्टर्स 1000 क्राउन जीते है। 43 साल के फेडरर के नाम फरवरी 2004 से अगस्त 2008 तक 237 हफ़्तों तक लगातार वर्ल्ड नंबर वन रहने का रिकॉर्ड है। फेडरर पांच बार एटीपी ईयर-एंड नंबर वन रहे, पीआईएफ सम्मान से सम्मानित हुए, 13 बार स्टीफन एडबर्ग स्पोर्ट्समैनशिप अवॉर्ड मिला और 2003-21 तक लगातार 19 सालों

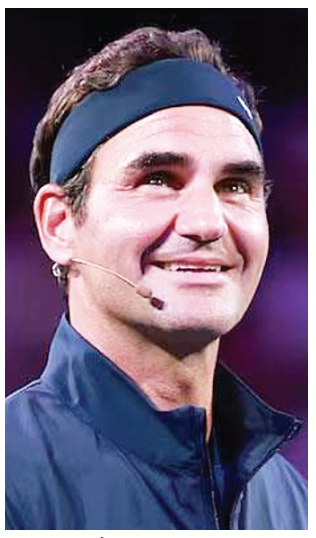

तक एटीपी फैंस के पसंदीदा चुने गए। अपनी इस उपलब्धि पर फेडरर ने कहा, 'अंतरराष्ट्रीय टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल होना और खेल के इतने सारे महान चैंपियन के साथ खड़ा होना बहुत बड़ा सम्मान है। उन्होंने कहा, 'अपने पूरे करियर में मैंने हमेशा टेनिस के इतिहास और मुझसे पहले आए लोगों के उदाहरण को महत्व दिया है। स्विस टेनिस में, अगली पीढ़ी के खिलाड़ियों से घिरे हुए यह खबर सुनना बहुत खास था वह जगह जहां मेरी अपनी यात्रा पहली बार शुरू हुई थी। खेल और मेरे साथियों से इस तरह पहचान मिलना बहुत अच्छा लग रहा है। मैं अगले अगस्त में टेनिस कम्युनिटी के साथ इस खास पल को मनाने के लिए न्यूपोर्ट आने का इंतजार कर रहा हूं। 20 ग्रैंड स्लैम एकल खिताब जीतने वाले पहले पुरुष खिलाड़ी फेडरर 'क्लास ऑफ 2026' के लिए समर्थन प्राप्त करने वाले एकमात्र उम्मीदवार थे। फेडरर ने राफेल नडाल और नोवाक जोकोविच जैसे साथी महान खिलाड़ियों की मौजूदगी वाले युग को 'टेनिस के लिए स्वर्णिम समय' माना।

शुभमन गिल गुवाहाटी टेस्ट से बाहर!

सवालों के घेरे में बीसीसीआई-टीम इंडिया

नई दिल्ली, एजेंसी। जिस बात का अंदेशा था, वो अब सच साबित हो गई है. गुवाहाटी में होने जा रहे दूसरे टेस्ट मैच में टीम इंडिया को कप्तान शुभमन गिल के बिना ही उतरना पड़ेगा. गुवाहाटी के बरसापारा स्टेडियम में 22 नवंबर से भारत और साउथ अफ्रीका के बीच ये टेस्ट मैच शुरू होगा लेकिन इस मैच में भारतीय टीम की कमान गिल के बजाए उप-कप्तान ऋषभ पंत के हाथों में जाती हुई दिख रही है. रिपोर्ट्स के मुताबिक, गिल गर्दन की चोट से पूरी तरह उबर नहीं पाए हैं और टीम के साथ गुवाहाटी जाने के बावजूद वो इस मैच से लगभग बाहर हो गए हैं. इतना ही नहीं, उनका 30 नवंबर से साउथ अफ्रीका के खिलाफ ही वनडे सीरीज में खेलना भी मुश्किल नजर आ रहा है. गिल ही वनडे टीम के भी कप्तान हैं. एक रिपोर्ट में खुलासा किया गया है कि गिल अभी तक पूरी तरह से ठीक नहीं हुए हैं. वो बुधवार 19 नवंबर को टीम के साथ गुवाहाटी जरूर गए लेकिन अभी भी पूरी तरह से ठीक नहीं हो पाए हैं. इसके चलते उनका दूसरे टेस्ट मैच से बाहर होना अब तय ही नजर आ रहा है, जिसका औपचारिक ऐलान होना बाकी है. गिल की गैरहाजिरी में ऋषभ पंत गुवाहाटी में कप्तानी करते हुए दिखेंगे, जिन्होंने कोलकाता टेस्ट की दूसरी पारी में भी टीम की कमान संभाली थी. पंत पहली बार किसी टेस्ट मैच में टीम इंडिया की कप्तानी करेंगे.

कोलकाता टेस्ट के दौरान गर्दन में खिंचाव

गिल को कोलकाता टेस्ट मैच के दूसरे दिन के पहले सेशन में ये चोट लगी थी. टीम इंडिया की बल्लेबाजी के दौरान गिल जब क्रीज पर उतरे तो एक स्वीप शॉट जमाते ही उनकी गर्दन में खिंचाव आ गया, जिसके कारण वो दर्द में नजर आए. इसके चलते सिर्फ 3 गेंद खेलकर ही वो रिटायर्ड हर्ट हो गए और फिर बैटिंग के लिए नहीं लौटे. गिल को उसी दिन शाम में कोलकाता के ही एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां वो पूरी रात रहे और फिर अगले दिन उन्हें डिस्चार्ज किया गया था. इसके चलते वो दूसरी पारी में भी गिल ने बैटिंग नहीं की और टीम इंडिया वो टेस्ट मैच 30 रन से हार गई.इसके बाद से ही गिल कोलकाता में ही आराम कर रहे थे. रिपोर्ट्स के मुताबिक, गिल को डॉक्टर्स ने पूरी तरह से आराम की सलाह दी थी और कहा गया था कि कहीं भी आने-जाने से या लंबे सफर से उनकी दर्द बढ़ सकता है.

संक्षिप्त समाचार

महिला कॉलेज में 'अन्नपूर्णा योजना' के तहत भोजन वितरण

आरा| महिला कॉलेज, आरा में 'अन्नपूर्णा योजना' के तहत जरूरतमंद लोगों को भोजन वितरण का किया गया। कॉलेज द्वारा पिछले चार वर्षों से संचालित यह सामाजिक पहल वर्ष में दो बार आयोजित की जाती है और नैक के अंतर्गत सूचीबद्ध बेस्ट प्रैक्टिसेज में शामिल है। इस बार के आयोजन में लगभग 100 से 150 जरूरतमंद लोगों को भोजन कराया गया। यह कार्यक्रम आइक्यूएसी समन्वयक डॉ. विजयश्री के माता-पिता की पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित किया गया। संपूर्ण संचालन कॉलेज के प्रधानाचार्य प्रो. डॉ. नरेंद्र प्रताप पालित और आइक्यूएसी को-ऑर्डिनेटर डॉ. विजयश्री के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत प्रधानाचार्य प्रो. पालित ने जरूरतमंदों को भोजन परोसकर की। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय का कार्य केवल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना ही नहीं, बल्कि समाज के वंचित वर्ग की सहायता करना भी महत्वपूर्ण दायित्व है। उनके नेतृत्व में कार्यक्रम में सेवा-भाव और मानवता की भावना का विशेष माहौल दिखा।

रुके कार्यों को पूरा कराने को नगर आयुक्त से मिले वार्ड पार्षद

आरा। नगर निगम के वार्ड पार्षदों ने बुधवार को बैठक की। जिसमें शहर के विकास से जुड़े अनेक लंबित मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। पार्षदों ने निगम क्षेत्र में रुके हुए विकास कार्यों को जल्द पूरा करने, नगर के 45 वार्डों में एलईडी स्ट्रीट लाइट लगाने के लिए नए टेंडर प्रक्रिया शुरू करने, वार्डों के लिए हाथगाड़ी उपलब्ध कराने और आचार संहिता प्रभावी होने से पहले हुई बोर्ड बैठक की प्रोसीडिंग उपलब्ध कराने जैसी मांगें उठाईं। बैठक के बाद पार्षद नगर आयुक्त अंजू कुमारी से मिले और अपनी समस्याओं से अवगत कराया। वार्ड पार्षदों ने बताया कि कि नगर आयुक्त ने सभी मुद्दों को ध्यान से सुना और आश्वस्त किया कि रुके हुए कार्यों को जल्द गति दी जाएगी। उन्होंने कहा कि एलईडी लाइट लगाने से संबंधित प्रोसीडिंग सीएस के लिए भेजी जा रही है, जिसके बाद लाइट लगाने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। साथ ही, आगे से बोर्ड बैठक की प्रोसीडिंग समय पर उपलब्ध कराने का भी आश्वासन दिया। नगर निगम द्वारा मंगाए गए सफाई के लिए 50 ट्राईसाइकिल की क्वालिटी पर सवाल उठाते हुए पार्षदों ने इसे वापस कर बेहतर गुणवत्ता वाले रिक्शा या वाहनों की मांग की। हालांकि कुछ पार्षद इन ट्राईसाइकिल को अपने-अपने वार्डों में सफाई कार्य के लिए लगा चुके हैं। नगर आयुक्त से मिलने वाले पार्षदों में जीतू चौरसिया, राजन आदि हैं।

आर्म्स एक्ट के दोषी को दो वर्ष की सजा

बक्सर। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी देवेश कुमार की कोर्ट में बुधवार को आर्म्स एक्ट के एक मामले में सुनवाई हुई। कोर्ट ने आरोपी को दोषी करार दिया और उसे दो साल की सजा के साथ जुर्माना लगाया। कोर्ट ने अभियुक्त पर कुल 20 हजार रुपये का आर्थिक दंड भी लगाया है। अभियोजन पदाधिकारी अशोक कुमार त्रिपाठी व सहायक पदाधिकारी अपूर्वा सिंह ने बताया कि 26 अगस्त 23 को पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि एक व्यक्ति के पास हथियार है। पुलिस तलाशी के दौरान उसके पास से देसी पिस्टल बरामद हुआ पुलिस ने कृष्णा ब्रम्ह थाना क्षेत्र के अरियांव के महेश्वर प्रताप सिंह पिता उदय प्रताप सिंह के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज किया पुलिस ने चार्जशीट के बाद गवाहों के बयान और साक्ष्यों के आधार पर आरोपी को दोषी साबित किया। न्यायाधीश देवेश कुमार ने अभियुक्त को अलग-अलग धाराओं में दोषी करार दिया। कोर्ट ने अभियुक्त को दो साल कारावास के साथ , 10 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया। दुसरे धारा में 6 माह व 10 हजार रुपए का जुर्माना लगाया सभी सजा साथ साथ चलेगा। अपूर्वा सिंह ने कहा कि कोर्ट के द्वारा तेजी से सुनवाई कर अपराधियों को कड़ी सजा देना अपराध नियंत्रण के लिए महत्वपूर्ण कदम है।

मध्य विद्यालय बदलइया टोला की रसोइया की ब्रेन हेमरेज से हुई मौत

ब्रह्मपुर। मध्य विद्यालय बदलइया टोला बड़की नैनीजोर में मंगलवार को मध्याह्न भोजन बनाने के दौरान रसोइया जशोदिया देवी (45 वर्ष) की तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। विद्यालय के प्रधानाध्यापक संजय प्रसाद के अनुसार जशोदिया भंडार गृह में चावल निकाल रही थी। इसी दौरान उसकी तबीयत बिगड़ गई और वे बेहोश होकर गिर पड़ी। स्थिति गंभीर देख विद्यालय कर्मियों एवं परिजनों ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रघुनाथपुर लाया। वहां से डॉक्टरों ने गंभीर हालत देखते हुए सदर अस्पताल बक्सर रेफर किया। बक्सर में भी स्थिति नाजुक होने पर डॉक्टरों ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए बीएचयू वाराणसी भेज दिया। वहां इलाज के दौरान मंगलवार की देर रात उनकी मृत्यु हो गई। डॉक्टरों ने प्रारंभिक परीक्षण में ब्रेन हेमरेज को मौत का कारण बताया। प्रधानाध्यापक ने घटना की जानकारी प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी एवं बीआरपी एमडीएम पदाधिकारी को दे दी है। बीआरपी एमडीएम पदाधिकारी रामाकांत शर्मा ने बताया कि घटना दुःखद है। उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवार को हर संभव सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा। सरकार द्वारा मिलने वाली अनुदानित सहायता राशि दिलाई जाएगी।

नल की टोटी खराब होने से गड़हनी रेलवे स्टेशन पर पानी हो रहा बर्बाद

गड़हनी। स्थानीय प्रखंड के रेलवे स्टेशन गड़हनी पर पानी पीने के लिये लगा करीब करीब सभी टोटी खराब हो गया है। जिसके चलते अक्सर पानी बंद रहता है। यदि पानी खोला जाता है तो पानी बहने लगता है और बाहर गिरकर बर्बाद होता है। रेलवे स्टेशन पर तीन पानी पीने के लिये टोटी युक्त टंकी लगाया गया है। एक टंकी में करीब 4 से 5 टोटी लगा है, करीब करीब सभी टोटी उचक्कों व बदमाशों ने तोड़ दिया गया है। यात्रियों को कहना है कि अभी तो ठंडी आ चुका है काम चल जाएगा, लेकिन जब गर्मी आएगी तो पानी के लिये यात्री मारे मारे फिरते है। रेलवे स्टेशन पर लगा चापाकल भी खराब है वहीं रेलवे स्टेशन पर दो चापाकल भी है लेकिन एक खराब है और एक चालू है। रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा को ले मात्र एक आर पी एफ जवान है। रेलवे स्टेशन के बारे में रेलवे के किसी भी कर्मी से पूछिए तो वह बताने से इनकार कर देते है क्योंकि आदेश है कि मीडिया को कुछ बताना नहीं है।

असुरों का अत्याचार होता है तो भगवान लेते हैं अवतार

बक्सर। पूज्य संत श्री खाकी बाबा सरकार 56वां निर्वाण दिवस पर आयोजित नौ दिवसीय सिय-पिय मिलन महोत्सव से पूरा नया बाजार का पूरा इलाका ही अध्यात्म गांव में तब्दील हो गया है। हर कोई साधु-संतों की सेवा और भक्ति में लीन हो गया है। श्री सीताराम विवाह आश्रम में अहले सुबह से ही साधु-संतों और श्रद्धालुओं की भीड़ जुटनी शुरू हो जा रही है। प्रातः काल में आश्रम के परिकरों के द्वारा श्री रामचरितमानस जी का नवाह परायण पाठ व दामोह की संकीर्तन मंडली के श्री श्री हरि नाम संकीर्तन अखंड अष्टयाम से माहौल भक्तिमय हो जा रहा है। सुबह से लेकर रात बारह बजे तक लोग भक्ति के सागर में गोता लगा रहे हैं। श्री राम कथा के दूसरे दिन बुधवार को श्रीधाम वृंदावन के श्री अग्रमलूक पीठाधीश्वर जगद गुरू श्री राजेंद्र देवाचार्य जी महाराज भगवान शिव-पार्वती संवाद प्रसंग का अद्भुत वर्णन किया। जगद गुरू श्री राजेंद्र देवाचार्य जी के मुख से शिव-पार्वती संवाद को सुन वहां मौजूद साधु-संत और श्रद्धालु धन्य हो गये। महराज श्री ने कहा कि भगवान शिव के चरणों में बैठ भगवती जगदंबा प्रश्न करती हैं कि भगवान श्री राम तत्व का विवेचन करिए। उन्होंने कहा कि तत्व के ज्ञाता लोग अद्वैत तत्व को ब्रह्म, परमात्मा और भगवान कहते हैं। भगवान जीवों के लिए कब सुलभ होते हैं। इस प्रश्न पर उन्होंने कहा कि जीवों के सुलभ होने के लिए भगवान 24 अवतार लिए हैं। अवतार काल जब तक रहता है, भगवान सुलभ होते हैं। लेकिन, लीला समाप्त होने के लिए भगवान जीवों के लिए दुर्लभ हो जाते हैं।

बीजेपी कोटे से मंत्री बने संजय सिंह टाइगर

- आरा से माले प्रत्याशी को 19,581 वोटों से हराया था, दूसरी बार विधायक बने हैं, समर्थकों ने बांटी मिठाई

निज संवाददाता | आरा

पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में नवनिर्वाचित सरकार का भव्य शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। इस समारोह में आरा विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक संजय सिंह टाइगर भी मंत्री पद का शपथ लिया। पार्टी नेतृत्व ने उन्हें नए मंत्रिमंडल में शामिल कर भोजपुर को बड़ी राजनीतिक सौगात दी है। बिहार विधानसभा चुनाव में संजय सिंह टाइगर ने आरा सीट पर शानदार जीत दर्ज की थी। उन्होंने माले प्रत्याशी क्यामुद्दीन अंसारी को 19,581 वोटों से पराजित किया। संजय सिंह टाइगर को 94,201 वोट मिले, जबकि क्यामुद्दीन अंसारी को 74,620 वोट मिले। आरा सीट पर राजनीतिक रूप से सक्रिय क्षेत्र में इतनी बड़ी जीत भाजपा के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

समर्थकों ने जताई खुशीः संजय सिंह टाइगर के मंत्री बनते ही उनके समर्थकों और भाजपा कार्यकर्ताओं में उत्साह की लहर दौड़ गई। आरा, बिहिया, शाहपुर और ग्रामीण क्षेत्रों में ढोल-नगाड़ों के साथ खुशी मनाई जा रही है। कई जगह मिठाइयां बांटी गईं। समर्थकों ने कहा भोजपुर को सरकार में मजबूत प्रतिनिधित्व मिलेगा और विकास की योजनाओं को नई गति मिलेगी।

छात्र जीवन से राजनीति की शुरुआतः संजय सिंह का जन्म भोजपुर जिले के बिहिया प्रखंड के अमराई गांव में 1974 में हुआ। चार भाइयों में सबसे छोटे हैं। बड़े भाई धर्मपाल सिंह 1990 से 2000 तक शाहपुर विधानसभा से दो बार विधायक रह चुके हैं। पहली बार जनता दल और दूसरी बार निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव जीते थे। 55 साल के

संजय सिंह अब तक अविवाहित हैं। अपनी सादगी, सक्रियता और संघर्षशील छवि के लिए जाने जाते हैं। संजय सिंह ने पटना के ए.एन. कॉलेज (मगध विश्वविद्यालय) से पोस्ट-ग्रेजुएशन की पढ़ाई पूरी की। इसके बाद उन्होंने पटना कॉलेज में पढ़ाई के दौरान ही छात्र राजनीति और सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभानी शुरू कर दी थी। राजनीति में बढ़ते प्रभाव को देखते हुए उन्होंने भाजपा की सदस्यता ली और एक सामान्य कार्यकर्ता के रूप में शुरुआत की। भाजपा में शामिल होने के बाद संजय सिंह ने हर बड़े आंदोलन और अभियान में सक्रिय भूमिका निभाई। अपने बेबाक और धारदार वक्तव्य देने की शैली के कारण पार्टी ने उन्हें प्रदेश प्रवक्ता की अहम जिम्मेदारी सौंपी। उनकी यह पहचान ही आगे चलकर टिकट और नेतृत्व में मजबूत जगह बनाने का आधार बनी। 2010 में भाजपा ने उन्हें भोजपुर की संदेश विधानसभा सीट से टिकट दिया। इस चुनाव में उन्होंने राजद के बाहुबली और तत्कालीन विधायक विजेंद्र यादव और निर्दलीय उम्मीदवार पूर्व विधायक अरुण यादव जैसे दिग्गजों को हराकर पहली बार विधानसभा की दहलीज पार की। इस जीत के बाद से वे भोजपुर की राजनीति में एक प्रभावशाली और मजबूत चेहरा बनकर उभरे।

युवक की संदिग्ध मौत

निज संवाददाता | आरा

भोजपुर जिले के कृष्णागढ़ थाना क्षेत्र के इटहना गांव स्थित ब्रह्मस्थान के पास बुधवार को संदेहास्पद स्थिति में नालंदा निवासी एक व्यवसायी की मौत हो गई। घटना को लेकर लोगों के बीच अफरा-तफरी मची रही। जानकारी के अनुसार मृतक मूलरूप से नालंदा जिला के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के डोमन बिगहा गांव निवासी स्व.सतीश प्रसाद के 42 वर्षीय बेटे राज किशोर प्रसाद हैं। वर्तमान में वह पटना जिला के गोपालपुर थाना क्षेत्र के अब्दुल्लाह चक गांव में अपना मकान बनाकर रहते थे और वहीं पर अपना व्यवसाय करते थे। इधर, मृतक के चचेरे भाई योगेंद्र प्रसाद ने बताया कि वह पटना से बराबर इटहना गांव स्थित ब्रह्मस्थान पर पूजा करने के लिए आते थे। बुधवार को भी वह पटना से इटहना ब्रह्मस्थान पूजा करने आए थे। इसी बीच उनकी मौत हो गई।

चार भाई में सबसे बड़े थेः कृष्णागढ़ पुलिस की ओर से फोन कर इसकी सूचना उन्हें दी गई। सूचना पाकर परिजन कृष्णागढ़ थाना पहुंचे। इसके बाद पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम आरा सदर अस्पताल में करवाया। बताया जाता है कि मृतक अपने 4 भाई में बड़े थे। उनके परिवार में पत्नी रूबी देवी व एक बेटे आदर्श और एक बेटी रौली है। घटना के बाद मृतक के घर में कोहराम मच गया है। इस घटना के बाद मृतक की पत्नी रूबी देवी और परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है

पिकअप से 6 लाख की शराब जब्त

निज संवाददाता | आरा

भोजपुर जिले में अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत मद्यनिषेध और उत्पाद विभाग ने पिकअप से भारी मात्रा में अवैध विदेशी शराब बरामद की। साथ ही एक तस्कर को भी गिरफ्तार किया गया है। जब्त शराब की कीमत करीब 6 लाख रुपए बताई जा रही है। पकड़ा गया तस्कर भोजपुर जिले के सिन्हा थाना क्षेत्र के कान्हा छपरा वार्ड नंबर एक निवासी पिंटू कुमार तिवारी (चालक) है। पिकअप को जब्त कर लिया गया है। सहायक आयुक्त मद्यनिषेध रजनीश को गुप्त सूचना मिली कि उत्तर प्रदेश से एक पिकअप में बड़ी खेप भोजपुर जिले में भेजी जा रही है। सूचना के आधार पर निरीक्षक मद्यनिषेध प्रकाश चंद्र के नेतृत्व में विशेष टीम बनाई गई। टीम ने बक्सर-पटना फोरलेन पर कोईवलर ओवरब्रिज के पास वाहन जांच शुरू की। इसी दौरान एक संदिग्ध पिकअप को रोका गया। तलाशी लेने पर पिकअप के डाले के नीचे बने गुप्त तहखाने से भारी मात्रा में रखी गई अवैध विदेशी शराब की खेप मिली।

नए साल में जश्न के लिए आई थी खेपः गिरफ्तारी के बाद चालक को न्यायालय को सुपुर्द किया जा रहा है। 489 लीटर शराब बरामद हुई है। बाजार का मुख्य 6 लाख रुपए के आस-पास बताया जा रहा है। शराब नए साल से पहले जश्न मनाने के लिए मार्केट में उतारने की तैयारी की जा रही थी। छापेमारी अभियान में निरीक्षक प्रकाश चंद्र, अवर निरीक्षक शिवम कुमार झा, सहायक अवर निरीक्षक राजकुमार राजा, सहायक अवर निरीक्षक रवि कुमार के साथ मद्यनिषेध सिपाही, सैप और होमगार्ड के जवान शामिल रहे।

जदयू विधायक संतोष निराला नहीं बने मंत्री

निज संवाददाता | बक्सर

बक्सर में राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। राजपुर सुरक्षित विधानसभा सीट से JDU प्रत्याशी संतोष कुमार निराला की जीत के बाद उनके फिर से मंत्री बनाए जाने की संभावना बढ़ी थी, लेकिन उन्हें मंत्री पद नहीं मिला है। संतोष निराला ने इस चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार विश्वनाथ राम को 9,155 मतों के अंतर से हराया है। उनकी यह जीत जदयू के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है, जो उनकी राजनीतिक पकड़ को दर्शाती है। संतोष कुमार निराला (50) का राजनीतिक जीवन तीन दशकों से अधिक का रहा है। पार्टी नेतृत्व और सहयोगी गठबंधन के बीच चल रहे विमर्श के कारण बक्सर में राजनीतिक चर्चाएं शुरू हो गई हैं।

2010 और 2015 में लगातार 2 बार विधानसभा चुनाव जीतेः उन्होंने 1992 में BSP से राजनीति में प्रवेश किया था। बाद में वे JDU में शामिल हुए और 2010 और 2015 में लगातार 2 बार विधानसभा चुनाव जीते। उनकी लोकप्रियता और संगठन से मजबूत जुड़ाव के कारण उन्हें 2014 में बिहार सरकार में एससी-एसटी कल्याण मंत्री बनाया गया था। इस कार्यकाल में उन्होंने कई

कल्याणकारी योजनाओं पर कार्य किया।

29 जुलाई 2017 को परिवहन मंत्री का पदभार सौंपा गयाः इसके बाद, 29 जुलाई 2017 को उन्हें बिहार सरकार में परिवहन मंत्री का पदभार सौंपा गया। इस भूमिका में उन्होंने परिवहन व्यवस्था में सुधार और कई प्रशासनिक बदलावों को लागू किया। हालांकि, 2020 के विधानसभा चुनाव में उन्हें हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन 2025 की जीत ने उन्हें राज्य सरकार में एक बार फिर महत्वपूर्ण भूमिका की दौड़ में शामिल कर दिया है। सूत्रों के अनुसार, जदयू में उनकी मजबूत पकड़ और क्षेत्र में प्रभाव को देखते हुए इस बार भी उन्हें मंत्रिमंडल में जगह मिलने की संभावना है।

- राजपुर सीट से जीते हैं, 2020 में उन्हें हार का सामना करना पड़ा था

पिता रामलाल राम एक रिटायर्ड सरकारी शिक्षकः व्यक्तिगत जीवन में संतोष कुमार निराला एक शिक्षित परिवार से आते हैं। उनके पिता रामलाल राम एक सेवानिवृत्त सरकारी शिक्षक हैं। उनकी पत्नी मंजू देवी भी पटना में सरकारी शिक्षिका हैं। उनके तीन भाई हैं, जिनमें से एक इंजीनियर है और दो पैतृक गांव महुवारी में कृषि कार्य संभालते हैं। निराला के दो बेटे बाहर पढ़ाई कर रहे हैं और उनकी एक बेटी की शादी हो चुकी है।

ग्रेजुएट प्रोफेशनल डिग्रीधारी हैं संतोष निरालाः संतोष निराला स्वयं ग्रेजुएट प्रोफेशनल डिग्रीधारी हैं और लंबे समय से सामाजिक तथा राजनीतिक गतिविधियों में सक्रिय रहे हैं। 2025 की नई जीत के साथ क्षेत्र में विकास को लेकर जनता की उम्मीदें फिर से उनसे जुड़ गई हैं। अब सबकी निगाहें इस पर टिकी हैं कि क्या JDU नेतृत्व उन्हें एक बार फिर मंत्री पद की जिम्मेदारी सौंपता है या नहीं।

झारखंड पुलिस ने पशु तस्कर के घर चिपकाया नोटिस

निज संवाददाता | बक्सर

- फरार आरोपी के खिलाफ कोर्ट के आदेश पर कार्रवाई, हाजिर न होने पर कुर्की

झारखंड पुलिस ने पांच साल से फरार चल रहे एक पशु तस्कर के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। दुमका सिविल कोर्ट के आदेश पर बक्सर के नया भोजपुर स्थित उसके घर पर नोटिस चिपकाया गया। आरोपी मुमताज को 20 दिसंबर तक अदालत में पेश होने का निर्देश दिया गया है।

कई बार समन जारी होने के बावजूद नहीं हुआ न्यायालय में उपस्थितः यह मामला झारखंड गोवंशीय पशु हत्या प्रतिषेध अधिनियम 2005 के तहत दुमका जिला के रानेश्वर थाना में दर्ज है। अभियुक्त मुमताज, जो स्वर्गीय मुख्तार का पुत्र है, लगातार फरार चल रहा था। कई बार नोटिस और समन जारी होने के बावजूद वह न्यायालय में उपस्थित नहीं हुआ। इसके बाद दुमका सिविल कोर्ट ने सख्त रुख अपनाते हुए उसके खिलाफ नोटिस जारी करने का आदेश दिया। अदालती आदेश मिलते ही रानेश्वर थाना के उप निरीक्षक विशाल खलखो और अजय कुमार के नेतृत्व में झारखंड पुलिस की एक टीम नया भोजपुर पहुंची।

पुलिस ने परिजनों से कहा- तय समय पर न पहुंचने पर होगी कड़ाईः यहां नया भोजपुर थाना पुलिस के सहयोग से गुरुवार को अभियुक्त के घर पर नोटिस चिपकाया गया। स्थानीय लोगों और परिजनों को सूचित किया गया कि मुमताज को निर्धारित तिथि तक अदालत में पेश होना अनिवार्य है। पुलिस ने चेतावनी दी कि यदि वह तय समय पर हाजिर नहीं होता है, तो कोर्ट के निर्देशानुसार कुर्की-जब्ती की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। पुलिस टीम ने परिवार वालों को अदालत के आदेश की प्रति भी सौंपी और कानूनी प्रक्रियाओं का पालन न करने पर होने वाली कठोर कार्रवाई के बारे में समझाया।

अभियुक्त के बारे में जानकारी मिलने पर पुलिस को बताएंः नया भोजपुर थाना अध्यक्ष चंदन कुमार ने बताया कि फरार आरोपियों के खिलाफ अभियान तेज कर दिया गया है और आम लोगों से अभियुक्त के संबंध में कोई भी जानकारी मिलने पर तुरंत पुलिस को सूचित करने की अपील की गई है। इश्तेहार चस्पाए जाने के बाद अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि अभियुक्त न्यायिक प्रक्रिया का पालन करते हुए अदालत में आत्मसमर्पण करता है या पुलिस को अगला कदम कुर्की-जब्ती की कार्रवाई के रूप में उठाना पड़ेगा। नए भोजपुर क्षेत्र में इस कार्रवाई के बाद लोगों में चर्चा तेज हो गई है और पुलिस की सक्रियता की सराहना भी की जा रही है।

निगम क्षेत्र में स्टॉर्म वाटर ड्रेनेज परियोजना में तेजी लाने का निर्देश

निज संवाददाता | आरा

नगर निगम क्षेत्र में स्टॉर्म वाटर ड्रेनेज सिस्टम परियोजना के निर्माण कार्य में तेजी आएगी। इसके लिए बुधवार को जिलाधिकारी तनय सुल्तानिया ने जीरो माइल के पास कार्यस्थल का निरीक्षण किया। वहां पाइप बिछाने, लाइनिंग, ढलान प्रबंधन और जुड़ा की वर्तमान स्थिति का अवलोकन किया। इस दौरान बुडको के अधिकारी और निर्माण एजेंसी से कहा, कार्य में गुणवत्ता होनी चाहिए। यह परियोजना आरा नगर निगम क्षेत्र के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इससे शहर के मुख्य इलाकों में हर वर्ष होने वाला जलजमाव समाप्त हो सकेगा। जिलाधिकारी ने निर्माण स्थल पर उपस्थित मजदूरों से भी बातचीत किया। निरीक्षण के दौरान अनुमंडल पदाधिकारी, विशेष कार्य पदाधिकारी, बुडको के परियोजना निदेशक भी थे। अधिकारियों ने बताया, यह योजना मुख्यमंत्री की प्रगति यात्रा के दौरान घोषित की गई थी। जिसके पूरा होने पर आरा के प्रमुख मार्गों और भीड़-भाड़ वाले इलाकों में जलनिकासी की समस्या स्थायी रूप से समाप्त हो जाएगी। निरीक्षण के दौरान कार्य की गुणवत्ता, प्रगति, तकनीकी मानकों तथा सुरक्षा प्रबंधन की समीक्षा की गई।

98.96 हजार हेक्टे. में होगी गेहूं की खेती

निज संवाददाता | बक्सर

जिले में धान की कटनी शुरू है। बीच में बिन मौसम बरसात होने के चलते कटनी में थोड़ी विलंब हुई है। जिन किसानों के खेत में पानी जमा है वे कटनी के लिए खेत सूखने का इंतजार कर रहे हैं। वैसे जिन किसानों ने धान फसल की कटनी कर ली है, वह रबी फसल की तैयारी में जुट गये हैं। वर्ष 2025-26 के लिए रबी फसलों के आच्छादन के लिए लक्ष्य निर्धारित कर दिया गया है। वैसे बता दें कि जिले का मुख्य फसल चक्र धान और गेंहूं है। जिले के किसान खरीफ में सबसे अधिक धान और रबी में गेंहूं फसल की खेती करते हैं। इस बार 112931.952 हेक्टेयर में रबी फसलों की खेती कराने का लक्ष्य जिला कृषि विभाग को प्राप्त हुआ है। जिला कृषि विभाग से मिली जानकारी के अनुसार इस बार जिले में 5496.618 हेक्टेयर में चना की खेती का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। मसूर की 4357.125 हेक्टेयर, मक्का की 233.33 हेक्टेयर, सरसों की 2710 हेक्टेयर, तीसी की 275.3 हेक्टेयर, गेंहूं की 98965.39 हेक्टेयर और मटर की 894.24 हेक्टेयर में खेती कराने का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। प्रखंडवार गेहूं की खेती के लिए तय रकबा रबी फसल में सबसे अधिक रकबा में गेंहूं फसल की खेती किसान करते हैं। जिला कृषि विभाग के अनुसार ब्रह्मपुर प्रखंड में 9414.92 हेक्टेयर, बक्सर प्रखंड में 8816.5 हेक्टेयर, चक्की प्रखंड में 811 हेक्टेयर, चौसा प्रखंड में 7008.4 हेक्टेयर, चौगाई प्रखंड में 327811 हेक्टेयर, डुमरांव प्रखंड में 13155.75 हेक्टेयर, इटाढ़ी प्रखंड में 15598.5 हेक्टेयर, केसठ प्रखंड में 1900 हेक्टेयर, नावानगर प्रखंड में 12803.5 हेक्टेयर, राजपुर प्रखंड में 19075.72 हेक्टेयर और सिमरी प्रखंड में 7103 हेक्टेयर रकबा में गेंहूं की खेती का लक्ष्य रखा गया है।

अस्पताल में मरीज को नहीं मिला उपचार

निज संवाददाता | बक्सर

- ऑक्सीजन-बिजली न होने से बिगड़ी हालत, सिविल सर्जन ने दिए जांच के आदेश

बक्सर के ब्रह्मपुर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) की स्वास्थ्य सेवाएं एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गई हैं। नैनीजोर गांव की यशोदा देवी को सांस लेने में गंभीर तकलीफ होने पर परिजन उन्हें इलाज के लिए अस्पताल लाए थे। अस्पताल में ऑक्सीजन और बिजली न होने के कारण उन्हें समय पर उपचार नहीं मिल सका, जिसके बाद सिविल सर्जन ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं। परिजनों के अनुसार, यशोदा देवी को तुरंत ऑक्सीजन की आवश्यकता थी, लेकिन अस्पताल में ऑक्सीजन सिलेंडर उपलब्ध नहीं थे। इसके साथ ही, अस्पताल की बिजली आपूर्ति भी बाधित थी और जनरेटर खराब होने के कारण आपातकालीन सेवाएं ठप पड़ गई थीं। इस वजह से मरीज को लगभग एक घंटे तक बिना उपचार के रखा गया, जिससे परिजनों और अन्य मरीजों में भारी आक्रोश फैल गया और अस्पताल परिसर में हंगामा शुरू हो गया।

मशीनों को संचालित नहीं कर पा रहे थे डॉक्टरः ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सकों ने बताया कि बिजली की समस्या और जनरेटर के काम न करने के कारण वे मशीनों को संचालित नहीं कर पा रहे थे। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि ऑक्सीजन सिलेंडर खाली होने के कारण गंभीर मरीजों को प्राथमिक उपचार देना संभव नहीं था। चिकित्सकों ने कहा कि संसाधनों की उपलब्धता होने पर वे तुरंत इलाज शुरू कर सकते थे, लेकिन मौजूदा स्थिति उनके नियंत्रण से बाहर थी।

रेफरल के बाद भी नहीं मिली एम्बुलेंसः मामले की गंभीरता को देखते हुए मरीज को रेफर करने का निर्णय लिया गया, लेकिन रेफरल के बाद भी एम्बुलेंस समय पर उपलब्ध नहीं हो सकी। बताया गया कि एम्बुलेंस लगभग एक घंटे की देरी से अस्पताल पहुंची, जिससे मरीज की हालत और बिगड़ गई। इस दौरान मरीज के परिजनों ने अस्पताल प्रशासन की अव्यवस्था के खिलाफ जमकर विरोध प्रदर्शन किया। घटना की जानकारी मिलने पर सिविल सर्जन डॉ. शिव प्रसाद चक्रवर्ती ने इसे गंभीर लापरवाही बताया। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य केंद्र की व्यवस्था सुधारने के लिए तत्काल एक जांच टीम गठित की जा रही है। डॉ. चक्रवर्ती ने आश्वासन दिया कि दोषियों की पहचान कर उनके खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। ग्रामीणों का कहना है कि ब्रह्मपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में लंबे समय से संसाधनों की कमी, मशीनों की खराबी और स्टाफ की अनुपस्थिति जैसी शिकायतें मिलती रही हैं।